https://www.facebook.com/jantaunion

जनता यूनियन

झाँसी
मंगलवार, 29 सितम्बर 2026
वर्ष 19 अंक 112
पृष्ठ 8 मूल्य ₹3.00
www.epaperjantaunion.com

अधिकतम : 32° से.
न्यूनतम : 23° से.

jantaunion@gmail.com

भंडारे में बवाल, पिस्टल अड़ाकर भाजपा पार्षद व बेटे को...- 3 | नागरिकों की सुरक्षा से कोई समझौता स्वीकार...-8

सार संक्षेप

अमेरिका के ऑपरेशन इकनामिक आउटकास्ट के खिलाफ आईसीएओ पहुंचा ईरान

ईरान (जीएनएस)। ईरान के सिविल एविएशन ऑर्गनाइज़ेशन ने यूएन की एविएशन रेगुलेटर संस्था, इंटरनेशनल सिविल एविएशन ऑर्गनाइज़ेशन (आईसीएओ) के पास अमेरिका द्वारा ईरानी एविएशन पर लगाई गई पाबंदियों के खिलाफ़ औपचारिक विरोध दर्ज कराया है। तेहरान रुकी हुई उड़ान सेवाओं को फिर से शुरू करने के लिए कूटनीतिक और कानूनी कदम उठा रहा है। ईरानी सिविल एविएशन ऑर्गनाइज़ेशन के प्रमुख अबूज़र शिरौदी ने सोमवार को आईआरएनए को बताया कि ईरानी संस्था, विदेश मंत्रालय के साथ मिलकर, रुकावटों को दूर करने और पहले से चल रही उड़ान सेवाओं को फिर से शुरू करने के लिए सभी उपलब्ध कानूनी तरीकों का इस्तेमाल कर रही है। ढ्ढ से बात करते हुए शिरौदी ने कहा कि ईरान ने ढ्ढ को औपचारिक विरोध पत्र के साथ-साथ ऐसे दस्तावेज़ भी सौंपे हैं जिनमें पाबंदियों के कारण उड़ानों में आई रुकावटों का ब्योरा दिया गया है।

डब्ल्यूएचओ का बयान: यमन में हूथी लड़ाकों के साथ जंग में 164 की मौत, 645 घायल

यमन (जीएनएस)। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने बताया कि 19 सितंबर से 26 सितंबर के बीच यमन में ईरान समर्थित हूथी विद्रोहियों और यमन की सरकारी सेना के बीच जारी लड़ाई में 164 लोगों की मौत हुई और 645 लोग घायल हुए। संगठन के अनुसार, इस ताज़ा हिंसा की वजह से 1,80,000 से ज़्यादा लोग विस्थापित हुए हैं। वहीं, एक अलग घटना में, अस्पताल के अधिकारियों ने बताया कि गाज़ा शहर में इज़राइली हमले में एक महिला की मौत हो गई और दो अन्य लोग घायल हो गए। वेस्ट बैंक में इज़राइली मंत्री बेज़लेल स्मोट्रिच ने यरूशलेम के पास एक विवादित बस्ती परियोजना को 27 अक्टूबर के चुनावों तक रोकने के फ़ैसले की आलोचना की। ढ्ढाह ने कहा कि यमन में ताज़ा आंकड़ों के मुताबिक, 6 अगस्त से अब तक कुल 4,481 लोग हताहत हुए हैं, जिनमें 838 लोगों की मौत हुई है। इस महीने की शुरुआत में हूती लड़ाके यमन के तट पर आगे बढ़े और मोखा के अहम बंदरगाह शहर और रेड सी (लाल सागर) के रणनीतिक द्वीपों पर कब्ज़ा कर लिया। इन इलाकों पर कब्ज़े से उन्हें ऊँची जगह मिल गई, जहाँ से वे बाब अल-मंडेब जलडमरूमध्य (स्ट्रेट) में गुज़रने वाले जहाज़ों पर नज़र रख सकते हैं और उन पर हमला भी कर सकते हैं; इस रास्ते से दुनिया का लगभग 12 प्रतिशत व्यापार होता है

भारत को वीटो पॉवर दिलाने के लिए रूस ने यूएन में किया बड़ा धमाका, हिले अमेरिका, चीन समेत दुनिया के बड़े-बड़े देश

मास्को (जीएनएस)। रूस और भारत की कितनी मजबूत और विश्वास से भरी दोस्ती है। आए दिन इसकी झलक देखने को मिलती रहती है। जब भी भारत पर कोई भी संकट आया तो रूस चट्टान की तरह खड़ा दिखाई दिया। रूस ने हमेशा से ही भारत के लिए वो फैसले लिए जो इसके विकास में रफ्तार देने वाले साबित हो। रूस और भारत की दोस्ती तोड़ने के लिए अमेरिका जैसे देशों ने ना जाने कितनी कोशिशें की। लेकिन हर बार उनकी कोशिशें नाकाम ही साबित हुई।

भारत को एशियन गेम्स के 9वें दिन 8 मेडल

जेवलिन में यशवीर को सिल्वर, रोहित को ब्रॉन्ज; श्रीशंकर, गुलवीर और ईशा ने भी जीते सिल्वर

जापान (जीएनएस)। भारत को एशियन गेम्स के 9वें दिन 8 मेडल मिले। यशवीर सिंह ने जेवलिन थ्रो में 85.72 मीटर के पर्सनल बेस्ट के साथ सिल्वर और रोहित यादव ने 84.35 मीटर के थ्रो के साथ ब्रॉन्ज जीता।

इससे पहले श्रीशंकर मुरली ने लॉन्ग जंप में 8.07 मीटर की जंप के साथ सिल्वर अपने नाम किया। गुलवीर सिंह ने 1500 मीटर में 3 मिनट 36.72 सेकेंड के समय के साथ सिल्वर जीता।

सोमवार को ईशा सिंह ने महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल में सिल्वर हासिल किया। पारुल चौधरी ने 5000 मीटर में ब्रॉन्ज, वित्या रामराज ने 400 मीटर हर्डल्स में ब्रॉन्ज और पिंकी बल्हारा ने कुराश के -78 किग्रा वर्ग में ब्रॉन्ज जीता। इन मेडल के साथ भारत के खाते में अब 45 मेडल हो गए हैं। इनमें 4 गोल्ड, 20 सिल्वर और 21 ब्रॉन्ज शामिल हैं। भारत मेडल टैली में 12वें स्थान पर है। शूटिंग में भारत के 12 मेडल हो गए हैं, जिसमें 1 गोल्ड, 7 सिल्वर और 4 ब्रॉन्ज शामिल हैं।

ईशा ने शूटआउट में गोल्ड गंवाया

ईशा सिंह ने महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल में सिल्वर जीता। फाइनल में ईशा और चीन की जियाओ जियारुइक्सुआन के 38-38 पॉइंट रहे। इसके बाद शूटआउट हुआ, जिसमें जियाओ ने जीत दर्ज की। ईशा ने 580 अंक के साथ फाइनल के लिए क्वालिफाई किया था। मनु भाकर मेडल इवेंट तक नहीं पहुंच सकीं।

पारुल और वित्या को ब्रॉन्ज

पारुल चौधरी ने महिलाओं की 5000 मीटर रेस में 15 मिनट 14.61 सेकेंड के समय के साथ ब्रॉन्ज जीता। वित्या रामराज ने महिलाओं की 400 मीटर हर्डल्स में 54.75 सेकेंड के समय के साथ ब्रॉन्ज जीता। उन्होंने पीटी उषा का 42 साल पुराना नेशनल रिकॉर्ड तोड़ा। उषा ने 1984 लॉस एंजिल्स ओलिंपिक में 55.42 सेकेंड का समय निकाला था। अनू राघवन 55.88 सेकेंड के साथ पांचवें स्थान पर रहीं।

कुराश में पिंकी बल्हारा ने महिलाओं के -78 किग्रा वर्ग में ब्रॉन्ज जीता। सेमीफाइनल में उन्हें साउथ कोरिया की मो सुमिन ने 5-0 से हराया।

हॉकी में बांग्लादेश को 10-0 से हराया

भारत ने पुरुष हॉकी के पूल्र के आखिरी मुकाबले में बांग्लादेश को 10-0 से हराकर लगातार पांचवीं जीत दर्ज की। हरमनप्रीत सिंह ने पेनल्टी कॉर्नर से 4 गोल किए, जबकि शिलानंद ने 2 और अभिषेक, सुखजीत, जुगराज और मंदीप ने 1-1 गोल किया। भारत पूल्र में टॉप पर रहा और 1 अक्टूबर को सेमीफाइनल में पाकिस्तान से खेलेगा। पढ़ें पूरी खबरज

बॉक्सिंग में 3 मेडल पक्के

कपिल पोखरिया ने पुरुषों के 90 किग्रा क्वार्टर फाइनल में साउथ कोरिया के किम गिचाए को 5-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई और मेडल पक्का किया।

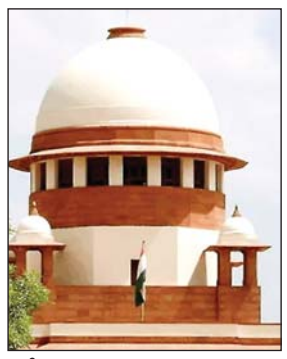

सुप्रीम कोर्ट बोला-चुनाव आयोग 4 महीने में टीएमसी विवाद सुलझाए :पार्टी का नाम-सिंबल फ्रीज; शिवसेना का केस 4 साल, एनसीपी का 3 साल से पेंडिंग

नई दिल्ली (जीएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नाम और 'फूल-पत्ती' चुनाव चिह्न से जुड़े विवाद पर फैसला देने की समय-सीमा तय की। कोर्ट ने दोनों गुटों को एक महीने में अपनी दलीलें पूरी करने और इसके बाद चुनाव आयोग को तीन महीने में फैसला देने का निर्देश दिया।

यानी पूरी प्रक्रिया 4 महीने में पूरी करनी होगी। चुनाव आयोग ने विवाद को सुलझाने के लिए 6 महीने का समय देने की अपील की थी, लेकिन कोर्ट ने इसे खारिज कर दिया।

यह आदेश ममता बनर्जी की याचिका पर सुनवाई के दौरान आया। उन्होंने चुनाव आयोग के उस अंतरिम फैसले को चुनौती दी थी, जिसमें टीएमसी के नाम और चुनाव चिह्न का इस्तेमाल रोक दिया गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को सुझाव दिया है कि वे टीएमसी विवाद को जल्दी सुलझाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और मशीन लर्निंग का इस्तेमाल करें।

कोर्ट ने कहा कि इन आधुनिक तकनीकों की मदद से जटिल कानूनी दस्तावेजों को पढ़ने और समझने का काम बहुत तेजी से हो सकता है, जिससे यह पूरा मामला 6 महीने की बजाय सिर्फ 3 महीने में ही निपटाया जा सकेगा।

बंगाल की दो विधानसभा सीटों नंदीग्राम और रेजीनगर में 6 अक्टूबर को उपचुनाव हैं। टीएमसी के दोनों गुटों ने असली नाम और सिंबल पर चुनाव लड़ने की मांग की थी। चुनाव आयोग ने 17 सितंबर को ममता बनर्जी और अरूप रॉय के नेतृत्व वाले दोनों गुटों के नेताओं की सुनवाई की थी। सुनवाई के बाद चुनाव आयोग ने टीएमसी नाम और चुनाव चिन्ह फ्रीज कर दिया।

आयोग ने 18 सितंबर को ममता बनर्जी के गुट को 'ममता ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस' और 'फुटबॉल खिलाड़ी' का चिह्न दिया, जबकि दूसरे गुट को 'डेमोक्रेटिक तृणमूल कांग्रेस' और 'लिफाफा' दिया गया है।

नेपाल में पहाड़ टूटकर नदी में गिरा:रास्ते पर मलबा भरा, अब तक 14 मौत; नदी में क्रूज पलटा

मुस्तांग (जीएनएस)। नेपाल के मुस्तांग जिले में रविवार को भारी बारिश के बीच पहाड़ का एक बड़ा हिस्सा टूटकर कालीगंडकी नदी में जा गिरा। इस घटना में 14 लोगों की मौत हुई है।

वायरल वीडियो में चट्टानों और मिट्टी का पूरा मलबा कुछ ही सेकेंड में ढलान से नीचे आता दिख रहा है। देखते-देखते नदी का रास्ता मलबे से भर गया।

इधर, बाढ़ का पानी बढ़ने से नारायण नदी में बंधे एक क्रूज शिप की रस्सी टूट गई। इसके बाद जहाज करीब 100 मीटर तक नदी के बहाव के साथ बहता हुआ चला गया और पुल के पिलर से टकरा गया। नेपाल 1 महीने में दूसरी बार भीषण बाढ़ से जूझ रहा है। इससे पहले 26 अगस्त को भोटेकोशी नदी में बाढ़ आई थी। इसमें 1453 लोगों की मौत हुई, जबकि 5500 से ज्यादा लोग अभी भी लापता हैं। राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन प्राधिकरण के मुताबिक, पिछले 24 घंटों में नेपाल के अलग-अलग जिलों में बाढ़, भूस्खलन, भारी बारिश से जुड़ी घटनाओं समेत 272 हादसे हुए। इन घटनाओं में 21 लोगों की मौत हुई है, 4 लोग लापता हैं और 26 लोग घायल हुए हैं। इसमें सबसे ज्यादा भूस्खलन की 97 घटनाएं हुई हैं। इनमें 19 लोगों की मौत हुई, 4 लोग लापता हैं और 4 घायल हुए हैं।

समूह की हर दीदी की आय बढ़ाना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना सरकार का लक्ष्य: केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ जयूसं। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को गौतम बुद्ध नगर में आयोजित यू.पी. इंटरनेशनल ट्रेड शो-2026 में स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार का लक्ष्य स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी प्रत्येक दीदी की आमदनी बढ़ाना और उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार का संकल्प है कि कोई भी गरीब परिवार गरीबी में न रहे और गरीब परिवारों को गरीबी से बाहर निकालकर समृद्धि की ओर ले जाया जाए। स्वयं सहायता समूह इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि आज गांव की महिलाएं केवल घर तक सीमित नहीं हैं, बल्कि बैंकिंग, विद्युत, कृषि, बीमा और ड्रोन सहित विभिन्न क्षेत्रों में अपनी सेवाएं देकर आर्थिक गतिविधियों की नई पहचान बना रही हैं। बीसी सखी, बैंक सखी, विद्युत सखी, कृषि सखी और ड्रोन सखी जैसी पहल से महिलाओं के लिए रोजगार और आय के नए अवसर पैदा हुए हैं। आने वाले समय में स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को घरेलू गैस सिलेंडरों के वितरण से जोड़ने की दिशा में भी कार्य करने का विचार है। निर्धारित सरकारी मानकों के अनुरूप समूह की दीदियों के घरों पर सिलेंडरों का भंडारण एवं वितरण व्यवस्था विकसित होने से उन्हें अतिरिक्त आमदनी का अवसर मिलेगा। श्री मौर्य ने कहा कि स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार किए जा रहे उत्पादों को बड़े बाजार से जोड़ने की दिशा में सरकार निरंतर प्रयास कर रही है। उन्होंने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हर घर तिरंगा अभियान के लिए समूह की महिलाओं द्वारा तैयार किए गए तिरंगों का उल्लेख करते हुए कहा कि जिन महिलाओं का भुगतान अभी लंबित है, उनका तत्काल भुगतान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि यदि किसी स्तर पर भुगतान की प्रक्रिया रुकी हुई है तो उसे शीघ्र पूरा कर धनराशि संबंधित महिलाओं तक पहुंचाई जाए।

अमेरिका जा रहे तीन भारतीयों का इथियोपिया में अपहरण:तीनों गुजरात के रहने वाले, पिछले साल अमेरिका में रोजाना 65 भारतीय पकड़े गए

इथियोपिया (जीएनएस)। गैरकानूनी तरीके से अमेरिका जा रहे तीन भारतीयों का इथियोपिया में किडनैप कर लिया गया है। तीनों गुजरात के रहने वाले हैं। इनमें दो लड़कियां और एक युवक शामिल है। तीनों 20 सितंबर को गुजरात से रवाना हुए थे। इसी बीच इथियोपिया पहुंचते ही तीनों का अपहरण कर लिया गया। अपहरणकर्ताओं ने तीनों की रिहाई के बदले में इनके परिवार से एक करोड़ रुपए की फिरौती मांगी थी। तीनों के परिवार वालों ने फिरौती की रकम दे दी है, लेकिन इसके बाद भी तीनों से परिवार का संपर्क नहीं हो पा रहा है। अमेरिकी बॉर्डर एंड कस्टम की रिपोर्ट के मुताबिक, एक जनवरी से दिसंबर 2025 के बीच 23,830 भारतीयों को पकड़ा गया था। यानी कि रोजाना औसतन 65 लोग पकड़े गए।

विभाग के मुताबिक, प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रम्प की सख्ती के बाद अवैध रूप से एंट्री के मामले घटे हैं, लेकिन इस पर पूरी तरह से रोक नहीं लगी है।

सुप्रीम कोर्ट का यूपीआई चार्ज पर रोक से इनकार: ₹2000 से ज्यादा के पेमेंट पर 0.4% चार्ज तय; सरकार से पूछा- नियम का आधार बताएं

नई दिल्ली (जीएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने यूपीआई पेमेंट पर 0.4% चार्ज लगाने के केंद्र सरकार के फैसले पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। 15 अक्टूबर से यह शुल्क 2000 रुपए से ज्यादा के मर्चेंट पेमेंट पर लागू होगा। हालांकि, कोर्ट ने केंद्र सरकार को नोटिस जारी करके जवाब मांगा है कि इस नए नियम को लागू करने का आधार क्या है।

चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना की तीन जजों की बेंच ने वकील अंजन दत्ता की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया।

याचिकाकर्ता का सवाल- बिना चर्चा के सरकार ने तय कर दिया

एडवोकेट अंजन दत्ता ने जनहित याचिका में सवाल उठाया कि 2,000 रुपए की सीमा क्यों तय की गई? यूपीआई और रूपे कार्ड के लिए नियम अलग क्यों हैं। याचिका में इसे रद्द करने की मांग की गई थी। याचिका में यह भी कहा गया कि सरकार ने जनता से चर्चा किए बिना और कोई ठोस नियम बनाए बिना ही यह फीस तय कर दी। इसके अलावा, पेमेंट एंड सेटलमेंट सिस्टम्स एक्ट, 2007 के एक नियम (धारा 10ए) को भी अदालत में चुनौती दी गई। आरोप है कि यह नियम सरकार को अपनी मर्जी से यह फैसला करने की छूट देता है कि कौन-सा डिजिटल पेमेंट फ्री रहेगा और किस पर चार्ज लगेगा। सरकार की तरफ से एएसजी एन. वेंकटरमण ने कहा कि आम लोगों के आपस में पैसे भेजने पर चार्ज नहीं लगेगा। देश के लगभग 96% छोटे-मोटे दुकानदारी वाले भुगतानों पर भी इसका कोई असर नहीं पड़ेगा। बड़े व्यापारियों पर 0.4% चार्ज: जिन व्यापारियों का महीने का यूपीआई कलेक्शन ₹1 लाख से ज्यादा है, उन्हें ₹2,000 से बड़े हर पेमेंट पर 0.4% मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) और जीएसटी देना होगा।

दिल्ली में नेवी कमांडर कॉन्फ्रेंस, सीडीएस और रक्षा मंत्री करेंगे समुद्री सुरक्षा की समीक्षा

नई दिल्ली (जीएनएस)। नेवी कमांडर कॉन्फ्रेंस 2026/02 (भारतीय नौसेना की साल में दो बार होने वाली कॉन्फ्रेंस का 2026 का दूसरा संस्करण) 29 सितंबर 2026 से 1 अक्टूबर 2026 तक तीन दिनों के लिए नई दिल्ली के नौसेना भवन में आयोजित की जाएगी। नौसेना के सबसे ऊंचे स्तर के मंच के तौर पर, यह कॉन्फ्रेंस नौसेना के सीनियर लीडर्स - जिनमें बाहर तैनात ऑपरेशनल और एरिया कमांडर भी शामिल हैं - को मिलिट्री-स्ट्रैटेजिक लेवल पर ऑपरेशनल तैयारी की व्यापक समीक्षा करने और एक संस्थागत व्यवस्था के ज़रिए सरकार के सीनियर अधिकारियों के साथ बातचीत करने का मौका देती है। यह कॉन्फ्रेंस भारत के समुद्री हितों की रक्षा में भारतीय नौसेना के योगदान को रेखांकित करने में अहम भूमिका निभाएगी, जिसमें पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्षों के बीच ऊर्जा सुरक्षा भी शामिल है। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि चल रहे ऑपरेशन ऊर्जा सुरक्षा को नौसेना द्वारा मज़बूती से अंजाम देना और एक भरोसेमंद समुद्री ताकत के तौर पर इसका उभरना, हिंद महासागर क्षेत्र और उससे आगे एक पसंदीदा सुरक्षा भागीदार के रूप में इसकी स्थिति को और मज़बूत करता है।

जयपुर में ओले गिरे; यूपी में 8 नदियां उफान पर

हिमाचल में लैंडस्लाइड से नदी का बहाव रुका :केदारनाथ में 1500 लोगों का रेस्क्यू

शिमला (जीएनएस)। हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले में सोमवार सुबह जांगलीख पुल के पास लैंडस्लाइड हो गया। 100 फीट से ज्यादा ऊंचा पहाड़ करीब 25 से 26 सेकंड तक गिरता रहा। मलबे के कारण सुंदरू नदी का बहाव भी कुछ देर के लिए रुक गया।

केदारनाथ मार्ग पर चीड़बसा में फंसे करीब 1500 यात्रियों को एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, और डीडीआरएफ ने रेस्क्यू कर गौरीकुंड पहुंचाया। इसके साथ ही मौसम में सुधार के बाद दो दिन से बंद चारधाम यात्रा भी फिर शुरू कर दी गई है।

जयपुर में सोमवार शाम मौसम बदला और मूसलाधार बारिश हुई। कई इलाकों में ओले गिरे। श्रीगंगानगर के पदमपुर के आसपास सोमवार दोपहर में बवंडर आया।

वहीं, उत्तर प्रदेश में 8 नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। गोंडा और बदायूं में छोटे पुलों के ऊपर से पानी बह रहा है।

आंधी-बारिश से पिछले 2 दिनों में 63 लोगों की मौत हुई है।

हिमाचल प्रदेश में 30 जून से 28 सितंबर तक 91 दिन के मानसून में नुकसान ?3,220 करोड़ से ज्यादा हो गया है। इस दौरान 373 लोगों की मौत हुई। नुकसान का मौके पर आकलन करने के लिए 7 सदस्यीय इंटर-मिनिस्टीरियल सेंट्रल टीम (आईएमसीटी) सोमवार को हिमाचल पहुंची। टीम 28 सितंबर से 1 अक्टूबर तक राज्य का दौरा करेगी।

राज्य सरकार ने मानसून से हुए नुकसान के लिए करीब ?3,200 करोड़ की मदद मांगी है। टीम की रिपोर्ट नेशनल डिजास्टर रिस्पॉन्स फंड (एनडीआरएफ) से सहायता तय करने की प्रक्रिया का हिस्सा होगी। हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले में सोमवार सुबह पहाड़ गिर गया। रोहडू के छोहारा ब्लॉक में जंगलिख पुल के पास 100 फीट से ज्यादा ऊंचा पहाड़ करीब 25 से 26 सेकेंड तक गिरता रहा। पहाड़ का मलबा सड़क पर आ जाने से गांव का रास्ता बंद हो गया छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा के पास इंद्रावती नदी में बाढ़ के कारण फंसे 12 लोगों को इंडियन एयरफोर्स (आईएएफ) ने हेलिकॉप्टर से सुरक्षित बचाया। ये लोग डोंगाघाट गांव के पास नदी के किनारे कच्ची झोपड़ी की छत पर फंसे थे। बाढ़ का पानी बढ़ने से छत गिरने का खतरा था। एक गरुड़ कमांडो को छत पर उतारकर लोगों को हेलिकॉप्टर में सुरक्षित पहुंचाया गया। उत्तराखंड के केदारनाथ मार्ग पर चिरबासा के पास लैंडस्लाइड के कारण फंसे करीब 1500 श्रद्धालुओं को एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, और डीडीआरएफ की जॉइंट टीमों ने सुरक्षित निकाल लिया।

उज्जैन में मस्जिद तोड़ने के खिलाफ याचिका हाईकोर्ट में खारिज :सुबह इसी पर पथराव-लाठीचार्ज हुआ, 20 पर एफआईआर

उज्जैन (जीएनएस)। उज्जैन के शाही मस्जिद मामले में दायर याचिका मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने खारिज कर दी है। सभी पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने जिला प्रशासन और मस्जिद कमेटी के बीच हुए समझौते के आधार पर मामले को डिस्पोज ऑफ कर दिया।

याचिकाकर्ता शाही मस्जिद कमेटी के एडवोकेट कुलदीप पाठक ने कहा- सड़क के लिए 3 फीट जगह के साथ कुछ दुकानें हटाने पर सहमति बनी है। बड़ी मीनार को दूसरी ओर शिफ्ट किया जाएगा। दुकानों के लिए दूसरी जगह दी जाएगी।

इससे पहले सोमवार सुबह मस्जिद का एक हिस्सा तोड़े जाने को लेकर जमकर हंगामा हुआ। पुलिस पर पथराव किया गया। जवाब में लाठीचार्ज और आंसू गैस छोड़ी गई। भीड़ को हटाने के दौरान महिला थाना प्रभारी घायल हो गई।

विवाद के बाद फोर्स तैनात कर दी गई, लेकिन दोपहर होते-होते फिर पथराव होने लगा। पुलिस ने दोबारा लाठीचार्ज कर आंसू गैस छोड़ी। हंगामे के बीच कार्रवाई जारी रही। हालांकि, नमाज के समय इसे रोक दिया गया। इसके बाद मामला शांत हो गया।

पुलिस ने 3 थानों में 20 लोगों के खिलाफ 8 नामजद एफआईआर दर्ज की हैं। इनमें 5 सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर शामिल हैं। इन पर माहौल बिगाड़ने का आरोप है।

cmyk

नमामि गंगे व जलापूर्ति विभाग की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट कार्यालय में डीडब्ल्यूएसएम की समीक्षा बैठक सम्पन्न

जनता यूनियन - मथुरा । मुख्य विकास अधिकारी महोदया एवं अपरजिलाधिकारी महोदय (नमामि गंगे एवं जलापूर्ति विभाग) की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट कार्यालय में ष्ठङ्खस्रू की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जल जीवन मिशन के अंतर्गत सतही जल स्रोत पर आधारित परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। इस दौरान परियोजनाओं की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति, निर्माणाधीन कार्यों तथा लंबित कार्यों की स्थिति पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में जीवन मिशन के अंतर्गत पाइपलाइन बिछाए जाने के दौरान क्षतिग्रस्त हुई सड़कों के रेस्टोरेशन कार्य की प्रगति की जानकारी ली गई तथा सड़क पुनर्स्थापन कार्य को शीघ्र पूर्ण कराने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

इसके साथ ही ऑपरेशन एंड मेंटेनेंस के अंतर्गत संचालित योजनाओं के कार्यों की प्रगति एवं स्थिति की भी समीक्षा की गई। संबंधित अधिकारियों को योजनाओं का सुचारु संचालन सुनिश्चित करने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित एवं निर्बाध पेयजल आपूर्ति बनाए रखने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

किसानों की समस्याओं भाकियू चढूनी के पदाधिकारियों ने किया मंथन

जनता यूनियन - मथुरा । खाद, धान की खरीद तथा बिजली कटौती आदि की समस्याओं को लेकर भाकियू चढूनी के कैंप कार्यालय पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रतन सिंह पहलवान के नेतृत्व में बैठक हुई। इसमें युवा मंडल अध्यक्ष आगरा तुलसी दास, जिला अध्यक्ष संजय पाराशर ने कहा कि किसानों को खाद नहीं मिल रहा है। मंडी मथुरा में धान को तुलाई सही नहीं हो रही है। उन्होंने बिजली की अघोषित कटौती को लेकर आक्रोश जताया। उन्होंने आरोप लगाया कि अधिकारी मनमानी कर रहे हैं, किसानों की समस्याओं की अनदेखी हो रही है। भ्रष्टाचार चरम पर है। तहसीलों में समय से काम नहीं हो रहा है। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रतन सिंह पहलवान ने नए सदस्यों को पदभार ग्रहण कराया। जिसमें श्यामवीर सिंह राधाकुंड को मंडल सचिव,योगेंद्र सिंह को मथुरा की सदर तहसील का युवा अध्यक्ष,मुरारी को ऊंचे गांव का संगठन मंत्री,गिरवर सिंह को ब्लॉक अध्यक्ष गोवर्धन बनाया गया।

कुशल संगठन कर्ता व सामाजिक समरसता के पुरोधा थे अशोक सिंघल

जनता यूनियन - मथुरा । श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन के महानायक श्रद्धेय अशोक सिंघल की जयंती शताब्दी दिवस पर केशव धाम द्वारा संचालित केशव वेद विद्यालय में वेद पूजन महोत्सव का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर अतिथियों ने भारत माता, एवं अशोक सिंघल के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर वेद ग्रंथों का वैदिक विधि विधान से पूजन किया केशव वेद विद्यालय के वेदपाठी छात्रों ने वैदिक स्वस्तिवाचन किया जिससे केशव धाम परिसर वेद ध्वनि से गुंजायमान हो गया।

केशव वेद विद्यालय के प्रधानाचार्य रवीन्द्र शर्मा ने वेद विद्यालय की वार्षिक गतिविधियों पर प्रकाश डाला केशव धाम के मंत्री सतीश चन्द्र अग्रवाल ने केशव धाम में चल रहे प्रकल्पों की जानकारी दी

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय उज्जैन. के कुलपति प्रो शिवशंकर मिश्र ने माननीय अशोक सिंघल के व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए उन्हें कुशल संगठन कर्ता व सामाजिक समरसता का पुरोधा बताया।

विशिष्ट अतिथि लोकेश गर्ग समृद्धि ज्वेलर्स ने कहा श्रद्धेय अशोक सिंघल ने धर्मजागरण, सेवा, संस्कृत, परावर्तन, गौरक्षा, स्वदेशी जैसे अनेक आयामों को विश्व हिन्दू परिषद से जोड़ा और राम जन्मभूमि आंदोलन के माध्यम से विश्व के करोड़ों हिन्दुओं को संगठित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

डॉ मनोज मोहन शास्त्री ने आशीर्वचन में कहा भारतीय संस्कृति सभ्यता और परंपराओं को सुरक्षित रखने के लिए माननीय अशोक सिंघल ने घर घर वैदिक शिक्षा को पहुंचाने का संकल्प लिया उनकी अंतिम इच्छा थी हर घर में वेदों की ऋचाएं गुंजायमान हो।

कार्यक्रम में सोहम् आश्रम के पूज्य संत श्री गौरवानन्द जी महाराज, केशव धाम के निदेशक ललित जी,ओमप्रकाश बंसल, धर्मेन्द्र कुमार अग्रवाल, हरस्वरुप यादव, आचार्य मुरलीधर चतुर्वेदी, राजीव पाठक, राधेश्याम बंसल,कोमल वर्मा, नंदिनी मिश्रा,संजय जादौन, गणेश दत्त शर्मा, संदीप चतुर्वेदी महेश किलानोत योगेन्द्र अग्रवाल आदि भारी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

चित्रकला में परिषदीय विद्यालयों में रिया, कस्तूरबा विद्यालयों में गुंजन रही प्रथम

जनता यूनियन - मथुरा । सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत मेरे सपनों का भारत थीम पर जनपद स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया। प्रतियोगिता में जनपद के विभिन्न विकासखंडों से ब्लॉक स्तर पर चयनित विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया और आकर्षक एवं रचनात्मक चित्रों के माध्यम से भारत के प्रति अपने सपनों, विचारों एवं कल्पनाओं को अभिव्यक्त किया। प्रतियोगिता के परिषदीय विद्यालय वर्ग में उच्च प्राथमिक विद्यालय जटपुरा, नौहझील की कक्षा 6 की छात्रा रिया प्रथम, उच्च प्राथमिक विद्यालय झींगा, गोवर्धन की कक्षा सात की छात्रा कल्पना द्वितीय,उच्च प्राथमिक विद्यालय पसोली, चौमुहां के कक्षा आठ के छात्र जतिन तृतीय, उच्च प्राथमिक विद्यालय लक्ष्मीनगर नगर क्षेत्र की छात्रा खुशी चतुर्थ, उच्च प्राथमिक विद्यालय औरंगाबाद की इशिका पंचम स्थान प्राप्त किया। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय वर्ग में कक्षा आठ की छात्रा गुंजन छाता ने प्रथम, कक्षा 9 की छात्रा वर्षा मथुरा ने द्वितीय,फरह की कक्षा 9 की छात्रा साक्षी तृतीय स्थान प्राप्त किया। जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने विजयी छात्राओं को पुरूस्कृत किया।

शहीद-ए-आज़म भगत सिंह की 119वीं जयंती श्रद्धा और उल्लास से मनाई गई

जनता यूनियन - मथुरा । अमर शहीद-ए-आज़म भगत सिंह की 119वीं जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर तिरंगा शाखा के जिला प्रमुख सुरेश कुमार सैनी ने भगत सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि भगत सिंह का जीवन त्याग, साहस और देशभक्ति की अमर मिसाल है। सभी ने उनके जीवन से प्रेरणा लेकर उनके बताए आदर्शों और पदचिह्नों पर चलने का संकल्प लिया।इस अवसर पर सुरेश कुमार सैनी, आप नेता रवि प्रकाश भारद्वाज, राकेश अग्रवाल, संतोष कुमार सक्सेना, मुरारी लाल बघेल, कमल सिंह बघेल, टी.पी. सैनी, नीरज सैनी, नवीन कुमार, अर्जुन एवं श्रीकृष्ण सैनी सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

ए एम एम स्कूल में संत शेख अब्दुल कादिर जिलानी को याद किया गया

जनता यूनियन - मथुरा । स्कूल के प्रांगण में सैकड़ो स्त्री पुरुष और बच्चे एकत्रित हुए। बगदाद के महान संत की याद में पवित्र सभा का आयोजन किया गया। सबसे पहले इमाम साहब अब्दुल वाजिद ने कुरान पाठ फातिहा का सफल संचालन किया। स्कूल के संचालक हाजी हसन ने आगंतुकों का स्वागत किया। उन्होंने अब्दुल कादिर जिलानी गौस ए आजम के जीवन एवं कार्यकलापों का विस्तृत वर्णन किया। हाजी छोटे खां , उनके पुत्र पुत्री ने लंगर का बहुत ही सुंदर और सफल आयोजन ए एच एम स्कूल के प्रांगण में किया। आयोजन में सैकड़ो स्त्रियों ने भी खुशी-खुशी भाग लिया और भोजन ग्रहण किया। स्कूल की प्राचार्य डॉक्टर नाहिद अख्तर ने आगंतुकों का हर्ष उल्लास के साथ धन्यवाद ज्ञापन किया। अंत में दुआ की गई कि अल्लाह ताला हमारे नगर में हमारे देश में प्रेम मोहब्बत सद्भाव भाईचारे का सुखद वातावरण बनाए रखे।

पोक्सो अधिनियम-2012 के प्रति छात्राओं को किया जागरूक

जनता यूनियन - मथुरा । बाल संरक्षण से सम्बंधित कानूनी ढाँचे के बारे में किशोर-किशोरियों में जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी जी की जयन्ती के अवसर पर जनपद के समस्त विद्यालयों में पोक्सो अधिनियम 2012 विषय पर एक विशेष जागरूकता अभियान दिनांक 25.09.2026 से 02.10.2026 तक आयोजित किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मथुरा द्वारा जनपद के विद्यालयों/कॉलेजों में पोक्सो अधिनियम 2012 विषय पर विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर, कला प्रतियोगिता, नुक्कड़ नाटक आदि विधिक कार्य आयोजित किये जा रहे हैं।

मथुरा रिफाइनरी में आपदा ड्रिल का अभ्यास सम्पन्न

जनता यूनियन - मथुरा । मथुरा रिफाइनरी अपने अधिकारियों, कर्मचारियों एवं संविदा कर्मियों की सुरक्षा के प्रति सदैव सजग रहती है। रिफाइनरी में संभावित आपातकालीन परिस्थितियों से प्रभावी ढंग से निपटने तथा आपात स्थिति में विभिन्न विभागों के बीच समन्वय और त्वरित प्रतिक्रिया को परखने के उद्देश्य से समय-समय पर आपातकालीन पूर्वाभ्यास आयोजित किए जाते हैं। इसी क्रम में आज दिनांक 28 सितंबर 2026 को बीजी-1, ओएम एंड एस-ढ्ढ में आपातकालीन पूर्वाभ्यास आयोजित किया गया।

पूर्वाभ्यास का परिदृश्य बीजी-1 लोडिंग गैंट्री पर वैगन में मोटर स्पिरिट (स्न्स्) की लोडिंग के दौरान ओवरफिलिंग के कारण स्न्स् के फैलाव से वाष्प बादल बनने तथा क्षतिग्रस्त लाइट फिटिंग के संपर्क में आने से आग लगने पर आधारित था। आग की सूचना मिलते ही संबंधित कर्मियों द्वारा आपातकालीन शटडाउन किया गया तथा फायर एंड सेफ्टी कंट्रोल रूम एवं संबंधित नियंत्रण कक्षों को सूचना दी गई। गैंट्री के वाटर स्प्रे सिस्टम को सक्रिय किया गया और फोम फायर टेंडर तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे।

इस आपदा ड्रिल के बाद एक समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। इस बैठक में आपातकालीन तैयारी योजना में और सुधार के लिए आपातकालीन समन्वयकों द्वारा दी गई रिपोर्ट की समीक्षा श्री मुकुल अग्रवाल, कार्यकारी निदेशक एवं रिफाइनरी प्रमुख तथा संबन्धित वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में की गई। श्री अग्रवाल ने इस मॉक ड्रिल के सफल आयोजन के लिए सभी की सराहना करते हुए इसमें और अधिक सुधार लाने के लिए अपने मूल्यवान सुझाव भी दिए।

संपत्ति धोखाधड़ी का आरोपी पुलिस की गिरफ्त में, बस स्टैंड के पास से दबोचा

जनता यूनियन - मथुरा । रमणरेती क्षेत्र में संपत्ति धोखाधड़ी के मामले में वांछित चल रहे एक अभियुक्त को थाना वृन्दावन पुलिस ने शनिवार रात धर दबोचा। आरोपी की पहचान आशीष निवासी सुनरख के रूप में हुई है। पुलिस ने अभियुक्त को अदालत में पेश करने के बाद अग्रिम विधिक कार्यवाही शुरू कर दी है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, गत 6 सितंबर 2026 को पीड़िता/वादी के प्रार्थना पत्र पर धोखाधड़ी कर संपत्ति का अनुचित लाभ अर्जित करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया था। इस मामले में यदुनंदन शरण दास, आशीष, डॉली सिंह, अमरसिंह, सीमा और ममता झातू समेत कुल 6 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था।

चोरी के पर्स और अवैध छुरे के साथ दो शातिर गिरफ्तार, एक आरोपी पर दर्ज हैं दर्जनों मुकदमे

जनता यूनियन - मथुरा । ठाकुर बांके बिहारी जी चौकी क्षेत्र अंतर्गत गंदी गली से पुलिस ने चेकिंग के दौरान दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से चोरी के दो पुरुषों के पर्स और एक अवैध छुरा बरामद हुआ है। पकड़े गए आरोपियों में से एक का लंबा आपराधिक इतिहास रहा है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, रविवार शाम करीब 5ञ्41 बजे पुलिस टीम क्षेत्र में गश्त पर थी। इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए प्रभारी निरीक्षक अश्वनी कुमार के नेतृत्व में उप-निरीक्षक शिवकुमार शर्मा, हेड कांस्टेबल रंजीत सिंह, रिक्रूट कांस्टेबल अनिकेत, रुपेश और ऋषि पाल की टीम ने घेराबंदी कर अतुल पुत्र भूपेंद्र उर्फ भोला निवासी बल्ला, अतरौली, जिला अलीगढ़ और रंजीत उर्फ राहुल पुत्र मदन मोहन निवासी पाली, थाना मगोर्रा, जनपद मथुरा को धर दबोचा। तलाशी लेने पर उनके पास से चोरी के पर्स और अवैध हथियार बरामद हुआ।

आरोपों की राजनीति पर भाजपा का पलटवार, चुनाव आयोग के पक्ष में रखे तथ्य

जनता यूनियन - मथुरा । चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली एवं विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर कांग्रेस द्वारा उठाए जा रहे सवालों के बीच भारतीय जनता पार्टी महानगर मथुरा ने प्रेस वार्ता कर अपना पक्ष रखा। सोमवार को गोवर्धन चौराहा स्थित के.एम. रेजिडेंसी में जिला पंचायत अध्यक्ष किशन सिंह चौधरी के कैंप कार्यालय पर आयोजित पत्रकार वार्ता में भाजपा नेताओं ने कांग्रेस के आरोपों पर जवाब देते हुए कहा कि राजनीतिक आरोपों से अधिक महत्वपूर्ण आधिकारिक तथ्य हैं और जनता को पूरे विषय की वास्तविक जानकारी मिलनी चाहिए।

पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष किशन सिंह चौधरी ने कहा कि चुनाव आयोग द्वारा जारी स्पष्टीकरण से विभिन्न मुद्दों को लेकर उठाए जा रहे सवालों की स्थिति स्पष्ट हुई है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची की शुचिता, पात्र मतदाताओं के नाम सुनिश्चित करना तथा चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखना लोकतंत्र की मूल आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग के संबंध में कोई भी सवाल तथ्यों और प्रमाणों के आधार पर उठाया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि विपक्ष को अपनी बात रखने का पूरा लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन संवैधानिक संस्थाओं की कार्यप्रणाली को लेकर भ्रम की स्थिति पैदा करने के बजाय आधिकारिक तथ्यों को जनता के सामने रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि चुनाव प्रक्रिया में सुधार और मतदाता सूची का सत्यापन लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य हैं।

स्व. लता मंगेशकर को याद किया अमरनाथ गर्ल्स डिग्री कॉलेज की छात्राओं ने

जनता यूनियन - मथुरा । भारत रत्न स्व 0 लता मंगेशकर की जयंती के अवसर पर अमरनाथ गर्ल्स डिग्री कॉलेज की छात्राएं ने लता जी के गानों पर आधारित नृत्य एवं संगीत का रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम च्व्रहें ना रहें हम महका करेंगेज्ज प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम में लगभग 45 छात्राओं ने लता जी के गाए हर प्रकार के लगभग 22 गानों पर गानों पर अपनी नृत्य , अभिनय एवं गायन की प्रस्तुति दी।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रमुख समाज सेविका मधु ठाकुर जी का सम्मान भी किया गया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि लता जी के गानों के माध्यम से नई पीढ़ी को भारतीय संगीत की मधुरता का एहसास कराने के लिए ऐसे कार्यक्रम आवश्यक हैं। कर अमर नाथ शिक्षण संस्थान केअध्यक्ष डॉ0 आदित्य वाजपेयी ने कहा कि लता मंगेशकर जी ने 1940 से 2022 तक विभिन्न भावों,भाषाओं के हजारों गाने गए। विशिष्ट अतिथि महेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि लता जी को च्स्वर साम्राज्ञी, राग की रानी कहा गया, पद्म भूषण, पद्म विभूषण, दादा साहब फाल्के, भारत रत्न जैसे सम्मानों से सम्मानित किया गया। चंद्र प्रताप सिकरवार ने भी छात्राओं को लता जी के गायन के बारे में बताया। डिग्री कॉलेज के डा. अनिल वाजपेयी ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाली सभी छात्राओं की प्रशंसा करते हुये सम्मान पत्र वितरित किये।

छात्राओं ने लता जी द्वारा गाये विभिन्न युगल गीत, गजल, विरह गीत, कव्वाली , भजन प्रस्तुत किए। मुग़ल-ए-आजम की कव्वाली तेरी महफिल में किस्मत आजमा कर का मंचन और अभिनय देखते ही बनता था। लग जा गले ,छोड़ दे सारी दुनिया, होठों पर ऐसी बात, नींद कभी रहती थी आंखों में, तेरा जलवा जिसने देखा, आदि गानों की प्रस्तुति को दर्शकों ने खूब सराहा। इस अवसर पर डा. के.के. दीक्षित, डा. सुनील तिवारी, शुभम वाजपेयी, सुयश वाजपेयी, अनुराग शर्मा, सीता तिवारी आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे । संपूर्ण कार्यक्रम का संयोजन डॉ मांडवी राठौर ने किया। नृत्य निर्देश असलम जी का रहा। संचालन डॉ मांडवी राठौर ,डॉ पंकज ने किया । कार्यक्रम में पायल, यति, रेनू , हैरी, श्रेयांश, ऋषभ,सचिन, शिवानी, गरिमा, भावना ,प्रार्थना ,प्रांजल, प्रियांशी भूमिका की प्रस्तुति उल्लेखनीय रही।

बच्चों की बांटी गई कॉपी किताब पेंसिल

जनता यूनियन - मथुरा । सर्वोदयी ब्राह्मण विकास संस्थान महिला सभा की वर्ष उपाध्यक्ष सुश्री डॉक्टर उमा शर्मा द्वारा आज बेटी दिवस की अवसर पर धोली प्याऊ स्टेट रेलवे ग्राउंड स्कूल में गरीब बच्चों के लिए कॉपी, पेंसिल, रबर, बिस्कुट, ट्रॉफी आदि का वितरण उपस्थित सभी बच्चों को किया गया इस अवसर पर स्कूल की प्रधानाचार्य मंजू शर्मा का सहयोग वितरण कार्यक्रम मैं रहा ज्ञात रहे उमा शर्मा आर्टिस्ट के अलावा समाज सेवा में निरंतर सेवा करती चली आ रही है इस अवसर पर सर्वोदयी ब्राह्मण विकास संस्थान के सचिव नारायण प्रसाद शर्मा हरिश्चंद्र शर्मा राकेश गौड़ उपस्थित रहे।

श्री खाटू श्याम सेवादार परिवार की वर्किंग कमेटी की बैठक सम्पन्न

जनता यूनियन - मथुरा । श्री खाटू श्याम सेवादार परिवार की वर्किंग कमेटी की एक बैठक स्थानीय होटल पर दिनांक 27-9-26 दिन रविवार को आयोजित की जिसमें आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करते हुए दिसंबर माह में तीन दिवसीय श्री *श्याम कथा का आयोजन मंडल के द्वारा किया जाएगा ।

जिसमें प्रतिदिन के यजमान बनाये जाएंगे श्री श्याम कथा के प्रथम दिवस पर भव्य मंगल कलश यात्रा नगर में निकाली जाएगी उसके उपरांत श्री श्याम कथा का अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक के मुखारविंद से श्री श्याम कथा का वाचन किया जाएगा जिसके प्रचार प्रसार के लिए भी रूपरेखा तैयार की गई अपने मंडल का प्रमुख सौभाग्य है कि कान्हा की नगरी मथुरा में प्रथम बार श्री श्याम कथा का आयोजन अपने मंडल द्वारा किया जा रहा है इसके उपरांत मंडल के अध्यक्ष श्री संदीप अग्रवाल जी को महाराजा अग्रसेन बनने की शुभकामनाए देते हुए मंडल के मुख्य सलाहकार श्री राजेश अग्रवाल जी व सुभाष चंद्र अग्रवाल जी द्वारा पटका माला पहनाकर स्वागत सम्मान किया गया उक्त बैठक में उक्त के अलावा संस्थापक राजीव अग्रवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रियांक मल्होत्रा उपाध्यक्ष अतुल बंसल सचिव आलोक जैन कोषाध्यक्ष नीलू गोला , सहसचिव मोहित मित्तल और अजय गोला ,प्रचार मंत्री भूपेंद्र गर्ग ऑडिटर लवनीश अग्रवाल संगठन मंत्री विनय अग्रवाल ,मीडिया प्रभारी उमेश भदौरिया व कार्यकारिणी सदस्य नितिन गर्ग संजीव सिंघल विजय मित्तल राहुल अग्रवाल दीपक अग्रवाल गौरव अग्रवाल माधव गोयल शुभ विंदल आदि उपस्थित रहे।

भंडारे में बवाल, पिस्टल अड़ाकर भाजपा पार्षद व बेटे को धमकाने का आरोप

चार पहिया गाड़ी निकालने पर हुआ विवाद, जाँच में जुटी पुलिस

झांसी जयूसं। सीपरी बाजार थाना क्षेत्र के चमनगंज में हो रहे गणेश उत्सव भंडारे पर बवाल हो गया। इसकी सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने दोनों को समझा बुझाकर मामला शांत करवा दिया। वहीं, भाजपा के पार्षद ने चार पहिया गाड़ी सवार युवक और उसके साथियों पर मारपीट कर पिस्टल अड़ा कर धमकाने का आरोप लगाया है। पुलिस को दोनों और से मिली तहरीर के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। सीपरी बाजार थाना क्षेत्र के चमन गंज केवल दुग्ध वाली गली में कई वर्षों से गणेश उत्सव मनाया जाता है। इस वर्ष भी आयोजक समिति द्वारा गणेश प्रतिमा स्थापित कराई गई थी। विसर्जन के बाद रविवार को भंडारा प्रसाद वितरण का आयोजन चल रहा था।

इसी दौरान देर रात भंडारा स्थल पर एक चार पहिया गाड़ी निकालने का प्रयास किया गया। जिस पर भंडारा करा रहे आयोजकों ने गाड़ी निकालने से मना किया जिस पर दोनों पक्ष में जमकर तू तड़ाक के बाद हाथापाई हो गई। इस दौरान वहां भाजपा के क्षेत्रीय पार्षद बंटी बुंदेला भी पहुंचे। तभी चार पहिया गाड़ी सवार ने अपने अन्य साथियों को बुला लिया। जिस पर दोनों पक्ष में विवाद और गहरा गया। इधर सूचना मिलते ही सीपरी बाजार थाना का फोर्स मौके पर पहुंचा और दोनों पक्ष को समझा बुझा कर शान्त कराया। देर रात भाजपा पार्षद बंटी बुंदेला ने थाना सीपरी बाजार में तहरीर देकर गाड़ी चालक और उसके साथियों के खिलाफ आरोप लगाकर मारपीट करने और पिस्टल अड़ा कर धमकाने का आरोप लगाया है। वही दूसरे पक्ष ने भी तहरीर दी है। पुलिस मामले में जांच पड़ताल कर रही।

महान क्रांति कारी अमर शहीद भगत सिंह की जयंती पर कार्यशाला आयोजित

झाँसी जयूसं। महान क्रांतिकारी अमर शहीद भगत सिंह जी की जयन्ती के उपलक्ष्य में क्षेत्रीय पुरातत्व इकाई, झाँसी एवं राजकीय संग्रहालय, के संयुक्त तत्वावधान में नगर के विभिन्न कॉलेजों के छात्र-छात्राओं एवं शिक्षिकाओं द्वारा ''प्ले विद क्ले'' कार्यशाला/प्रतियोगिता एवं छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में सूरज प्रसाद कन्या इन्टर कॉलेज, हाफिज सिद्धीकी इन्टर कालेज, एच.एम.मेमोरियल गर्ल्स इन्टर कॉलेज, लक्ष्मी व्यायाम मन्दिर, सरस्वती विद्या मन्दिर एवं राजेन्द्र प्रसाद गर्ल्स इन्टर कालेज, झाँसी के लगभग 100 छात्र-छात्राओं एवं शिक्षिकाओं द्वारा प्रतिभाग किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. देवेश निगम, बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झाँसी थे एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. श्वेता पाण्डेय, ललित कला संस्थान, बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय द्वारा की गयी। कार्यक्रम के सह आयोजक डॉ. मनोज कुमार गौतम, उपनिदेशक, राजकीय संग्रहालय एवं डॉ.राजीव कुमार त्रिवेदी, प्रभारी, क्षेत्रीय पुरातत्त्व इकाई, झाँसी द्वारा अमर शहीद भगत सिंह जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्त्व पर संक्षेप में प्रकाश डाला गया। क्ले माडलिंग प्रतियोगिता में सूरज प्रसाद गर्ल्स इन्टर कॉलेज की छात्रा सुश्री अंजली विश्वकर्मा ने प्रथम स्थान, लक्ष्मी व्यायाम मन्दिर विद्यालय के श्री देव साहू ने द्वितीय स्थान, राजेन्द्र प्रसाद गर्ल्स इन्टर कालेज की छात्रा सुश्री प्रियंका वंशकार ने तृतीय स्थान, लोकमान्य तिलक इन्टर कालेज की सुश्री खुशी एवं सूरज प्रसाद गर्ल्स इन्टर कालेज, झाँसी की सुश्री भावना ने सान्त्वना पुरस्कार प्राप्त किया। इस अवसर पर बुन्देलखण्ड की प्राचीन धरोहरों पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी भी छात्र-छात्राओं के मध्य आकर्षण का केन्द्र रही। कार्यक्रम के अन्त में सभी आगन्तुकों का आभार व्यक्त किया गया।

बी एच ई एल में नौकरी लगवाने के नाम पर लाखों रुपए हड़प करने वाले आरोपी की जमानत खारिज

झांसी जयूसं। बीएचईएल में नौकरी लगवाने के नाम पर लोगों को फर्जी दस्तावेज देकर लाखों रुपए हड़पने वाले 420 को न्यायालय सत्र न्यायाधीश कमलेश कच्छल की अदालत ने जमानत देने से इनकार कर उसका जमानत प्रार्थना पत्र निरस्त कर दिया है।

अभियोजन की ओर पैरवी कर रहे जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी मृदुलकांत श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए बताया कि बबीना के ग्राम खेलार स्थित भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स के अपर महाप्रबंधक प्रसन्ना अरविंद वैध ने बबीना थाना में प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि भारत हैवी इलेक्ट्रिकल के नाम से फर्जी लेटर हेड कूट रचित हस्ताक्षर कर इलेक्ट्रॉनिक्स और अन्य में नियुक्ति का विज्ञापन प्रसारित करना तथा 26 जुलाई 2026 को भारत हैवी इलेक्ट्रिकल में टी एन ई विभाग में तैनात संतन शरण वरिष्ठ प्रबंधक के मोबाइल पर जिला बांदा के अमरा निवासी संजय कुमार ने फोन करके बताया कि उसे व उसके अन्य आठ दस साथियों को सीपरी बाजार के आवास विकास कॉलोनी निवासी नरेंद्र प्रताप पटेल उर्फ नरेंद्र प्रताप सिंह ने उन्हें भेल में अलग अलग पोस्ट पर नौकरी का ज्वाइनिंग लेटर दिया था जिसके संबंध में उन्होंने सभी से एक एक लाख रुपए लिया था।

जब उन प्रपत्रों की जांच की गई तो वह लेटर हेड, हस्ताक्षर, शील मोहर और ज्वाइनिंग लेटर फर्जी कूट रचित पाए गए। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार करते हुए जेल भेज दिया था। आज आरोपी की और से न्यायालय में जमानत प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया गया। जिसकी सुनवाई के बाद न्यायालय ने आरोपी को जमानत देने से इंकार कर उसका जमानत प्रार्थना पत्र निरस्त कर दिया है।

न्यूज ब्रीफ

दो बच्चों की माँ ने फाँसी लगाकर की आत्महत्या, कई सालों से चल रही थी बीमार

झांसी जयूसं। दो बच्चों की माँने फाँसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वह कई सालों से बीमार चल रही थी। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया।

चिरगांव थाना क्षेत्र के टोरियापुरा मोहल्ले में महेश कुशवाहा परिवार समेत रहता है। सोमवार की सुबह महेश कुशवाहा की पत्नी पूजा कुशवाहा ने घर की बाउंड्री के तार से गले में रस्सी बांधकर फांसी लगा ली। इसकी जानकारी लगते ही परिजन इकट्ठा हो गए। तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मृतक के परिजनों से बातचीत की। पुलिस का कहना है कि पूजा के 12 साल की बेटी दिया और दस साल का बेटा अमन है। मां की मौत के बाद दोनों बच्चों का बुरा हाल है। पूजा कई सालों से बीमार चल रही थी। बीमारी के चलते ही उसने आत्महत्या की है। इसकी सूचना मृतका के मायके वालों को दे दी गई। बाद में पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया।

दिल्ली में हत्या व लूट करके भागे तीन आरोपी झांसी में गिरफ्तार

झांसी जयूसं। दिल्ली पुलिस ने स्थानीय पुलिस की मदद से दिल्ली के कश्मीरी गेट में हत्या व लूटपाट की वारदात को अंजाम देकर भागे तीन आरोपियों को ककरबई थाना क्षेत्र में दबिश देकर पकड़ लिया। इसके बाद दिल्ली पुलिस ट्रांजिट रिमांड पर अदालत में पेश किया। मालूम हो कि दिल्ली के कश्मीरी गेट के पास अज्ञात लोगों ने हत्या व लूटपाट की वारदात को अंजाम दिया था। इसके बाद आरोपी झांसी भाग गए थे। इस मामले की जांच दिल्ली पुलिस ने शुरु कर दी थी। दिल्ली पुलिस ने वारदात करके भागे तीनों आरोपियों के मोबाइल फोन की कॉल डिटेल निकाली गई। सर्विलांस की मदद से दिल्ली पुलिस ने ककरबई थाना पुलिस के सहयोग से ककरबई थाना क्षेत्र में दबिश दी। दबिश के दौरान तीन आरोपियों को पकड़ लिया। पुलिस के मुताबिक ककरबई थाना क्षेत्र के ग्राम कैरोखर निवासी अशोक उर्फ समर, दीपू राठौर व ओम सिंह को गिरफ्तार कर लिया। तीनों आरोपियों ने 25 सितंबरर को दिल्ली के कश्मीरी गेट के बाद घटना को अंजाम दिया था।

किराना व्यापारी की लाश नदी में उतराती मिली

झाँसी जयूसं। कोतवाली थाना क्षेत्र के किराना कारोबारी की लाश ओरछा में सतार नदी में उतराती पाई गई। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया।

कोतवाली थाना क्षेत्र के लक्ष्मणगंज मोहल्ले में रहने वाला नीरज साहू किराना का कारोबारी है। रविवार की सुबह नौ बजे वह काम से जाने की बात कहकर घर से निकला था। देर शाम तक वापस नहीं लौटे तो परिजनों को चिंता हुई। इस पर परिजनों ने तलाश शुरु कर दी। इसी बीच ओरछा से कुछ लोगों ने फोन करके बताया कि नीरज बेहोश अवस्था में सतार नदी में पड़े है। मेडिकल कालेज लाया गया। यहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया।

ट्रेन की चपेट में आने से किसान की मौत

झाँसी जयूसं। बबीना थाना क्षेत्र के ग्राम खजरा बुजुर्ग निवासी हरीराम रजक खेत की सफल की रखवाली करने गया था। वहां से वापस आते समय ट्रेन की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया।

दर्द के बाद महिला की मौत

झाँसी जयूसं। दाढ़ में दर्द की शिकायत के बाद महिला की मौत हो गई। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। उरई व हाल चिरगांव थाना क्षेत्र के ग्राम मिरौना निवासी अनीता की रविवार को अचानक तबीयत खराब हो गई। परिजनों के अनुसार अनीता को दाढ़ में दर्द की शिकायत थी। हालत बिगड़ने पर उसे उपचार के लिए सीएचसी लाया गया। यहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने बताया कि अनीता का मायका मिरौना में है और उसका एक बच्चा है। पति के छोड़ने के बाद वह दिल्ली में मजदूरी कर रही थी। वहां तबीयत बिगड़ने पर वह मायके आ गई थी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया।

पीएनबी में 80 लाख की कथित वित्तीय अनियमितता

झांसी जयूसं। पंजाब नेशनल बैंक की नंदनपुरा शाखा से जुड़े करीब 80 लाख रुपये की कथित वित्तीय अनियमितता का मामला सामने आया है। मामले में शिकायतकर्ताओं ने तत्कालीन शाखा प्रबंधक एवं बैंक कर्मचारी पर गंभीर आरोप लगाते हुए जिलाधिकारी से शिकायत की है। शिकायत के अनुसार, बैंक में जमा की जाने वाली धनराशि के संबंध में कथित रूप से अनियमितता कर धनराशि का दुरुपयोग किया गया। इस मामले में डीएम ने एसपी सिटी को जांच के आदेश दिए है। रक्सा थाना क्षेत्र के ग्राम गनेशगढ़ निवासी करन सिंह व अभिषेक राजपूत ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र देते हुए बताया है कि वह ऑफिस में एक दूसरे के रिश्तेदार है। करन सिंह के पिता की पुस्तैनी जमीन डगरवाहा की बीड़ा में गई हुई थी। इसके एवज में लगभग 80 लाख रुपया मिला था। अभिषेक के पिता की जमीन मौजा डौंगरी की भी जमीन बीड़ा में गई थी। इसकी लगभग 35 लाख रुपया मिला था। करन व उसके पिता हरनारायण का बैंक अकाउंट नंदनपुरा आवास विकास के पास स्थित पीएनबी की शाखा में बैंक खाता है। यहां पर अपने व अपने पिता के बैंक खाते से लेन देन के लिए बैंक आना जाना लगा रहता था। इसी बीच उसकी मुलाकात बैंक में मौजूद एक कर्मचारी से हुई तो कर्मचारी को पता कि उनके पास बीड़ा का पैसा आया हुआ है तो उसने उससे पीएनबी में ही मिलकर कहा कि बैंक में पैसा जमा करोंगे तो ज्यादा ब्याज मिलेगा। इसी बीच बैंक मैनेजर से मुलाकात कराई तो बैंक में पैसा जमा करवा लिया था।

शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि प्रकरण में करीब 80 लाख रुपये की धनराशि प्रभावित हुई है। उन्होंने अपने आरोपों के समर्थन में बैंक से संबंधित दस्तावेजों, कॉल रिकॉर्डिंग एवं अन्य साक्ष्यों का उल्लेख करते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि मामले की जानकारी संबंधित अधिकारियों को दिए जाने के बावजूद अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई। शिकायतकर्ताओं ने प्रकरण को गंभीर आर्थिक अनियमितता बताते हुए दोषी पाए जाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की मांग की। शिकायत पर जिलाधिकारी झांसी ने संज्ञान लेते हुए पुलिस अधीक्षक नगर को मामले की जांच एवं आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

हत्या कर शव जलाने के साक्ष्य मिटाने वाले आरोपी को न्यायालय ने जमानत देने से इनकार किया

झांसी जयूसं। न्यायालय सत्र न्यायाधीश झांसी कमलेश कच्छल की अदालत ने तीन माह पूर्व उलदन थाना क्षेत्र में एक वृद्धा की हत्या कर साक्ष्य मिटाने के आरोप में मोबाइल सीडीआर के आधार पर आरोपी ग्राम बंगरा निवासी प्रमोद कुशवाह को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। जिसे आज न्यायालय ने जमानत देने से इनकार कर उसका जमानत प्रार्थना पत्र निरस्त कर दिया है। अभियोजन की ओर से पैरवी कर रहे जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी मृदुलकांत श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए बताया कि अखिलेश कुशवाह ने 9 मई 2026 को उलदन थाना में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया था कि उसकी माँ लाड कुंवर देर शाम फोन पर बात करते हुए घर से निकल गई थी इसके बाद घर लौट कर नहीं आई। अगले दिन जब उसकी खोजबीन की तो उसका शव पठा करका के पास खेत में नाले के किनारे जला हुआ मिला मिला। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर विवेचना करते हुए आरोपियों को जेल भेज दिया था। वही वृद्धा की हत्या करके हत्या के साक्ष्य मिटाने शव को जलाने के मामले में अज्ञात की तलाश जारी थी। जिसे पुलिस ने मोबाइल सीडीआर के आधार पर और अन्य साक्ष्य के आधार पर प्रमोद कुशवाह का नाम प्रकाश में आने के बाद उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। आज आरोपी प्रकाश कुशवाह की और से न्यायालय में जमानत प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया गया। जिसकी सुनवाई के बाद न्यायालय ने उसे जमानत देने से इनकार कर उसका जमानत प्रार्थना पत्र निरस्त कर दिया है।

अपहरण व लूटकांड के तीन आरोपियों को छह-छह साल का कारावास

झांसी जयूसं। न्यायालय ने दस साल पूर्व मऊरानीपुर राजमार्ग पर ट्रक चालक का अपहरण कर बॉलरों गाड़ी में डालकर ले जाने वाले लुटेरों पर आरोप सिद्ध होने पर तीन अभियुक्तों को छह - छह साल का कारावास ओर 15 -15 हजार रुपए अर्थदंड से दंडित किया है। विशेष शासकीय अधिवक्ता विपिन कुमार मिश्रा ने बताया कि कुशी नगर निवासी राम प्रताप ने सदर बाजार थाना में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया था कि वह ट्रक चालक है, 17/18/ जुलाई 2015 की रात वह ट्रक में भगवंत पुरा से गिट्टियां भरकर झांसी की तरफ आ रहा था। तभी रास्ते में एक बोलोरो गाड़ी उसके ट्रक के आगे आ गई और उसकी गाड़ी रोक कर उसमें सवार दो युवक नीचे उतरे और उसे ट्रक से नीचे खींच कर मारपीट करते हुए उसकी जेब से पंद्रह हजार रुपए निकाल कर उसे गाड़ी में डालकर ले गए, आगे जाकर मऊरानीपुर तिराहे पर फेंककर भाग गए। इस मामले में पुलिस ने कोतवाली निवासी जितेंद्र रैकवार, लक्ष्मण कुशवाहा, अरविंद श्रीवास को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से ट्रक चालक से लूटी गई रकम बरामद कर जेल भेज दिया था। बाद में आरोप पत्र दाखिल किया गया था।

न्यायालय ने आज सुनवाई के दौरान तीनों आरोपियों पर लूट का आरोप सिद्ध होने पर तीनों को छह - छह साल का कारावास और पंद्रह - पंद्रह हजार रुपए अर्थदंड से दंडित किया है।

दलित पर हमला करने वाले आरोपी की जमानत खारिज

झांसी जयूसं। न्यायालय विशेष न्यायाधीश अनुसूचित जाति अत्याचार निवारण झांसी नेत्रपाल सिंह की अदालत ने दलित मजदूर पर प्राण घातक हमला करने वाले आरोपी की जमानत खारिज कर दी है। शासकीय अधिवक्ता केशवेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि थाना बरुआ सागर में11अगस्त 2026 को दलित मजदूर मलखान अहिरवार ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया था कि उस पर जान लेवा हमला करने और लाठी डंडा से पीट पीट कर पैर तोड़ दिया है। हमला करने वाले आरोपी मध्यप्रदेश के सेंदरी जिला निवाड़ी

मजबूत होगा रेल नेटवर्क, बेहतर होगी कनेक्टिविटी

रेल संरक्षा आयुक्त ने बीरपुर-सिरोनी रोड आमान परिवर्तित रेलखंड का किया निरीक्षण

झांसी जयूसं। रेल संरक्षा आयुक्त उत्तर पूर्वी परिक्षेत्र ई. श्रीनिवास ने ग्वालियर-चंबल क्षेत्र में बेहतर रेल कनेक्टिविटी और मजबूत रेल इंफ्रास्ट्रक्चर की दिशा में आगे बढ़ते हुए ग्वालियर-श्योपुर कलां आमान परिवर्तन परियोजना के अंतर्गत नव निर्मित बीरपुर-सिरोनी रोड आमान परिवर्तित रेलखंड का 23 किलोमीटर निरीक्षण किया। वह दो दिवसीय दौरे पर झांसी आए है। निरीक्षण के क्रम में बीरपुर स्टेशन मास्टर कक्ष में पैनल, रिले रूम सहित विभिन्न परिचालन एवं संरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण अजीत सिंह यादव तथा मंडल रेल प्रबंधक अनिरुद्ध कुमार उपस्थित रहे।

रेल संरक्षा आयुक्त ने आमान परिवर्तित रेलखंड पर स्थित महत्वपूर्ण पुलों का भी निरीक्षण किया। कूनो नदी पर निर्मित 546 मीटर लंबे कूनो ब्रिज का निरीक्षण करते हुए गार्डर, पिलर एवं अन्य संरचनात्मक हिस्सों की स्थिति का जायजा लिया गया। इसके साथ ही चंबल कैनाल पर बने मेजर ब्रिज का भी निरीक्षण किया गया और गार्डर, पिलर आदि का परीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान रेल संरक्षा एवं निर्माण से जुड़े विभिन्न तकनीकी पहलुओं की जानकारी संबंधित अधिकारियों से प्राप्त की गई। इस दौरान बीरपुर-सिरोनी रोड आमान परिवर्तित रेलखंड पर स्थित सिल्लीपुर हॉल्ट स्टेशन का भी निरीक्षण किया गया। आज लगभग 24 किलोमीटर रेलखंड के निरीक्षण के दौरान 2 मेजर ब्रिज तथा 4 माइनर ब्रिज का निरीक्षण किया गया। रेल संरक्षा आयुक्त द्वारा रेल पथ, पुलों, स्टेशन तथा सिग्नलिंग एवं परिचालन और मोटर ट्रॉली के माध्यम से निर्धारित संरक्षा मानकों के अनुरूप विस्तृत परीक्षण किया गया। ग्वालियर-श्योपुर कलां आमान परिवर्तन परियोजना के अंतर्गत बीरपुर-सिरोनी रोड रेलखंड का यह निरीक्षण रेल परिचालन शुरू किए जाने से पूर्व संरक्षा से जुड़े विभिन्न तकनीकी एवं परिचालन पहलुओं के परीक्षण की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहा। निरीक्षण के दौरान मुख्य परियोजना प्रबंधक निर्माण संतोष गुप्ता, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर समन्वय आशुतोष चौरसिया, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अमन वर्मा, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक अतुल यादव , वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी गिरीश कंचन, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर सिग्नल एवं दूरसंचार रश्मि गौतम समेत अन्य संबंधित अधिकारी , निर्माण शाखा के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

बुंदेलखंड विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस पर हुआ जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम

झांसी जयूसं। बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी एवं झांसी बधिर सोसाइटी (रजि.), झांसी के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को विश्वविद्यालय परिसर में अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस 2026 के अवसर पर जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं विश्वविद्यालय समुदाय को भारतीय सांकेतिक भाषा के महत्व से परिचित कराना तथा बधिर समुदाय के प्रति समावेशी दृष्टिकोण विकसित करना रहा।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार ज्ञानेन्द्र कुमार मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। उन्होंने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि सांकेतिक भाषा का ज्ञान समाज में संवाद और समानता को बढ़ावा देने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने बधिर व्यक्तियों को शिक्षा, रोजगार और सामाजिक गतिविधियों में समान अवसर उपलब्ध कराने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया।

कार्यक्रम में झांसी बधिर सोसाइटी के अध्यक्ष मोहम्मद फारुख ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए भारतीय सांकेतिक भाषा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सांकेतिक भाषा बधिर व्यक्तियों के लिए संवाद का महत्वपूर्ण माध्यम होने के साथ-साथ उन्हें शिक्षा, रोजगार और समाज की मुख्यधारा से जोड़ने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने विद्यार्थियों से अधिक से अधिक सांकेतिक भाषा सीखने और बधिर समाज के प्रति संवेदनशील एवं समावेशी दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान किया।

इस अवसर पर भारतीय सांकेतिक भाषा प्रशिक्षक शिप्रा रानी ने विद्यार्थियों को सांकेतिक भाषा के विभिन्न संकेतों तथा दैनिक जीवन में उनके प्रयोग की जानकारी देते हुए व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया। इस अवसर पर झांसी बधिर सोसाइटी के सचिव सचिन शर्मा, सदस्य अंकित शर्मा, ऋतु शर्मा सहित संस्था के अन्य सदस्य एवं सहयोगी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के आयोजन में प्रो. डॉ. मुन्ना तिवारी ने सहयोग प्रदान किया। इस दौरान संस्था से जुड़े सदस्यों एवं सहयोगियों को सम्मानित भी किया गया।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के प्रोफेसर, सहायक प्रोफेसर, शिक्षक, कर्मचारी तथा विद्यार्थी उपस्थित रहे। वक्ताओं ने कहा कि बधिर समाज को शिक्षा, रोजगार एवं सामाजिक जीवन में समान भागीदारी दिलाने के लिए समाज के सभी वर्गों को मिलकर प्रयास करने होंगे।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती को भव्यता के साथ मनाया जाएगा

झांसी जयूसं। अपर जिलाधिकारी प्रशासन शिव प्रताप शुक्ल ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप 02 अक्टूबर को राष्ट्रपिता की जयंती पर उनको श्रद्धांजलि के दृष्टिगत कार्यक्रम को आयोजित करने के लिए निर्देश। यह निर्देश कलेक्ट्रेट नवीन सभागार में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर आयोजित बैठक में दिए हैं। अपर जिलाधिकारी ने जनपद के सभी विद्यालयों एवं शिक्षण संस्थानों में महात्मा गांधी की जयंती 02 अक्टूबर तक एक गहन स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए। इसके तहत विद्यालयों में स्वच्छता के महत्व को प्रचारित करते हुए विद्यालय एवं समुदाय आधारित गतिविधियों के जरिए बच्चों को स्वच्छता के बारे में जागरूक किया जाए। इससे पहले शिक्षण संस्थानों में स्वच्छता पखवाड़ा भी आयोजित किया जा रहा है, इसका भव्यता के साथ समापन किया जाना सुनिश्चित

किया जाए। उन्होंने समस्त कार्यालयध्यक्षों को भी स्वच्छता ही सेवा के अंतर्गत कार्यालय की विधिवत साफ-सफाई किए जाने के निर्देश दिए। अपर जिलाधिकारी ने कहा कि स्वच्छता के प्रति संवेदनशीलता को एक जन आंदोलन का रूप प्रदान करने के उद्देश्य से प्रत्येक वर्ष महात्मा गांधी की जयंती 02 अक्टूबर को स्वच्छ भारत दिवस के रूप में आयोजित किया जाता रहा है। इसी क्रम में भारत सरकार एवं स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण एवं शहरी) द्वारा संयुक्त रूप से स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसके अंतर्गत सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छता की संकल्पना को और अधिक बल प्रदान करने के उद्देश्य से प्रस्तावित कार्यक्रम स्वच्छता ही सेवा आयोजन किया जा रहा है। जनपद में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों को अंतिम रूप देते हुए एडीएम वित्त एवं राजस्व श्रीमती पल्लवी मिश्रा ने बताया कि प्रातः 07 बजे रामधुन संकीर्तन रैली का आयोजन होगा, जनपद के समस्त कार्यालय, शिक्षण संस्थानों में प्रातः 09 बजे ध्वजारोहण के साथ ही राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के चित्र का अनावरण एवं पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित होंगे। कारागार में प्रातः 09-50 बजे बंदियों को फल एवं मिष्ठान वितरण तथा कुष्ट आश्रम में कुष्ठ रोगियों को मिष्ठान वितरण के साथ ही उनका चिकित्सीय परीक्षण कर दवा वितरण की जाएगी। मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में पैदल चाल प्रतियोगिता का आयोजन होगा। राजकीय संग्रहालय में चरखा चलाते हुए महात्मा गांधी जी को श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। उन्होंने कहा की कार्यक्रम को और भव्य स्वरूप देने के लिए जो अन्य कार्यक्रम आयोजित होंगे उसकी भी जानकारी जल्द ही दी जाएगी। इस मौके पर एसपी सिटी सुश्री प्रीति सिंह, एडीएम न्याय अरुण कुमार गौड़, एसीएम संजय कुमार, सीएमओ डॉ. शिशिर पुरी, डीआईओएस श्रीमती रति वर्मा, शिक्षाविद डॉ नीति शास्त्री, अतुल अग्रवाल किल्पन, एडवोकेट मुकेश सिंघल, सुश्री प्रगति शर्मा, सुश्री रंजना विद्रोही, मनमोहन मनु, सुदर्शन शिवहरे सहित नागरिक सुरक्षा संगठन होमगार्ड्स विभिन्न विभागों के अधिकारी अधिकारी एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे।

ट्रेड शो में महिला उद्यमिता की नई तस्वीर

हुनर से कारोबार तक दिखी उत्तर प्रदेश की महिलाओं की उड़ान

- उत्पाद बनाने से आगे बढ़कर ब्रांडिंग, बिक्री और बाजार विस्तार की कमान भी संभाल रहीं महिला उद्यमी
- स्वयं सहायता समूहों से जुड़कर दूसरी महिलाओं को भी दे रहीं रोजगार

ग्रेटर नोएडा, (एजेंसियां)। कभी शौक के तौर पर शुरू किया गया काम आज कई महिलाओं के लिए आत्मनिर्भरता और रोजगार का जरिया बन चुका है। यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में प्रदेश के अलग-अलग जिलों से पहुंची महिला उद्यमियों ने न केवल अपने उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रदर्शित किया, बल्कि यह भी दिखाया कि महिलाएं अब कारोबार की पूरी जिम्मेदारी संभालने में सक्षम हैं। उत्पाद तैयार करने से लेकर उसकी ब्रांडिंग, बिक्री और नए बाजार तलाशने तक महिलाएं खुद आगे बढ़ रही हैं।

पीतल की कलाकृतियों से अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंच

मेरठ के कंकरखेड़ा की हरप्रीत कौर अपनी फर्म सॉल फॉर अर्थ के माध्यम से पीतल की कलाकृतियां और ट्रॉफियां लेकर ट्रेड शो में पहुंची हैं। उनका कहना है कि ट्रेड शो जैसे मंचों ने महिला उद्यमियों को अपने हुनर और उत्पादों को बड़े बाजार के सामने रखने का अवसर दिया है। उनके उत्पाद अब दूसरे देशों के बाजारों तक भी पहुंच बना रहे हैं। हरप्रीत के मुताबिक, प्रदेश में मिले कारोबारी अवसरों ने उनके उद्यम के विस्तार का रास्ता खोला है।

चित्रकारी के शौक ने खड़ा किया रोजगार का कारोबार

गाजियाबाद के बजरिया की अंजली ने चित्रकारी के शौक को कारोबार में बदल दिया। अंजली क्रिएशन के तहत वह सादे कपड़ों पर हाथ से चित्रकारी कर सूट, दुपट्टे, जींस और ट्राउजर तैयार करती हैं। जिला ग्रामोद्योग विकास से ऋण लेकर शुरू हुआ उनका काम अब बाजार में अपनी पहचान बना चुका है। उनके उत्पाद 10 हजार रुपए तक की कीमत में बिक रहे हैं। कारोबार बढ़ने के साथ अंजली अब सात अन्य महिलाओं को भी नियमित रोजगार दे रही हैं।

हस्तनिर्मित उत्पादों को बाजार से जोड़ने की कोशिश

गाजियाबाद के वसुंधरा की प्रतिभा त्यागी प्रतिभा डिजाइनर हब के जरिए हैंडमेड सूट, दुपट्टे, लहंगे और जूट के बैग लेकर ट्रेड शो में पहुंची हैं। उनका कारोबार हस्तनिर्मित उत्पादों को ग्राहकों और बाजार से जोड़ने पर केंद्रित है। ट्रेड शो के माध्यम से उन्हें नए ग्राहकों और संभावित बाजारों तक पहुंच बनाने का अवसर मिल रहा है।

स्वयं सहायता समूह बना आर्थिक आत्मनिर्भरता का आधार

बुलंदशहर के नंगला गोविंदपुर की सितारा आजीविका स्वयं सहायता समूह से जुड़ी हैं। वह बेडशीट के उत्पाद लेकर ट्रेड शो में पहुंची हैं। उनके समूह में 13 महिलाएं शामिल हैं। सितारा के अनुसार, समूह से जुड़ी महिलाएं विभिन्न योजनाओं का लाभ लेकर अपने काम को आगे बढ़ा रही हैं। उनके लिए स्वयं सहायता समूह केवल उत्पाद तैयार करने का माध्यम नहीं, बल्कि नियमित आय और आत्मनिर्भरता का जरिया बन चुका है।

चौथी बार ट्रेड शो में पहुंचीं सुधा

सहारनपुर के नांगल क्षेत्र की सुधा सैनी विभिन्न हस्तशिल्प उत्पादों के साथ ट्रेड शो में शामिल हुई हैं। वह चलोरी स्वयं सहायता समूह का संचालन करती हैं और लगातार चौथी बार नोएडा के ट्रेड शो में हिस्सा ले रही हैं। उनका कहना है कि ऐसे मंचों से स्थानीय स्तर पर तैयार उत्पादों को व्यापक बाजार तक पहुंचाने में मदद मिलती है। उनके उत्पाद अब स्थानीय ग्राहकों से आगे देश और विदेश के बाजारों तक पहुंच बनाने की दिशा में बढ़ रहे हैं।

अब कारोबार की पूरी कमान महिलाओं के हाथ

ट्रेड शो में पहुंची इन महिला उद्यमियों की कहानियां बदलती कारोबारी तस्वीर को सामने रखती हैं। महिलाएं अब केवल उत्पाद तैयार करने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि ब्रांड बनाने, ग्राहक तलाशने, बिक्री बढ़ाने और नए बाजार विकसित करने की जिम्मेदारी भी खुद संभाल रही हैं। वहीं, स्वयं सहायता समूहों के जरिए वे दूसरी महिलाओं के लिए भी रोजगार के अवसर तैयार कर रही हैं।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो इन उद्यमियों के लिए सिर्फ बिक्री का मंच नहीं, बल्कि अपने उत्पादों को देश-दुनिया के खरीदारों तक पहुंचाने, नए कारोबारी संपर्क बनाने और बाजार का दायरा बढ़ाने का अवसर बन रहा है।

छात्र ने बनाई अनोखी डिवाइस

दिमाग सोचेगा, कृत्रिम हाथ की उंगलियां करेंगी काम

ग्रेटर नोएडा, (एजेंसियां)। दुर्घटना में हाथ गंवाने वाले लोगों के लिए कृत्रिम हाथ तो उपलब्ध हैं, लेकिन उनमें से अधिकांश सामान्य दैनिक कार्यों को सहजता से करने में सक्षम नहीं होते। वहीं, मस्तिष्क के संकेतों के आधार पर काम करने वाले कृत्रिम हाथ बेहद महंगे हैं। ऐसे में इन दोनों समस्याओं का समाधान तलाशते हुए लखनऊ की इंटीग्रल यूनिवर्सिटी के छात्र काविस हसन खान ने एक ऐसा प्रोटोटाइप डिवाइस तैयार किया है, जो मांसपेशियों से मिलने वाले संकेतों के आधार पर कृत्रिम हाथ की उंगलियों को संचालित करने में मदद करता है। इंडिया एक्सपोमार्ट में चल रहे उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो के स्टार्टअप एंड इनोवेशन हॉल में इस डिवाइस को प्रदर्शित किया गया है।

- दुर्घटना में हाथ गंवाने वालों के लिए उम्मीद, मांसपेशियों के संकेत से चलेगा कृत्रिम हाथ
- सोचिए और पकड़ लीजिए सामान

बीएससी बायोटेक्नोलॉजी के छात्र काविस हसन खान ने बताया कि देश में बड़ी संख्या में लोग दुर्घटनाओं में अपने हाथ गंवा देते हैं। हाथ खोने के बाद उनकी दैनिक जिंदगी प्रभावित होती है और कई बार उन्हें दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता है। इसी समस्या से प्रेरित होकर उन्होंने इस तकनीक पर काम शुरू किया। काविस के मुताबिक, यह डिवाइस मांसपेशियों की गतिविधि को सेंसर के माध्यम से डिटेक्ट करता है और उसके आधार पर कृत्रिम हाथ को संचालित करने का संकेत देता है। इसमें कार्बन फाइबर और कॉम्पैक्ट मोटर का इस्तेमाल किया गया है। जब व्यक्ति किसी वस्तु को पकड़ने के लिए हाथ की मांसपेशियों को सक्रिय करता है, तो सेंसर उस गतिविधि को पहचानकर संबंधित मोटर तक संकेत पहुंचाता है और कृत्रिम हाथ की उंगलियां हरकत करने लगती हैं।

उन्होंने बताया कि इस तकनीक का उद्देश्य ऐसे कृत्रिम हाथ विकसित करना है, जिन्हें आम लोग भी वहन कर सकें। वर्तमान में मस्तिष्क के संकेतों से सीधे संचालित होने वाली अत्याधुनिक कृत्रिम हाथ तकनीक काफी महंगी है। ऐसे में उनका प्रयास कम लागत वाली तकनीक विकसित करने का है। काबिस ने बताया कि उनकी यूनिवर्सिटी में स्टार्टअप फाउंडेशन के माध्यम से शिक्षकों का सहयोग मिला। इसी सहयोग से उनके विचार को आगे बढ़ाने और प्रोटोटाइप तैयार करने में मदद मिली। यह डिवाइस अभी प्रोटोटाइप चरण में है और इसे स्टार्टअप इंडिया हैकथॉन तथा ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी प्रदर्शनी में भी प्रदर्शित किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि डिवाइस पर अभी आगे और काम किया जा रहा है, ताकि इसकी तकनीक को और बेहतर बनाकर दुर्घटनाओं में हाथ गंवाने वाले लोगों के लिए कम कीमत पर उपयोगी कृत्रिम हाथ उपलब्ध कराया जा सके।

यूपी ट्रेड शो में 16 तरह का शहद, हर फूल का अलग स्वाद व फायदा

नोएडा, (एजेंसियां)। यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में इस बार अलग-अलग फूलों से तैयार 16 तरह का शहद लोगों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। सहारनपुर के ज्योति ग्रामोद्योग संस्थान की ओर से लगाए गए स्टॉल पर जामुन, लीची, तुलसी, सरसों, अजवाइन और सौंफ समेत कई तरह का शहद उपलब्ध है।

- लीची, तुलसी, सरसों, अजवाइन और सौंफ समेत कई तरह का शहद उपलब्ध

संस्थान के अजय कुमार ने बताया कि उनका शहद फ्लेवर्ड नहीं है, बल्कि मधुमक्खियों को अलग-अलग फसलों और फूलों वाले क्षेत्रों में माइग्रेट कराकर तैयार किया जाता है।

अजय कुमार के मुताबिक, मधुमक्खियां जिस क्षेत्र में जाती हैं, वहां के फूलों से नेक्टर इकट्ठा करती हैं। इसी वजह से अलग-अलग फूलों से मिलने वाले शहद का स्वाद और विशेषताएं अलग होती हैं। उन्होंने बताया कि जामुन का शहद डायबिटीज वाले लोगों के लिए उपयोगी माना जाता है, जबकि लीची के शहद को इम्युनिटी से जोड़ा जाता है। तुलसी का शहद सर्दी-जुकाम और अजवाइन व सौंफ वाला शहद पाचन के लिए अच्छा माना जाता है।

सरसों के शहद का सबसे ज्यादा उत्पादन

अजय कुमार ने बताया कि भारत में सबसे ज्यादा उत्पादन सरसों के शहद का होता है। उनके अनुसार देश में उत्पादित शहद का करीब 70 प्रतिशत सरसों से प्राप्त होता है और इसका बड़ा हिस्सा निर्यात किया जाता है। सहारनपुर में बड़ी संख्या में हनी फार्मर्स हैं, जो मधुमक्खियों को अलग-अलग खेती वाले क्षेत्रों में ले जाकर शहद का उत्पादन कराते हैं।

शहद के साथ बी-प्रोडक्ट भी

स्टॉल पर सिर्फ शहद ही नहीं, बल्कि मधुमक्खियों से जुड़े कई अन्य उत्पाद भी उपलब्ध हैं। इनमें कॉम्ब हनी, हनी गुलकंद, लिप बाम और कॉरपोरेट गिफ्ट पैक शामिल हैं। अजय कुमार ने बताया कि उनका लिप बाम पेट्रोलियम जेली से नहीं बनाया जाता। इसमें बीजवैक्स, शहद और बादाम के तेल का इस्तेमाल किया जाता है।

अलग-अलग खेती वाले क्षेत्रों में ले जाते हैं मधुमक्खियां

अजय कुमार ने बताया कि शहद उत्पादन में मधुमक्खियों को एक जगह रखने के बजाय अलग-अलग खेती वाले क्षेत्रों में माइग्रेट कराया जाता है। जिस समय जिस क्षेत्र में फूल और फसल उपलब्ध होती है, उसी के अनुसार मधुमक्खियों के बॉक्स वहां पहुंचाए जाते हैं। इससे अलग-अलग फ्लोरल हनी तैयार होता है। यूपी ट्रेड शो में इन उत्पादों को देखने और खरीदने के लिए लोगों की भीड़ जुट रही है।

उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो में दिखी सेहत की नई तस्वीर, एक डिवाइस करेगी 75 जांच

ग्रेटर नोएडा, (एजेंसियां)। स्वास्थ्य जांच के लिए अलग-अलग जगहों पर जाने और घंटों इंतजार करने की जरूरत जल्द कम हो सकती है। उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो में राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान (जिम्स) के मेडिकल इन्क्यूबेशन सेंटर के स्टार्टअप की ओर से ऐसी एआई आधारित डिवाइस प्रदर्शित की गई है, जो कुछ ही मिनटों में एक व्यक्ति की करीब 75 तरह की स्वास्थ्य जांच करने में सक्षम है। 'डॉक्टर ऑन ड्यूटी' नाम की इस डिवाइस को देखने के लिए ट्रेड शो में लोगों की भीड़ पहुंच रही है। डॉ. श्रेय श्रीवास्तव ने बताया कि डिवाइस का उद्देश्य लोगों को आसानी से स्वास्थ्य जांच की सुविधा उपलब्ध कराना है। खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को छोटी-बड़ी जांच के लिए अस्पताल या जांच केंद्रों तक पहुंचने में परेशानी होती है। ऐसे में यह तकनीक उनके लिए उपयोगी साबित हो सकती है। व्यक्ति एक ही स्थान पर बैठकर कई तरह की जांच करा सकेगा और उसकी रिपोर्ट ऑनलाइन उपलब्ध हो जाएगी। डिवाइस में एआई तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। इसके माध्यम से ईसीजी, रक्तचाप, एसपीओटू, ब्लड शुगर, फेफड़ों में संक्रमण, आंखों की जांच और लिपिड प्रोफाइल समेत कई स्वास्थ्य जांच की जा सकती हैं।

- मिनटों में जांच और ऑनलाइन रिपोर्ट, ट्रेड शो में आकर्षण बनी डॉक्टर ऑन ड्यूटी

जांच पूरी होने के बाद संबंधित व्यक्ति को रिपोर्ट ऑनलाइन उपलब्ध कराने की सुविधा भी दी गई है। डॉ.श्रेय के अनुसार, डिवाइस का एक खास पहलू यह है कि एआई जांच के आधार पर भविष्य में होने वाली कुछ स्वास्थ्य समस्याओं के संभावित जोखिम की जानकारी देने और बचाव से जुड़ी सलाह देने में मदद करेगा।

इससे लोगों को समय रहते अपने स्वास्थ्य के प्रति सतर्क होने का अवसर मिल सकेगा। ट्रेड शो में प्रदर्शित यह तकनीक स्वास्थ्य सेवाओं को आसान और अधिक सुलभ बनाने की दिशा में एक प्रयास के तौर पर लोगों का ध्यान खींच रही है।

यूपीआईटीएस में हुनर का मंच बना आकर्षण बच्चों से बुजुर्गों तक ने दिखाई प्रतिभा

- 'स्किल मंच' पर गायकी, फाइन आर्ट्स और पारंपरिक कारीगरी का प्रदर्शन
- लाइव डेमो में लोगों ने खुद आजमाए हुनर

ग्रेटर नोएडा, (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस)-2026 के तीसरे दिन रविवार को उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन का पवेलियन लोगों के लिए खास आकर्षण का केंद्र रहा। छुट्टी का दिन होने के कारण बड़ी संख्या में परिवार, युवा, बच्चे और बुजुर्ग पवेलियन पहुंचे। यहां लोगों ने प्रदेश की पारंपरिक कला और उत्पादों को करीब से देखने के साथ कई तरह के हुनर को खुद आजमाकर सीखने का अनुभव लिया।

इस बार यूपीएसडीएम पवेलियन में पहली बार शुरू किया गया 'स्किल मंच' लोगों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। मंच पर बच्चों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया तो युवाओं ने गायकी और फाइन आर्ट्स के जरिए रचनात्मकता दिखाई। 'हुनर' थीम पर रंगों के माध्यम से युवाओं ने अपनी कल्पनाओं को भी आकार दिया। खास बात यह रही कि मंच पर प्रतिभा दिखाने के लिए उम्र की कोई सीमा नहीं रही। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक ने अपनी कला और कौशल का प्रदर्शन किया।

देखने के साथ खुद करके सीखने का मौका

पवेलियन में लगाए गए विभिन्न स्टॉल पर कौशल के लाइव डेमो भी लोगों को खूब पसंद आए। पॉटरी और टेराकोटा स्टॉल पर लोगों ने मिट्टी को अपने हाथों से आकार देकर कलाकृतियां बनाने का प्रयास किया। वहीं लखनऊ की चिकनकारी के स्टॉल पर सूई-धागे से की जाने वाली बारीक कारीगरी को करीब से समझने के साथ लोगों ने इसे खुद आजमाया।

डीआईवाई गतिविधियों ने भी दर्शकों को खासा आकर्षित किया। यहां लोगों को केवल तैयार उत्पाद दिखाने के बजाय उनकी निर्माण प्रक्रिया से भी जोड़ा गया। 'देखिए, समझिए और खुद करके सीखिए' की अवधारणा के तहत बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों ने अलग-अलग गतिविधियों में हिस्सा लिया।

जिलों की खास कला और उत्पादों ने खींचा ध्यान

यूपीएसडीएम पवेलियन में प्रदेश के विभिन्न जिलों की कला और उत्पाद भी लोगों की पसंद बने हुए हैं। बनारस के लकड़ी के खिलौने, आजमगढ़ की ब्लैक पॉटरी और मथुरा के डेकोरेटिव आइटम्स को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। विजिटर्स ने इन उत्पादों के बारे में जानकारी लेने के साथ उनके निर्माण से जुड़े पारंपरिक कौशल को भी समझा। प्रतापगढ़ के स्टॉल पर आंवला से बने विभिन्न उत्पादों ने भी लोगों का ध्यान खींचा। यहां लोगों ने उत्पादों की जानकारी लेने के साथ उनका स्वाद भी चखा। वहीं लखनऊ की चिकनकारी की बारीक कारीगरी ने भी दर्शकों को आकर्षित किया। यूपीएसडीएम पवेलियन में इस तरह कला, कौशल, रचनात्मकता और सीखने का अनूठा संगम देखने को मिल रहा है। पवेलियन की गतिविधियां लोगों को यह अनुभव करा रही हैं कि हुनर केवल देखने की चीज नहीं, बल्कि उसे समझकर और खुद करके भी सीखा जा सकता है।

मेरठ की खेती ने दिखाया कारोबार का नया रंग

ग्रेटर नोएडा, (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो में मेरठ की खेती इस बार सिर्फ खेतों तक सीमित नहीं, बल्कि बाजार और कारोबार की नई संभावनाओं के साथ नजर आ रही है। इंडिया एक्सपो मार्ट में उद्यान विभाग के आउटलेट पर पॉलीहाउस में तैयार रंग-बिरंगी शिमला मिर्च, जरबेरा और गुलाब के फूलों से लेकर कमल ककड़ी, बैंगन और शहद तक लोगों का ध्यान खींच रहे हैं। देश-विदेश से पहुंचे खरीदार और कारोबारी इन उत्पादों की गुणवत्ता और बाजार की संभावनाओं की जानकारी ले रहे हैं।

- पॉलीहाउस की शिमला मिर्च से विदेशी बाजार के शहद तक
- सरधना के किसान की फूल-सब्जियों की खेती ने पकड़ी रफ्तार
- सालाना कारोबार 29 लाख के पार
- जरबेरा-गुलाब के लिए इवेंट कंपनियों ने मांगा संपर्क

मेरठ के सरधना तहसील क्षेत्र के खेड़ा गांव निवासी किसान रविन्द्र कुमार ने संरक्षित खेती को अपनाकर पारंपरिक कृषि से आगे कारोबार का नया मॉडल तैयार किया है। करीब पांच एकड़ क्षेत्र में पॉलीहाउस के जरिए फल और सब्जियों का उत्पादन कर रहे रविन्द्र कुमार के मुताबिक, उद्यान विभाग की योजनाओं का लाभ लेकर शुरू की गई इस खेती से उनका सालाना कृषि कारोबार 29 लाख रुपए से अधिक पहुंच गया है।

उनके पॉलीहाउस में पीली, हरी और लाल शिमला मिर्च की पैदावार हो रही है। इनकी एक-एक शिमला मिर्च का वजन करीब 300 से 400 ग्राम तक है। दिल्ली की आजादपुर मंडी में भी इनकी मांग बनी हुई है। ट्रेड शो में उत्पादों के प्रदर्शन से उन्हें सीधे खरीदारों और नए कारोबारी संपर्कों तक पहुंचने का अवसर मिल रहा है।

फूलों की मांग बढ़ी, एमओयू के लिए कंपनियों ने साधा संपर्क

रविन्द्र कुमार के लिए ट्रेड शो केवल प्रदर्शनी नहीं, बल्कि बाजार विस्तार का जरिया भी बन रहा है। उन्होंने बताया कि वह पिछले वर्ष भी ट्रेड शो में शामिल हुए थे।

प्रदर्शनी में जरबेरा और गुलाब के फूलों को खरीदारों के सामने रखने से उन्हें नई पहचान मिली। इस बार कई इवेंट मैनेजमेंट कंपनियों ने फूलों की आपूर्ति के लिए उनसे संपर्क किया है। कुछ कंपनियों की ओर से उनके साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) करने को लेकर भी बातचीत की गई है। उनका कहना है कि सरकारी योजनाओं और आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल से किसान अब पारंपरिक खेती के साथ बाजार की मांग के अनुरूप उत्पादन की दिशा में भी आगे बढ़ सकते हैं।

उत्तर प्रदेश सरकार के उद्यान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने भी उद्यान विभाग के आउटलेट का निरीक्षण किया और किसानों के उत्पादों को देखा। उन्होंने किसानों और उद्यमियों का उत्साहवर्धन किया। आउटलेट पर मेरठ के अलावा कृषि और उद्यान क्षेत्र से जुड़े अन्य उत्पाद भी प्रदर्शित किए गए हैं।

मेरठ के शहद की विदेशों में बढ़ी मांग

ट्रेड शो में मेरठ के कृषि कारोबार की एक और तस्वीर शहद के रूप में सामने आई है। उद्यान विभाग के आउटलेट पर रेनट्रॉव नैचुरल के शहद उत्पाद भी खरीदारों और आगंतुकों के बीच आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं।

युवा उद्यमी राखी अघेरा और भारत अघेरा ने बताया कि पिछले वर्ष उनकी कंपनी को इंडोनेशिया, मलेशिया और वियतनाम से करीब 46 टन शहद का ऑर्डर मिला था। ट्रेड शो में इस बार भी नए कारोबारी संपर्क बनने और बेहतर ऑर्डर मिलने की उम्मीद है।

खेत से सीधे बाजार तक पहुंच रहे किसान

आउटलेट की व्यवस्था में लगे वरिष्ठ उद्यान निरीक्षक संजय सिंह के मुताबिक, ट्रेड शो मेरठ के किसानों और कृषि उद्यमियों के लिए उत्पाद दिखाने के साथ-साथ सीधे खरीदारों, कंपनियों और कारोबारी संस्थानों से जुड़ने का मंच बन रहा है। पॉलीहाउस की रंगीन शिमला मिर्च और फूलों से लेकर विदेशी बाजार तक पहुंच बना चुके शहद तक, मेरठ के कृषि उत्पाद यहां खेती में तकनीक, उद्यमिता और बाजार के मेल की नई तस्वीर पेश कर रहे हैं।

कन्नौज के इत्र की खुशबू ग्लोबल बाजार तक

ग्रेटर नोएडा, (एजेंसियां)। कन्नौज की पहचान सिर्फ इत्र की खुशबू तक सीमित नहीं रही है। सदियों पुरानी सुगंध परंपरा अब प्राकृतिक उत्पादों और आधुनिक जीवनशैली के साथ नए बाजार तलाश रही है। यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में कन्नौज की इसी विरासत की खुशबू लोगों को आकर्षित कर रही है। वर्ष 1907 से सुगंध के कारोबार से जुड़े परिवार की पांचवीं पीढ़ी पारंपरिक इत्र को आधुनिक जरूरतों और बदलती पसंद के साथ बाजार तक पहुंचा रही है।

ट्रेड शो में गुलाब जल, पंचपुष्प जल, पंचपुष्प अत्तर और पारंपरिक अत्तर के साथ विभिन्न प्रकार के एसेंशियल ऑयल प्रदर्शित किए गए हैं। वहीं, ऑर्गेनिक हेयर और स्किन केयर उत्पादों के अलावा अरोमाथेरेपी आधारित सेल्फ-केयर गिफ्ट बॉक्स भी लोगों का ध्यान खींच रहे हैं। इन उत्पादों के जरिए पारंपरिक इत्र निर्माण की विरासत को प्राकृतिक और आधुनिक उत्पादों के रूप में नए अंदाज में पेश किया जा रहा है।

अमरनाथ मिश्रा एंड कंपनी के प्रमुख अमिताभ मिश्रा ने बताया कि कंपनी के उत्पाद तैयार करते समय प्राकृतिक और ऑर्गेनिक फॉर्मुलेशन पर विशेष जोर दिया जाता है। पारंपरिक सुगंध को बनाए रखते हुए उत्पादों को आज की उपभोक्ता जरूरतों के अनुरूप तैयार किया जा रहा है।

कंपनी की पार्टनर डॉ. रत्ना मिश्रा ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रयासों से आयोजित यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में शामिल होने का अवसर मिला है। उनके मुताबिक, ट्रेड शो के माध्यम से देश-विदेश के कारोबारियों और बी2बी ग्राहकों से सीधे जुड़ने का अवसर मिल रहा है। इससे नए व्यावसायिक संपर्क और बाजार विस्तार की संभावनाएं भी बढ़ी हैं।

- कन्नौज के इत्र ने ट्रेड शो में बिखेरी विरासत की खुशबू
- 1907 से चली आ रही पांचवीं पीढ़ी की परंपरा
- पारंपरिक अत्तर के साथ ऑर्गेनिक और अरोमाथेरेपी उत्पादों ने खींचा लोगों का ध्यान

कन्नौज की यह पांचवीं पीढ़ी अब पारंपरिक इत्र की खुशबू को केवल शीशियों तक सीमित रखने के बजाय उसे वेलनेस, स्किन केयर, अरोमाथेरेपी और प्राकृतिक जीवनशैली से जोड़ रही है। ट्रेड शो में दिख रही उत्पादों की विविधता इसी बदलाव की तस्वीर पेश कर रही है।

संपादक की कलम से

आखिर कीमत कौन चुका रहा है?

किसी भी अर्थव्यवस्था की सबसे मूल्यवान पूंजी केवल धन, प्राकृतिक संसाधन या बुनियादी ढांचा नहीं होती। उससे भी अधिक मूल्यवान संसाधन उसके नागरिकों का समय होता है। धन की भरपाई की जा सकती है, खोया हुआ समय कभी वापस नहीं आता। इसके बावजूद भारत में सार्वजनिक नीति पर होने वाली बहसों में नागरिकों के समय की आर्थिक कीमत शायद ही कभी चर्चा का विषय बनती है। सरकारी अस्पतालों की कतारें, प्रशासनिक कार्यालयों के अंतहीन चक्कर, सार्वजनिक परिवहन का अनिश्चित इंतजार और साधारण सरकारी सेवाओं के लिए घंटों की प्रतीक्षा हमारे दैनिक जीवन का सामान्य अनुभव बन चुके हैं। इस सामान्यीकरण ने एक गहरी आर्थिक समस्या को लगभग अदृश्य बना दिया है।

अर्थशास्त्री गैरी बेकर के मुताबिक, प्रत्येक घंटे की अपनी अवसर लागत होती है। अगर करोड़ों नागरिक प्रतिदिन कार्यस्थल, व्यवसाय, शिक्षा या घरेलू उत्पादक गतिविधियों से समय निकालकर केवल प्रशासनिक प्रक्रियाओं में व्यस्त रहते हैं, तो अर्थव्यवस्था प्रतिदिन लाखों उत्पादक श्रम-घंटे खो देती है। इस क्षति का उल्लेख न तो बजट दस्तावेजों में मिलता है और न ही आर्थिक विकास के आंकड़ों में, लेकिन इसका प्रभाव व्यापक और स्थायी होता है।

अर्थशास्त्र में पूंजी के निष्क्रिय पड़े रहने को अक्षमता माना जाता है। यही सिद्धांत नागरिकों के समय पर भी लागू होता है। जिस प्रकार बंद पड़ा कारखाना उत्पादन घटाता है, उसी प्रकार अनावश्यक प्रतीक्षा में फंसे करोड़ों लोग राष्ट्रीय उत्पादकता को कम करते हैं। दिहाड़ी मजदूर की एक दिन की आय समाप्त हो जाती है। छोटा व्यापारी अपनी दुकान देर से खोलता है। स्वरोजगार करने वाला व्यक्ति ग्राहकों से दूर रहता है। वेतनभोगी कर्मचारी अवकाश लेने को विवश होता है। विद्यार्थी पढ़ाई का समय खो देते हैं। प्रतीक्षा का आर्थिक प्रभाव व्यक्तिगत स्तर से आगे बढ़कर श्रम बाजार और राष्ट्रीय आय तक पहुंचता है। प्रतीक्षा सामाजिक असमानता का भी एक स्वरूप है। आर्थिक रूप से संपन्न व्यक्ति निजी अस्पताल, भुगतान आधारित सेवाएं, पेशेवर एजंट या डिजिटल सहायता के माध्यम से समय खरीद लेते हैं। सीमित आय वाले परिवारों के पास यह विकल्प नहीं होता। गरीब परिवारों के लिए समय दुर्लभ संपत्ति है। जीविका और सरकारी सेवाओं के बीच संतुलन बनाना उनके लिए निरंतर संघर्ष का विषय रहता है। इसी कारण कई विद्वान प्रतीक्षा को 'टाइम टैक्स' कहते हैं। इसका भुगतान सबसे अधिक वही लोग करते हैं, जिनकी आय सबसे कम होती है।

इसका एक लैंगिक आयाम भी है। परिवार के बच्चों, बुजुर्गों और बीमार सदस्यों को अस्पताल, राशन की दुकान या सरकारी कार्यालय ले जाने की जिम्मेदारी प्रायः महिलाओं पर आती है। प्रतीक्षा का प्रत्येक अतिरिक्त घंटा उनके अवैतनिक देखभाल कार्य को बढ़ाता है। परिणामस्वरूप शिक्षा, कौशल विकास, स्वरोजगार और औपचारिक श्रम बाजार में उनकी भागीदारी प्रभावित होती है। समय का असमान वितरण आर्थिक असमानता को और गहरा कर देता है।

व्यावहारिक अर्थशास्त्र इस समस्या को एक अलग दृष्टि से देखता है। लोग केवल उपलब्ध सेवाओं के आधार पर निर्णय नहीं लेते, बल्कि उस प्रक्रिया की अनुमानित कठिनाई को भी ध्यान में रखते हैं। अगर किसी व्यक्ति को विश्वास हो जाए कि सरकारी अस्पताल में पूरा दिन लग जाएगा, तो वह उपचार टाल सकता है। किसी सामाजिक सुरक्षा योजना का लाभ लेने के लिए अनेक कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ें, तो पात्र नागरिक भी आवेदन करने से बच सकते हैं। इस तरह प्रतीक्षा सरकारी नीतियों की प्रभावशीलता को भी सीमित कर देती है।

यह प्रश्न लोकतांत्रिक शासन की गुणवत्ता से भी जुड़ा है। नागरिक जब बार-बार अस्पष्ट प्रक्रियाओं और प्रशासनिक विलंब का सामना करते हैं, तब सार्वजनिक संस्थाओं के प्रति उनका विश्वास धीरे-धीरे कम होने लगता है। सार्वजनिक विश्वास किसी भी अर्थव्यवस्था की अदृश्य पूंजी होता है। संस्थाओं पर भरोसा जितना अधिक होता है, नीतियों का अनुपालन उतना सहज होता है और शासन की लागत भी उतनी कम रहती है। एस्टोनिया, सिंगापुर इत्यादि देशों में प्रशासनिक सफलता का एक महत्त्वपूर्ण पैमाना यह है कि किसी व्यक्ति को अपना वैध कार्य पूरा करने में कितनी कम ऊर्जा और कितना कम समय व्यय करना पड़ता है। भारत को भी समय को सार्वजनिक संसाधन के रूप में स्वीकार करना होगा। आर्थिक प्रगति की चर्चा तब तक अधूरी रहेगी, जब तक नागरिकों के समय को भी राष्ट्रीय संपदा के रूप में महत्त्व नहीं दिया जाएगा।

==========

मेज़ों पर पानी का राज़...!

गरीब देश की ऊँची कुर्सी, अफसरशाही का अंदाज़,
जनता प्यासी, सूखे हलक, मेज़ों पर पानी का राज़।
कहीं नलों में पानी गायब, कहीं सूखें खेत-खलिहान,
कहीं घड़ों में दरारें पड़तीं, कहीं %बोतलों% का सम्मान।
500 रूपये लीटर की चर्चा, बोतल कीमत आसमान,
इस देश में हर बूँद की कीमत, इतना महँगा जलपान!
चुनावों की बड़ी-बड़ी बैठक, लोकतंत्र का भारी काम,
जनता के विश्वास की खातिर, हर दिन है नया पैगाम।
ना विरोध किसी के जल का, ना किसी सुविधा से बैर,
जनता के धन का हिसाब हो और पारदर्शिता की खैर।
कुर्सी चाहे जितनी ऊँची हो, जनता से ऊँचा कोई नहीं,
सेवा-संकल्प जीवित हो, वहाँ दिखावे की जगह नहीं।
500 लीटर या पाँच बोतल, प्रश्न उठे तो जवाब भी दो,
जनता के विश्वास की खातिर, हर खर्च का हिसाब दो।
लोकतंत्र की ये पुकार है, जनता ही असली सरकार है,
पानी की हरेक बूँद बचाने में, देश का सच्चा संस्कार है!

- संजय एम तराणेकर

जलवायु संकट की वैश्विक चुनौती

महेन्द्र तिवारी

पिछले कुछ वर्षों में चरम मौसमीय घटनाओं की आवृत्ति और तीव्रता दोनों बढ़ी हैं। पहले जहाँ किसी क्षेत्र में एक दशक में एक बार भीषण बाढ़ आती थी, वहीं अब ऐसी घटनाएँ कुछ ही वर्षों के अंतराल पर दिखाई दे रही हैं। इसी प्रकार लंबे समय तक चलने वाली लू, असामान्य ठंड, समुद्री तूफान और जंगल की आग अब अलग-अलग घटनाएँ नहीं रह गईं, बल्कि बदलते जलवायु तंत्र की परस्पर जुड़ी हुई कड़ियाँ बन गई हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि प्राकृतिक जलवायु चक्र हमेशा से मौजूद रहे हैं, किंतु जीवाश्म ईंधनों के अत्यधिक उपयोग, वनों की कटाई और औद्योगिक उत्सर्जन ने पृथ्वी के तापमान को इतना बढ़ा दिया है कि प्राकृतिक घटनाएँ पहले की तुलना में कहीं अधिक विनाशकारी रूप ले रही हैं।

जलवायु संकट अब केवल वैज्ञानिकों की शोध रिपोर्टों या अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों का विषय नहीं रह गया है। यह आज करोड़ों लोगों के दैनिक जीवन का हिस्सा बन चुका है। एशिया में अचानक आने वाली विनाशकारी बाढ़, यूरोप में रिकॉर्ड तोड़ गर्मी और जंगलों की आग, अफ्रीका में सूखा तथा अनेक देशों में अनिश्चित वर्षा का क्रम यह स्पष्ट करता है कि पृथ्वी का जलवायु तंत्र तेजी से बदल रहा है। वर्ष 2026 में विश्व मौसम विज्ञान संगठन तथा विभिन्न जलवायु निगरानी संस्थाओं ने चेतावनी दी है कि वैश्विक तापमान औद्योगिक युग से पहले की तुलना में लगभग 1.5 डिग्री सेल्सियस की सीमा के बेहद निकट पहुँच गया है। यह केवल एक आँकड़ा नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के सामने खड़ी सबसे बड़ी पर्यावरणीय चुनौती का संकेत है।

पिछले कुछ वर्षों में चरम मौसमीय घटनाओं की आवृत्ति और तीव्रता दोनों बढ़ी हैं। पहले जहाँ किसी क्षेत्र में एक दशक में एक बार भीषण बाढ़ आती थी, वहीं अब ऐसी घटनाएँ कुछ ही वर्षों के अंतराल पर दिखाई दे रही हैं। इसी प्रकार लंबे समय तक चलने वाली लू, असामान्य ठंड, समुद्री तूफान और जंगल की आग अब अलग-अलग घटनाएँ नहीं रह गई, बल्कि बदलते जलवायु तंत्र की परस्पर जुड़ी हुई कड़ियाँ बन गई हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि प्राकृतिक जलवायु चक्र हमेशा से मौजूद रहे हैं, किंतु जीवाश्म ईंधनों के अत्यधिक उपयोग, वनों की कटाई और औद्योगिक उत्सर्जन ने पृथ्वी के तापमान को इतना बढ़ा दिया है कि प्राकृतिक घटनाएँ पहले की तुलना में कहीं अधिक विनाशकारी रूप ले रही हैं।

एशिया इस संकट का सबसे संवेदनशील क्षेत्र बनता जा रहा है। यहाँ विश्व की लगभग 60 प्रतिशत आबादी निवास करती है और बड़ी संख्या में लोग नदियों, समुद्री तटों तथा पर्वतीय क्षेत्रों पर निर्भर हैं। दक्षिण एशिया में मानसून का स्वरूप लगातार बदल रहा है। कहीं अत्यधिक वर्षा से नदियाँ उफान पर हैं तो कहीं वर्षा की कमी से खेत सूख रहे हैं। जापान, चीन, भारत और दक्षिण पूर्व एशिया के अनेक हिस्सों में भारी वर्षा, भूस्खलन और बाढ़ ने लाखों लोगों को प्रभावित किया है। पहाड़ी क्षेत्रों में तीव्र वर्षा के कारण मिट्टी की पकड़ कमजोर हो जाती है और पूरे गाँव खतरे की चपेट में आ जाते हैं। यह स्थिति केवल प्राकृतिक आपदा नहीं, बल्कि अनियोजित निर्माण, वनों की कटाई और असंतुलित भूमि उपयोग से भी जुड़ी हुई है।

यूरोप की तस्वीर बिल्कुल भिन्न दिखाई देती है, किंतु संकट उतना ही गंभीर है। फ्रांस, स्पेन और भूमध्यसागरीय क्षेत्रों ने वर्ष 2026 में रिकॉर्ड तोड़ गर्मी का अनुभव किया। फ्रांस में जुलाई का औसत तापमान 126 वर्षों के इतिहास में सबसे अधिक दर्ज किया गया। कई क्षेत्रों में वर्षा सामान्य से बहुत कम रही, जिससे नदियों का जलस्तर घटा और जंगल सूखने लगे। सूखी वनस्पति तथा तेज हवाओं ने जंगल की आग को भयंकर रूप दे दिया। हजारों हेक्टेयर वन क्षेत्र नष्ट हुए और अनेक समुदायों को सुरक्षित स्थानों पर जाना पड़ा। यह संकेत है कि विकसित देश भी जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से सुरक्षित नहीं हैं।

जलवायु संकट की जड़ में बढ़ता वैश्विक तापमान है। वैज्ञानिक आँकड़ों के अनुसार वर्ष 2026 का जुलाई महीना इतिहास के दूसरे सबसे गर्म जुलाई महीनों में शामिल रहा। महासागरों की सतह का तापमान भी रिकॉर्ड स्तर पर पहुँच गया, जिससे समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र पर गंभीर प्रभाव पड़ रहा है। समुद्र का गर्म होना केवल समुद्री जीवों की समस्या नहीं है। यही गर्म महासागर अधिक जलवाष्प उत्पन्न करते हैं, जिसके कारण कहीं मूसलाधार वर्षा और कहीं अधिक शक्तिशाली चक्रवात बनने की संभावना बढ़ जाती है। इस प्रकार समुद्र और वातावरण एक दूसरे को प्रभावित करते हुए चरम मौसम की घटनाओं को और तीव्र बना देते हैं।

इस वर्ष एक और महत्वपूर्ण कारक अल नीनो रहा है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन के अनुसार प्रशांत महासागर में विकसित हो रहा मजबूत अल नीनो अगस्त से अक्टूबर तक विश्व के मौसम को प्रभावित कर सकता है। इसके कारण अनेक क्षेत्रों में सामान्य से अधिक गर्मी तथा वर्षा के पैटर्न में बड़े परिवर्तन की आशंका व्यक्त की गई है। भारत सहित कुछ क्षेत्रों में कम वर्षा की संभावना है, जबकि पूर्वी अफ्रीका और दक्षिणी यूरोप के कुछ भागों में अधिक वर्षा हो सकती है। यह स्पष्ट करता है कि जलवायु संकट केवल स्थानीय समस्या नहीं, बल्कि वैश्विक वायुमंडलीय और समुद्री प्रक्रियाओं से जुड़ा हुआ विषय है।

जलवायु परिवर्तन का सबसे गहरा प्रभाव कृषि पर पड़ रहा है। किसान सदियों से मौसम के निश्चित चक्र पर निर्भर रहे हैं, किंतु अब बोआई और कटाई का समय अनिश्चित होता जा रहा है। अत्यधिक वर्षा से फसलें जलमग्न हो जाती हैं, जबकि लंबे सूखे से उत्पादन घट जाता है। चावल, गेहूँ, मक्का और तिलहन जैसी प्रमुख फसलों की उत्पादकता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने लगा है। इसके साथ ही कीटों और रोगों का प्रसार भी बदलते तापमान के कारण नए क्षेत्रों तक पहुँच रहा है। परिणामस्वरूप खाद्य सुरक्षा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था दोनों पर दबाव बढ़ रहा है।

जल संकट भी इस चुनौती का महत्वपूर्ण पक्ष है। हिमालयी हिमनदों का पिघलना प्रारंभिक वर्षों में नदियों में जल बढ़ा सकता है, किंतु दीर्घकाल में यही स्थिति जल उपलब्धता को कम कर सकती है। दूसरी ओर अत्यधिक वर्षा का अधिकांश पानी तेजी से बह जाता है क्योंकि शहरों में प्राकृतिक जल निकासी तंत्र नष्ट हो चुके हैं। महानगरों में कुछ घंटों की वर्षा ही जलभराव और यातायात ठप होने का कारण बन जाती है। इसका समाधान केवल बड़े बाँध नहीं, बल्कि वर्षा जल संचयन, आर्द्रभूमियों का संरक्षण और प्राकृतिक जल मार्गों की पुनर्स्थापना में निहित है।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी जलवायु संकट गंभीर खतरा बन चुका है। लगातार बढ़ती गर्मी से हीट स्ट्रोक, हृदय रोग और श्वसन संबंधी बीमारियाँ बढ़ रही हैं। जंगल की आग से निकलने वाला धुआँ हजारों किलोमीटर दूर तक वायु गुणवत्ता को प्रभावित करता है। बाढ़ के बाद दूषित जल के कारण जलजनित रोग फैलने का खतरा बढ़ जाता है। बुजुर्ग, बच्चे, गर्भवती महिलाएँ और बाहर काम करने वाले श्रमिक सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। इसलिए जलवायु परिवर्तन अब पर्यावरण के साथ साथ सार्वजनिक स्वास्थ्य का भी विषय बन चुका है।

आर्थिक दृष्टि से देखें तो चरम मौसम विकास की गति को धीमा कर सकता है। सड़कें, पुल, रेल मार्ग, बिजली तंत्र और संचार व्यवस्था बार बार प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित होते हैं। बीमा कंपनियों पर दावों का बोझ बढ़ता है और सरकारों को राहत तथा पुनर्वास पर भारी खर्च करना पड़ता है। पर्यटन, मत्स्य पालन और वानिकी जैसे क्षेत्र भी प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित होते हैं। विकासशील देशों के लिए यह दोहरी चुनौती है क्योंकि उन्हें एक ओर आर्थिक विकास बनाए रखना है और दूसरी ओर जलवायु अनुकूल आधारभूत ढाँचे में निवेश भी करना है।

इस संकट से निपटने के लिए केवल वैश्विक घोषणाएँ पर्याप्त नहीं हैं। सबसे पहले कार्बन उत्सर्जन में वास्तविक कमी लानी होगी। सौर, पवन और जल आधारित स्वच्छ ऊर्जा का विस्तार, सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा, ऊर्जा दक्ष भवन, वनों का संरक्षण और टिकाऊ कृषि पद्धतियाँ दीर्घकालिक समाधान का आधार बन सकती हैं। साथ ही प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली को गाँव गाँव तक पहुँचाना अत्यंत आवश्यक है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन का मानना है कि समय पर चेतावनी मिलने से आपदाओं से होने वाली जनहानि में उल्लेखनीय कमी लाई जा सकती है।

भारत जैसे देशों के लिए जलवायु न्याय भी महत्वपूर्ण प्रश्न है। ऐतिहासिक रूप से विकसित देशों का उत्सर्जन अधिक रहा है, जबकि विकासशील देश जलवायु प्रभावों का बड़ा बोझ उठा रहे हैं। इसलिए जलवायु वित्त, हरित प्रौद्योगिकी का हस्तांतरण और अंतरराष्ट्रीय सहयोग अत्यंत आवश्यक हैं। यदि वैश्विक समुदाय साझा जिम्मेदारी के सिद्धांत पर आगे बढ़े, तभी पेरिस समझौते के लक्ष्यों को व्यवहार में बदला जा सकेगा और संवेदनशील देशों को अनुकूलन के लिए पर्याप्त संसाधन मिल पाएँगे।

आज बाढ़, सूखा, लू और जंगल की आग हमें एक ही संदेश देते हैं कि प्रकृति का संतुलन बिगड़ने की कीमत पूरी मानवता चुका रही है। जलवायु संकट किसी एक देश, महाद्वीप या पीढ़ी की समस्या नहीं है। यह हमारे विकास मॉडल, ऊर्जा उपयोग और प्राकृतिक संसाधनों के प्रति दृष्टिकोण की सामूहिक परीक्षा है। यदि समय रहते वैज्ञानिक नीति, जनभागीदारी और पर्यावरण के प्रति उत्तरदायी जीवन शैली अपनाई जाए तो इस संकट के प्रभावों को काफी हद तक कम किया जा सकता है। अन्यथा आने वाले वर्षों में चरम मौसम अपवाद नहीं, बल्कि सामान्य वास्तविकता बन जाएगा।

नुकसान पहुंचाने पूरा वातावरण है गुलज़ार, अपने दिल का खुद ही रखें ख्याल

डॉ. प्रितम भि. गेडाम

आज के आधुनिक युग में मनुष्य ने भौतिक सुख के चक्कर में अपने मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के साथ समझौता कर लिया हैं। जिधर देखो उधर अनैतिकता, स्वार्थ, धोखाधड़ी का साम्राज्य फैला हुआ हैं। कोई हमसे ऊंची आवाज में भी बात करें तो हम पलटकर उल्टा जवाब देते या वादविवाद करते है, परंतु कोई मिलावटखोरी, प्रदूषण, अस्वच्छता के द्वारा हमें महंगे लाइलाज जानलेवा बीमारियां भी दे दे तो हम उफ़ तक नहीं करते, क्योंकि हमनें अपनी मानसिकता को उस प्रकार से ढाल दिया हैं। हम केवल प्रत्यक्ष रूप से होनेवाली समस्या के लिए थोड़े-बहुत जागरूक होते है, लेकिन अप्रत्यक्ष रूप से जानेवाली हमारी जान की हमें कभी परवाह ही नहीं होती। बढ़ती मानवीय लालसा ने पुरे पृथ्वी पर दूषित वातावरण का चक्रव्यूह रचा है, जिसने समस्त जीवसृष्टि को घातक बीमारियों से जकड़ा हैं। असमय होनेवाली मौतों में बेतहाशा वृद्धि ने भयावह रूप दर्शाया है, परंतु मनुष्य है कि समझना ही नहीं चाहता। ऐसे लोगों की गलती की सजा अन्य मासूमों को भी अपनी जान गवांकर चुकानी पड़ती हैं।

दूषित वातावरण के कारण आज तेजी से जानलेवा बीमारियां बढ़ी हैं। कैंसर, हृदय रोग, स्ट्रोक बीमारियों के नाम अब हमें रोजाना ही सुनने मिलते हैं। एकदम स्वस्थ मनुष्य जो, नशा नहीं करता है, हमेशा पोषक आहार लेता है, बेहतर निरोगी जीवनशैली का अनुसरण करता है, ऐसे मनुष्य भी घातक बीमारियों से जान गवां रहे है, क्योंकि निकृष्ट दर्जे की खाद्य पदार्थों की भरमार, मिलावटखोरी और दूषित वातावरण में सांस लेने को मजबूर हैं। हमारी चटोरी जुबान के स्वाद के लालच में पशुओं के लायक भी न हों ऐसे खाद्य पदार्थ हम बड़े चटकारे लेकर खाते है और समस्त शरीर को कूड़ेदान बनाते हैं। खराब कोलेस्ट्रॉल तो अब हमारे शरीर का हिस्सा बन गया हैं। हमारे देश में तो मीठा, मैदा, मसाला, तेल, नमकीन बगैर दिनचर्या ही पूरी नहीं होती, जबकि यह बेहद घातक हैं। बढ़ता मोटापा, आलस्य, लंबे समय तक बैठकवाला कार्य अधिक मुश्किलें बढ़ाता हैं। बीमारी के कारण बढ़ता आर्थिक तनाव और मानसिक अस्वस्थता भी हमारे शरीर को नुकसान पहुंचाती हैं। उन्नत देशों ने जिस खाद्य पदार्थों या उत्पादों पर बैन लगाया है, वह भी हमारे देश में धड़ल्ले से बिकते हैं। जानलेवा रसायनों का खाद्य पदार्थों में प्रयोग और नकली खाद्यपदार्थ बाजारों को गुलजार बना रहे हैं।

लालची व्यापारी या दूकानदार अपने एक रुपये के फायदे के लिए भी मासूमों के जान से खिलवाड़ करने से नहीं डरते। तुकाराम मुंडे महाराष्ट्र राज्य के खाद्य एवं औषधि प्रशासन के आयुक्त पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने मिलावटखोरी, नकली खाद्य पदार्थ, निकृष्ट खाद्य पदार्थों पर पाबंदी हेतु कड़े नियम लगाएं हैं। जिसके कारण करोड़ों रुपयों के जानलेवा खाद्य पदार्थों के बाजार पर ग्रहण लगा है, जरा सोचिए, इस ग्रहण से पहले धड़ल्ले से चलनेवाले कारोबार द्वारा इस जानलेवा खाद्य पदार्थों जैसे - रसायन से तैयार नकली दूध, उससे तैयार पनीर, मिठाइयां, विविध व्यंजन ने न जाने अब तक कितने मासूमों को घातक बीमारियों से ग्रस्त करके समय से पहले ही मार दिया। स्वस्थ रहने के लिए हर क्षेत्र में ऐसे मेहनती और कर्तव्यनिष्ठ अधिकारियों की सख्त जरूरत हैं।

आज के वातावरण में हृदय संबंधी रोगों से होनेवाली मौतों की संख्या चरम पर हैं। दो दशक पहले तक ऐसे विकार अमीर और बुजुर्गों के हिस्से मानते थे। लेकिन आज छोटे बच्चे भी हृदय विकार से जान गवां रहे हैं। विश्व हृदय फेडरेशन अनुसार, हर साल वायु प्रदूषण के कारण 70 लाख लोगों की मौत होती है। वायु प्रदूषण से जुड़ी मौतों में से 50 फीसदी मौतें दिल की बीमारी और स्ट्रोक के कारण होती हैं। खाना पकाने के लिए आग जलाने से निकलने वाले धुएं के संपर्क में आने से हर साल 38 लाख लोगों की समय से पहले मौत हो जाती हैं। हर साल उच्च कोलेस्ट्रॉल के कारण 44 लाख लोगों की असमय मौत होती हैं। लैंसेट में छपी एक नई रिपोर्ट में बताया गया है कि, अनुमानित 10 करोड़ लोग ऐसी दिल की बीमारियों के साथ जी रहे हैं जिन पर ध्यान नहीं दिया जाता। इसमें जान गवानेवाले अधिकतर गरीब होते हैं। साल 2023 में दुनिया भर में 23 लाख बच्चे जन्मजात हृदय रोग के साथ पैदा हुए। अमेरिका में, जटिल जन्मजात हृदय रोग के लिए जीवन भर का औसत खर्च प्रति मरीज 2.1 मिलियन अमेरिकी डॉलर है, जबकि जीवन भर का कुल आर्थिक असर 3.35 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से भी ज़्यादा हैं। ग्लोबल अलायंस फॉर क्रॉनिक डिजीज के अनुसार, साल 2021 में दिल और रक्त वाहिकाओं की बीमारियों की वजह से 2.05 करोड़ लोगों की मौत हुई, जो दुनिया भर में हुई कुल मौतों का 32 फीसदी है। हृदय रोग से होने वाली 85 फीसदी मौतें हार्ट अटैक और स्ट्रोक के कारण होती है, इसमें से 75 फीसदी से ज़्यादा मौतें कम और मध्यम आय वाले देशों में होती हैं।

देश में हर साल दिल और हृदय-वाहिका संबंधी बीमारियों से लगभग 28 - 31 लाख लोगों की असमय मौत होती हैं। साल 2024 में हृदय रोग से होने वाली कुल मौतों की संख्या 3,165,172 थी। भारत में दिल की बीमारी के लगभग 70 फीसदी मरीज़ों के पास स्वास्थ्य बिमा नहीं है और वे आर्थिक सुरक्षा से वंचित हैं। इस बीमारी की वजह से लगभग 32 फीसदी मरीज़ों और 36 फीसदी परिवारों की महीने की आय में बेहद कमी आती हैं। 17.7 फीसदी परिवारों को मेडिकल खर्चों को पूरा करने के लिए अनिश्चित समय के लिए लोन लेना पड़ता है या संपत्ति बेचनी पड़ती हैं। आजकल छोटे-छोटे स्कूली बच्चे खेलते-खेलते गश आकर गिर पड़ते है और चिकित्सक बताते है कि, हृदयघात से जान गई। बड़ा अजीब लगता है कि, इतने छोटे बच्चे भी हृदय रोग से जान गवांते है, क्योंकि हमारे आसपास वातावरण ही इतना दूषित हो गया हैं।

हृदय को कमजोर बनानेवाली चीजों से सर्वदा दूर रहें। किसी भी प्रकार का नशा जानलेवा साबित होता है, उच्च रक्तचाप एवं मधुमेह को नियंत्रित रखें। पोषक आहार लें। वजन नियंत्रित रखें। मानसिक तनाव को नजरअंदाज न करें, खुशनुमा वातावरण बनाये रखें। 8 घंटों की पूरी नींद, रोजाना व्यायाम, हेल्दी हॉबी को प्राथमिकता दें। झूठे दिखावे से बचें। जिन्हे भावनाओं की कदर न हो, उनसे दूर रहें, लोगों से उम्मीदें न पालें, मानसिक स्वास्थ्य का ख्याल रखें। आधुनिक जीवनशैली का त्याग करें। मीठा, मसाला, मैदा, तेल, नमकीन, पैक्ड खाद्य पदार्थ, कोल्डड्रिंक, अधिकतम प्रक्रिया किये गए खाद्यपदार्थ शरीर को खराब करते हैं। खाद्यपदार्थों का चयन स्वाद अनुसार नहीं, बल्कि पोषण देखकर करें। प्लास्टिक से बनी थैली, बर्तन, बोतल, का प्रयोग तुरंत बंद करें। खाद्यपदार्थों के लिए प्लास्टिक वस्तुओं का प्रयोग जहर के समान हैं। हमेशा स्वच्छता का ध्यान रखें। आधुनिक संसाधनों पर निर्भरता कम करें। आलस्य त्यागें। लगातार बैठकवाले कार्य टालें, अगर संभव न हो तो थोड़ा ब्रेक भी लें। सामाजिक परोपकारिता का ध्यान रखें, सभी नागरिक समान है, इसलिए पर्यावरण को नुकसान पहुचानेवालों का कड़ा विरोध करें। निरोगी रहने के लिए पहले शुद्ध ऑक्सीज़न, पोषक आहार और साफ जल चाहिए, यह कभी न भूलें। जब भी कोई प्रदूषण, मिलावटखोरी, अस्वच्छता, पेड़ कटाई, अतिक्रमण, शोर, भ्रष्टाचार करता है, तो एक बात ध्यान रखें कि वह आपकी ही जान अप्रत्यक्ष रूप में ले रहा हैं। कीड़े-मकोड़ो की तरह अपनी जिंदगी बर्बाद न करें। जिंदगी फिर नहीं मिलती, स्वास्थ्य ही धन हैं।

कांग्रेस-सपा के बीच सीट बंटवारे से पहले खिंची तलवारें

संजय सक्सेना

उत्तर प्रदेश की चुनावी जमीन पर 2027 की फसल अभी तैयार नहीं हुई है, लेकिन समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच हिस्सेदारी को लेकर काट-छांट शुरू हो गई है। ऊपर से दोनों दल साथ दिखाई देना चाहते हैं, नीचे कार्यकर्ताओं और नेताओं के बीच यह सवाल तेजी से उभर रहा है कि गठबंधन में किसकी जमीन कितनी और किसकी कीमत कितनी। यही वह सवाल है जिसने सीट बंटवारे को महज चुनावी समझौते के बजाय दोनों दलों की राजनीतिक हैसियत की लड़ाई बना दिया है।सितंबर के आखिरी सप्ताह में जिस तरह इमरान मसूद, इकरा हसन, अजय राय और दूसरे नेताओं के बयान सामने आए, उससे यह साफ है कि असली बेचैनी सीटों की संख्या से पहले नेतृत्व और प्रभाव क्षेत्र को लेकर है। इमरान मसूद लगातार जल्द सीट बंटवारा तय करने की मांग कर रहे हैं और कह रहे हैं कि देरी का नुकसान जमीन पर हो रहा है। इकरा हसन ने जवाब में सपा को उत्तर प्रदेश में भाजपा के खिलाफ बड़ी ताकत बताया और कांग्रेस के अकेले लड़ने की स्थिति पर सवाल उठाए। अजय राय ने इसे इकरा की निजी राय बताया। यानी गठबंधन बना रहने की बात अपनी जगह है, लेकिन गठबंधन के भीतर राजनीतिक वर्चस्व की बहस खुलकर बाहर आ चुकी है।

अखिलेश यादव ने इस बयानबाजी को रणनीति का हिस्सा बताया है। रायबरेली में उनकी पीडीए यात्रा और उसके जवाब में कांग्रेस की ओर से इटावा, कन्नौज और सैफई में कार्यक्रम की बात भी इसी राजनीतिक रस्साकशी का विस्तार है। सहयोगी दल यदि एक-दूसरे के प्रभाव क्षेत्र में शक्ति प्रदर्शन करने लगें तो संदेश केवल मंच तक नहीं रहता, वह सीट बंटवारे की मेज तक पहुंचता है।कांग्रेस की मुश्किल यह है कि 2024 के लोकसभा चुनाव ने उसे उत्तर प्रदेश में अपनी वापसी का आधार दिया है, लेकिन विधानसभा के आंकड़े उसकी स्थिति को अलग कहानी में रखते हैं। 2024 में सपा ने 37 और कांग्रेस ने छह लोकसभा सीटें जीतीं। दोनों की संयुक्त संख्या 43 रही, जबकि भाजपा 33 पर रही। सपा का मत प्रतिशत करीब 33.59 और कांग्रेस का 9.46 प्रतिशत था। पांच साल पहले 2019 में सपा के पास पांच और कांग्रेस के पास केवल एक लोकसभा सीट थी। यानी 2024 ने विपक्षी गठबंधन को नई राजनीतिक जमीन दी। लेकिन इस सफलता को विधानसभा सीटों में सीधे बदलना संभव नहीं है।

क्योंकि विधानसभा का गणित कहीं अधिक स्थानीय है। 2022 में भाजपा ने 255 सीटें जीतीं और उसका मत प्रतिशत 41.29 रहा। सपा 111 सीटों और 32.06 प्रतिशत मत के साथ मुख्य विपक्षी दल बनी। कांग्रेस केवल दो सीटों तक रह गई। यह आंकड़ा कांग्रेस की मौजूदा चुनौती को साफ करता है। लोकसभा में छह सीटें जीतना राजनीतिक पुनरुत्थान का संकेत हो सकता है, लेकिन 403 विधानसभा क्षेत्रों में प्रभाव साबित करने के लिए केवल लोकसभा का आंकड़ा पर्याप्त नहीं होगा।यही कारण है कि यदि कांग्रेस 125 से अधिक सीटों पर अपना दावा रखती है तो सपा के लिए उसे स्वीकार करना आसान नहीं होगा। दूसरी ओर कांग्रेस के लिए भी कम सीटों पर समझौता करना राजनीतिक रूप से आसान नहीं होगा। वह उत्तर प्रदेश में लंबे समय बाद संगठन को अपने पैरों पर खड़ा करने की कोशिश कर रही है। ऐसे में बहुत कम सीटें उसे फिर उसी स्थिति में धकेल सकती हैं जहां वह बड़े सहयोगी की छाया में दिखाई दे। इसलिए कांग्रेस की लड़ाई केवल सीटों की नहीं, अपनी स्वतंत्र राजनीतिक पहचान की भी है।

सपा की स्थिति भी कम पेचीदा नहीं है। 2024 में 37 लोकसभा सीटें जीतने के बाद पार्टी के पास अपने दावे का मजबूत आधार है। अखिलेश यादव की पीडीए रणनीति के तहत पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक सामाजिक समूहों तक पहुंच बढ़ाने की कोशिश चल रही है। ऐसे में सपा यह क्यों चाहेगी कि जिन सीटों पर उसका संगठन वर्षों से काम कर रहा है, वहां कांग्रेस को केवल लोकसभा के प्रदर्शन के आधार पर प्राथमिकता मिल जाए? यही सवाल सपा के भीतर भी उठना स्वाभाविक है।2017 का इतिहास दोनों दलों को बार-बार आईना दिखाता है। उस चुनाव में सपा 311 सीटों पर लड़ी और 47 जीत सकी। कांग्रेस ने 114 सीटों पर चुनाव लड़ा और सात सीटें जीतीं। भाजपा ने 312 सीटें जीतकर सरकार बनाई। उसका मत प्रतिशत 39.67 था, जबकि सपा को 21.82 और कांग्रेस को 6.25 प्रतिशत मत मिले। गठबंधन के बावजूद कई सीटों पर प्रत्याशी चयन और संगठनात्मक तालमेल की समस्या रही।

पानी भरे खेत में मिला युवक का शव, इलाके में मचा हड़कंप

- माता-पिता को स्टेशन छोडने़ के बाद लापता था दीपक
- मौत की परिस्थितियों की जांच में जुटी पुलिस

ललितपुर। खेत में कीचड़ में पड़ा युवक का शव

ललितपुर। बार थाना क्षेत्र के धोवनखेरी गांव में सोमवार सुबह पानी भरे खेत में करीब 35 वर्षीय युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। खेत की ओर गए ग्रामीणों ने शव पड़ा देखा तो इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही बार पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी। मृतक की पहचान धोवनखेरी निवासी दीपक पुत्र हरवल श्रीवास, उम्र करीब 35 वर्ष के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार दीपक दिल्ली में राजमिस्त्री का काम करता था। कुछ महीने पहले काम के दौरान ग्राइंडर मशीन की चपेट में आने से उसका एक हाथ कट गया था। इसके बाद वह उपचार कराने के लिए गांव आया हुआ था। बताया गया कि रविवार शाम दीपक अपने माता-पिता को स्टेशन छोडने़ गया था। उसके माता-पिता दिल्ली में काम करते हैं। स्टेशन से उन्हें छोडने़ के बाद दीपक कब और किसके साथ वापस गांव लौटा, इसकी जानकारी परिजनों को नहीं है। सोमवार सुबह पानी से भरे खेत में उसका शव मिलने की सूचना से परिवार में कोहराम मच गया। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीण भी मौके पर पहुंच गए। दीपक की मौत किन परिस्थितियों में हुई और उसका शव खेत में कैसे पहुंचा, इसे लेकर फिलहाल स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की कार्रवाई शुरू कर दी है। परिजनों के मुताबिक दीपक के परिवार में उसकी पत्नी के अलावा चार बेटियां और एक बेटा है। युवक की मौत से पत्नी, बच्चों और अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की वास्तविक वजह स्पष्ट होने की बात पुलिस द्वारा कही जा रही है।

सर्व ब्राह्मण विकास परिषद की बैठक तुवन मंदिर स्थित धर्मशाला में संपन्न

ललितपुर। बैठक में उपस्थित पदाधिकारीगण।

ललितपुर। सोमवार को सर्व ब्राह्मण विकास परिषद की बैठक तुवन मंदिर स्थित धर्मशाला में संपन्न हुई। जिसमें मुख्य अतिथि क्षेत्रीय अध्यक्ष अजय रावत जी, रहे एवं बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष बृजमोहन संज्ञा द्वारा की गई. जिसमें सर्व ब्राह्मण विकास परिषद के सभी पदाधिकारियों एवं सभी मातृशक्ति , पदाधिकारियो को माल्यार्पण कर सम्मानित किया गया । बैठक में समाज को लेकर कई विशेष चर्चाएं की गई, एवं विभिन्न मुद्दों पर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। उपस्थित सभी सम्माननीय पदाधिकारियों , द्वारा एक दूसरे को शुभकामनाएं प्रदान की गई।, बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष कमल किशोर अवस्थी द्वारा मोबाइल के माध्यम से निर्देशित किया गया कि सभी समितियां एक सप्ताह के अंदर अपनी-अपने समिति का विस्तार करें इसके साथ ही उन्होंने सभी को बैठक की बहुत-बहुत बधाई देते हुए अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की.

इस अवसर पर महिला जिला अध्यक्ष श्रीमती रितु समाधिया, जिला महामंत्री तिलक राम कौशिक भूतपूर्व सैनिक समिति के अध्यक्ष कैलाश नारायण पश्तोर राजाराम गोस्वामी, अधिवक्ता समिति के अध्यक्ष प्रकाश नारायण देवलिया, कवि एवं साहित्य समिति के अध्यक्ष रमेश पाठक रविंद्र चिकित्सा एवं स्वास्थ्य समिति के अध्यक्ष डॉ राजेश शर्मा, योग समिति के अध्यक्ष अनुराग चतुर्वेदी ललितपुर विधानसभा अध्यक्ष गिरजा शंकर द्विवेदी तहसील अध्यक्ष ललितपुर राम कुमार दुबे तहसील अध्यक्ष पाली सुरेश कौंते, एवं ब्लॉक बार अध्यक्ष शिवनारायण नायक उपस्थित रहे। मातृशक्ति पदाधिकारी में कविता पश्तो क्षेत्रीय मंत्री मंजू पाराशर नगर उपाध्यक्ष वंदना तिवारी जिला उपाध्यक्ष वंदना चौबे नगर मंत्री आशा कौशिक, कांति उपाध्याय मालती पटेरिया जिला उपाध्यक्ष बरसा तिवारी सुहानी गोस्वामी नगर मंत्री, गीता रावत राधा पांडे नगर मंत्री, राजकुमारी दुबे जिला महामंत्री नीलम दुबे उपाध्यक्ष , श्रीमती ममता तिवारी जिला उपाध्यक्ष , श्रीमती सपना बबेले जिला उपाध्यक्ष युवा, श्रीमती काजल पांडे जिला मंत्री युवा समिति अनुराधा अग्निहोत्री, नगर महामंत्री महिला समिति श्रीमती उमा बाजपेई के अलावा श्री अखिलेश पाठक बुडवार श्री राहुल व्यास श्री जितेंद्र नायक श्री आत्माराम रिछारिया श्री गोपाल कृष्ण पाठक श्री जयकुमार तिवारी श्री जगदीश प्रसाद लिटोरिया श्री दिनेश दुबे श्री नंदकिशोर द्विवेदी के अलावा इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया से श्री सौरभ गोस्वामी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में, वरिष्ठ नागरिक एवं जिला उपाध्यक्ष श्री तिलक राम कौशिक द्वारा बैठक में उपस्थित सभी विप्र जन व मातृशक्ति का , आभार व्यक्त किया गया।

बाइक सवार को बचाने में कंटेनर से भिड़ी बस, नौ से अधिक यात्री घायल

- हाईवे-44 पर मसौरा बैरियर के पास हादसा
- 50 से ज्यादा यात्रियों को लेकर सागर जा रही थी बस

ललितपुर। सोमवार सुबह हाईवे-44 पर मसौरा बैरियर के पास एक तेज रफ्तार बस आगे चल रहे कंटेनर से टकरा गई। हादसा निर्भान सिंह पेट्रोल पंप के पास, गोविंद सागर बांध के सामने हुआ। दुर्घटना में बस में सवार नौ से अधिक यात्रियों के घायल होने की जानकारी सामने आई है। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार और अफरा-तफरी मच गई। शबनम कंपनी की बस सोमवार सुबह करीब 8.40 बजे ललितपुर बस स्टैंड से यात्रियों को लेकर सागर के लिए रवाना हुई थी। यात्रियों के मुताबिक बस में 50 से अधिक लोग सवार थे। बस हाईवे-44 पर मसौरा बैरियर के पास पहुंची, तभी अचानक एक बाइक सवार सामने आ गया। बताया गया कि बाइक सवार को बचाने के प्रयास में बस चालक ने अचानक बस को नियंत्रित करने का प्रयास किया, लेकिन बस अनियंत्रित होकर आगे चल रहे कंटेनर में पीछे से जा भिड़ी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस में सवार कई यात्रियों को चोटें आई। नौ से अधिक यात्रियों के गंभीर रूप से घायल होने की सूचना है। हादसे के बाद बस में सवार यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। आसपास मौजूद लोग तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे और घायलों को बस से बाहर निकालने में मदद की। सूचना मिलने पर पुलिस टीम भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के साथ यातायात व्यवस्था को संभाला।

पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से घायल यात्रियों को उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज भेजा गया, जहां चिकित्सकों की देखरेख में उनका उपचार शुरू किया गया। पुलिस ने दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। हादसे में बस और कंटेनर को हुए नुकसान का भी जायजा लिया गया। पुलिस की जांच और घायलों के चिकित्सकीय परीक्षण के बाद दुर्घटना से जुड़ी स्थिति और स्पष्ट होने की उम्मीद है।

ब्राह्मण समाज की पहली बैठकी में सामाजिक एकता और संगठन पर हुआ मंथन

- ब्राह्मण परिवारों की सूची तैयार करने, युवाओं को रोजगार से जोडने़ और गुरुकुल संस्कृति के पुनर्निर्माण पर जोर

ललितपुर। बैठक के दौरान शामिल होने पहुंचे युवा

ललितपुर। ब्राह्मण समाज की प्रथम बैठकी का आयोजन रविवार शाम प्राचीन श्रीश्री हनुमान धारा मंदिर, बीटीसी कॉलेज के सामने घुसयाना में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पूज्य श्रीश्री आदित्य शरणजी महाराज के सानिध्य में बटुक ब्राह्मणों के साथ भगवान परशुराम के विधिवत पूजन से हुआ। इसके बाद उपस्थित समाजबंधुओं का परिचय हुआ और ब्राह्मण समाज से जुड़े विभिन्न सामाजिक एवं समसामयिक मुद्दों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। वक्ताओं ने कहा कि समाज में उचित नेतृत्व एवं संगठनात्मक कमी, ब्राह्मण परिवारों के बीच आपसी परिचय का अभाव, युवाओं में बढ़ती बेरोजगारी तथा विवाह योग्य युवकों की बढ़ती संख्या जैसी समस्याओं पर सामूहिक प्रयास की आवश्यकता है। वक्ताओं ने सामाजिक एकता को मजबूत करने और समाज के जरूरतमंद परिवारों की स्थिति की जानकारी जुटाकर उनके सहयोग की दिशा में काम करने पर जोर दिया। विवेक व्यास ने कहा कि ललितपुर शहर और जनपद में कितने ब्राह्मण परिवार निवास करते हैं, इसकी कोई व्यवस्थित सूची समाज के पास उपलब्ध नहीं है। उन्होंने कहा कि समाज के सक्षम लोगों को एकजुट होकर ऐसा प्रयास करना चाहिए, जिससे प्रत्येक गांव में ब्राह्मण परिवारों की संख्या और उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति की जानकारी सामने आ सके। उन्होंने जल्द ही श्री हनुमान धारा संस्कृत विद्यालय को 11 हजार रुपये की पठन-पाठन सामग्री उपलब्ध कराने की घोषणा की। रामनरेश दुबे ने ग्रामीण क्षेत्रों में ब्राह्मण समाज की स्थिति तथा वर्तमान परिवेश में संस्कृति के सामने उत्पन्न चुनौतियों पर विस्तार से अपने विचार रखे। आशीष तिवारी ने कहा कि विभिन्न मुद्दों पर ब्राह्मण समाज के बंटे होने के कारण सामूहिक रूप से अपनी बात प्रभावी ढंग से रखने में कठिनाई आती है। उन्होंने गौ रक्षा, मंदिरों के पुरोहितों को वेतन तथा गुरुकुल संस्कृति के पुनर्निर्माण जैसे विषयों पर संगठित होकर सरकार का ध्यान आकर्षित करने की आवश्यकता बताई। अनुराग चतुर्वेदी ने मंदिर में मौजूद बटुक विद्यार्थियों को भोजन कराया तथा श्राद्ध पक्ष के अवसर पर तर्पण एवं दान आदि किया। उन्होंने सामाजिक गतिविधियों और इस प्रकार के आयोजनों की जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने का आह्वान किया। अभिषेक तिवारी ने ब्राह्मण समाज की इस सामाजिक परंपरा को ललितपुर के संदर्भ में स्वागत योग्य पहल बताया। उन्होंने कहा कि मासिक बैठकी को नियमित एवं मजबूत बनाने के साथ अधिक से अधिक समाजबंधुओं की सहभागिता सुनिश्चित की जानी चाहिए। इसके लिए सोशल मीडिया के माध्यम से भी प्रचार-प्रसार किए जाने की बात कही गई। बैठक के आयोजक नवेन्दु अग्निहोत्री चीनू रहे। कार्यक्रम में समाज की समस्याओं पर चर्चा के साथ भविष्य में बैठकी को नियमित रूप से आयोजित करने और सामाजिक सहभागिता बढ़ाने का निर्णय लिया गया। इस अवसर पर प्रशांत गोस्वामी, विवेक व्यास, आलोक चतुर्वेदी, अभिषेक तिवारी, रामनरेश दुबे, हरिहर नारायण चौबे, नीतेश पाठक, दिव्यांश, वीरेंद्र शर्मा, रोहित चौबे, मनोज शुक्ला, प्रदीप गंगले, भरत तिवारी, विश्वनाथ सढ़ैया, विशाल पटैरिया, शिवम अग्निहोत्री, सुनील नगाइच, भानू चौबे सहित बड़ी संख्या में समाज के सम्मानित लोग उपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

तेज रफ्तार कार ने बाइक में मारी सामने से टक्कर, बुजुर्ग की मौत

ललितपुर। थाना कोतवाली क्षेत्र के राजघाट-जखौरा मार्ग पर पेट्रोल पंप के पास तेज रफ्तार और कथित लापरवाही से चल रही स्विफ्ट डिजायर कार ने सामने से आ रही बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार काशीराम साहू (64) की मौत हो गई, जबकि उनके पुत्र सतीश साहू (28) गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने काशीराम को मृत घोषित कर दिया। घायल सतीश का उपचार चल रहा है। अशोकनगर जिले के हीरावल चंदेरी निवासी काशीराम साहू अपने पुत्र सतीश साहू के साथ 25 सितंबर 2026 को मोटरसाइकिल संख्या एमपी 67 एम.ए. 4913 से जखौरा ट्रॉली बुक कराने जा रहे थे। बताया गया कि उनके पास ट्रॉली के भुगतान के लिए करीब 1.26 लाख रुपये भी थे। इसी दौरान राजघाट -जखौरा मार्ग पर पेट्रोल पंप के पास सामने से आ रही सफेद रंग की स्विफ्ट डिजायर कार संख्या एमपी 04 जेड.जे. 7816 ने उनकी मोटरसाइकिल में टक्कर मार दी। शिकायत के अनुसार कार को अशोकनगर के शांतिनाथ मंदिर के पास निवासी धर्मेंद्र शर्मा पुत्र देवीचरण शर्मा चला रहा था। कार में चालक के अलावा दो अन्य लोग भी सवार बताए गए हैं। हादसे की सूचना मिलने पर राजघाट चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने काशीराम साहू को मृत घोषित कर दिया, जबकि सतीश साहू का उपचार जारी है। मामले में शिकायतकर्ता सन्नी साहू पुत्र किसन साहू निवासी नावनी, चंदेरी, अशोकनगर की तहरीर पर थाना कोतवाली पुलिस ने कार चालक के खिलाफ बीएनएस की धारा 281, 125(ए), 125(बी) एवं 106 के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

तेज रफ्तार बाइक ने राहगीर को मारी टक्कर, गंभीर घायल

ललितपुर। थाना जखौरा क्षेत्र के ग्राम प्रतापपुरा में तेज रफ्तार और अनियंत्रित मोटरसाइकिल की टक्कर से पैदल जा रहा एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद घायल को उपचार के लिए जिला अस्पताल ललितपुर ले जाया गया। तहरीर पर पुलिस ने बाइक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना जखौरा के ग्राम बड़ौरा निवासी जगन्नाथ पुत्र समरथ सिंह यादव ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 27 अगस्त 2026 की शाम करीब छह बजे वह प्रतापपुरा गांव से पैदल अपने घर बड़ौरा लौट रहे थे। वह प्रतापपुरा गांव के पास पहुंचे ही थे कि तभी पीछे से तेज रफ्तार में आ रही मोटरसाइकिल संख्या यू.पी. 94 क्र 4347 के चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। बाइक को प्रतापपुरा अड़वाहा निवासी सोनू पुत्र कैलाश रजक चला रहा था।

भेड़ों की भीड़ नहीं, शेरों का झुंड पसंद है : अजय उपाध्याय

- उपजा की बैठक में सदस्यता अभियान और नई तहसील कार्यकारिणी गठन पर बनी सहमति

ललितपुर। बैठक में मौजूद पदाधिकारी

ललितपुर। पत्रकारों की एकजुटता, संगठन की मजबूती और पत्रकार हितों से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने के उद्देश्य से रविवार को तहसील सभागार में यूपी जर्नलिस्ट वेलफेयर एसोसिएशन की आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठन को मजबूत करने, युवा पत्रकारों को सदस्यता से जोडने़, नई तहसील कार्यकारिणी के गठन और शासन-प्रशासन से बेहतर समन्वय स्थापित करने को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार अजय उपाध्याय ने की। उन्होंने पत्रकारों से संगठन की एकता और मजबूती बनाए रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि संगठन में संख्या से अधिक महत्वपूर्ण सक्रियता, एकजुटता और पत्रकार हितों के लिए खड़े होने का जज्बा है। इसी क्रम में उन्होंने कहा कि हमें भेड़ों की भीड़ नहीं, शेरों का झुंड पसंद है और हम कलमकार शेरों के झुंड में रहते हैं। उनके संबोधन से बैठक में मौजूद पत्रकारों में उत्साह दिखाई दिया। जिलाध्यक्ष सूर्यकांत शर्मा ने संगठन के दो वर्ष के कार्यकाल के दौरान पत्रकार हित में किए गए संघर्षों और उपलब्धियों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि संगठन को आगे भी प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए प्रत्येक सदस्य की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। जिला संरक्षक सुनील त्रिपाठी बाबा ने कहा कि किसी भी संगठन के लिए शासन-प्रशासन से बेहतर संवाद और समन्वय जरूरी है। पत्रकारिता से जुड़े विषयों और समस्याओं को उचित मंच तक पहुंचाने के लिए अधिकारियों से निरंतर संवाद बनाए रखना चाहिए। बैठक के दौरान जिला संयोजक शरद सोनी, जिला उपाध्यक्ष सौरभ जैन सहित अन्य पत्रकारों ने क्षेत्राधिकारी तालबेहट के कथित अभद्र व्यवहार से जुड़े मामले को भी उठाया। पत्रकारों ने मामले को उचित स्तर पर रखने तथा सामाजिक मुद्दों के रूप में भी सामने लाने पर चर्चा की। बैठक में उक्त मामले को पुलिस अधीक्षक के संज्ञान में लाने का निर्णय लिया गया। वरिष्ठ पत्रकार रविशंकर अगरिया ने पत्रकारों के बीच आपसी सामंजस्य और संगठन की एकता को मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि बेहतर तालमेल के माध्यम से ही पत्रकारों से जुड़े मुद्दों को प्रभावी तरीके से सामने रखा जा सकता है। पत्रकार विपिन सिंह ने कहा कि संगठन केवल नाम और पदों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उसका वास्तविक उद्देश्य प्रत्येक पत्रकार के साथ खड़ा होना और उसकी समस्याओं को समझना होना चाहिए। उन्होंने संगठन को जिम्मेदारी और आपसी विश्वास के साथ संचालित करने पर जोर दिया, ताकि किसी भी पत्रकार को अपनी समस्या के लिए अकेला महसूस न करना पड़े। जिला संगठन मंत्री सुरेंद्र पस्तोर ने बैठक में सर्वसम्मति से लिए गए निर्णयों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 11 अक्टूबर से सदस्यता अभियान शुरू किया जाएगा। 30 अक्टूबर को नई तहसील कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा, जबकि दिसंबर में नए परिचय पत्र जारी करने पर सहमति बनी है। बैठक में पत्रकारों से जुड़े मुद्दों को संगठन के स्तर पर गंभीरता से उठाने का भी निर्णय लिया गया। बैठक में तहसील अध्यक्ष अजय बुंदेला, नरेंद्र दीक्षित, बलवंत सिंह, देवेंद्र सिंह भास्कर, अनिल चतुर्वेदी, विपिन सिंह, कुलदीप पटेरिया, राहुल सुमन, रोहित नामदेव, कपिल पुललैया और प्रवीण तिवारी समेत अन्य पत्रकार मौजूद रहे। संचालन वरिष्ठ पत्रकार विनोद अवस्थी ने किया। अंत में जिला अध्यक्ष सूर्यकांत शर्मा ने सभी पत्रकारों का आभार व्यक्त किया।

पुराने मुकदमे में राजीनामा का दबाव, घर पहुंचकर दंपती से मारपीट

- मना करने पर महिला से गाली-गलौज और मारपीट का आरोप, पति के साथ भी की मारपीट

ललितपुर। थाना कोतवाली क्षेत्र के चौकाबाग मोहल्ले में पुराने मुकदमे में राजीनामा करने का दबाव बनाने और मना करने पर महिला व उसके पति के साथ मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। तहरीर पर पुलिस ने चार नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। चौकाबाग निवासी मेघा पत्नी जितेंद्र ने पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाया कि 26 सितंबर 2026 की शाम करीब 6.30 बजे चौकाबाग निवासी कुलदीप सिंह पुत्र लक्ष्मण सिंह ने उसके पति को रास्ते में रोक लिया। आरोप है कि कुलदीप ने पुराने मुकदमे एफआईआर संख्या 0807, जिसमें धारा 115(2), 352, 351(3) और 324(2) के तहत मामला दर्ज है, उसमें राजीनामा करने का दबाव बनाया। राजीनामा न करने पर पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है। पति द्वारा विरोध करने पर आरोपी गाली-गलौज करते हुए वहां से चला गया। इसके कुछ देर बाद कुलदीप की पत्नी ज्योति, उसकी मां मीरा पत्नी लक्ष्मण सिंह तथा लक्ष्मण सिंह पुत्र अवध सिंह भी वहां पहुंच गए। आरोप है कि सभी ने एकजुट होकर महिला के साथ घर के बाहर मारपीट की। इसी दौरान महिला का पति अपने पुत्र के साथ घर पहुंचा तो आरोपियों द्वारा उसके साथ भी मारपीट करने और गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी देने का आरोप है। घटना के बाद उसने पुलिस से कार्रवाई की मांग की। मेघा की तहरीर पर थाना कोतवाली पुलिस ने कुलदीप सिंह, ज्योति, मीरा और लक्ष्मण सिंह के खिलाफ बीएनएस की धारा 352, 115(2) एवं 351(3) के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है।

शिक्षा मित्रों की समस्याओं के समाधान की मांग

- मुख्यमंत्री के नाम डीएम को सौंपा ज्ञापन
- टीईटी उत्तीर्ण शिक्षा मित्रों को सहायक अध्यापक बनाने
- नॉन-टीईटी शिक्षामित्रों के नियमितीकरण और स्थानांतरण की उठाई मांग

ललितपुर। मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपते शिक्षामित्र

ललितपुर। उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षा मित्र संघ के पदाधिकारियों एवं शिक्षा मित्रों ने अपनी विभिन्न लंबित समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर मुख्यमंत्री के नाम जिलाधिकारी के माध्यम से ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में प्रदेश के प्राथमिक विद्यालयों में पिछले 26 वर्षों से कार्यरत शिक्षा मित्रों की समस्याओं का शीघ्र समाधान किए जाने की मांग की गई। संघ पदाधिकारियों ने कहा कि शिक्षा मित्रों की समस्याओं के समाधान के लिए सरकार की ओर से कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। इसके बावजूद कुछ समस्याएं अभी लंबित हैं। प्रदेश के करीब 1 लाख 43 हजार शिक्षा मित्र इन समस्याओं के समाधान की उम्मीद लगाए हुए हैं। ज्ञापन में मांग की गई कि प्रदेश में टीईटी परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके करीब 75 हजार शिक्षा मित्रों को सहायक अध्यापक बनाए जाने की कार्यवाही की जाए। साथ ही नॉन-टीईटी शिक्षा मित्रों के लिए नियमावली बनाकर उन्हें नियमित किए जाने की मांग उठाई गई। संघ ने शिक्षा मित्रों को उनके मूल विद्यालय में वापस भेजने तथा महिला शिक्षा मित्रों को उनके ससुराल के निकट स्थित विद्यालयों में स्थानांतरण की सुविधा दिए जाने की मांग की। इसके लिए शासनादेशों दिनांक 03 मार्च 2025, 12 जून 2025 एवं 09 दिसंबर 2025 का अनुपालन सुनिश्चित कराने की मांग की गई। ज्ञापन में आकस्मिक निधन का शिकार हुए शिक्षा मित्रों के परिवारों की आर्थिक स्थिति का मुद्दा भी उठाया गया। संघ ने मांग की कि ऐसे दिवंगत शिक्षा मित्रों के परिवार के एक सदस्य को जीविकोपार्जन के लिए नौकरी प्रदान की जाए, जिससे उनके परिवारों का भरण-पोषण हो सके। शिक्षा मित्रों ने परिषदीय विद्यालयों में कार्यरत शिक्षा मित्रों का मानदेय प्रत्येक माह की 5 तारीख तक वितरित कराने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी करने की भी मांग की। ज्ञापन सौंपने वालों में जिलाध्यक्ष दयाराम विश्वकर्मा, जिला प्रभारी रक्षपाल सिंह, नन्दराम यादव, देशराज सिंह, रामप्रसाद अहिरवार, फेरन सिंह, राजेन्द्र कुमार, नन्दराम, शिवचरन, देवेन्द्र पुरोहित, दिनेश निरंजन, महेश निरंजन, बालकिशन कुशवाहा, कुसुम कुंवर, उपासना, उर्मिला झा, उर्मिला साहू, बालकदास, नीलम तिवारी, रामनरेश, कौशल किशोर, मेहरबान, नन्दकिशोर, क्रान्ति देवी, शशिप्रभा, संग्राम सिंह, रामनिवास के अलावा संघ के अन्य पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में शिक्षा मित्र मौजूद रहे।

प्रान्तीय मेला जलविहार की श्रृंखला में अखिल भारतीय बुन्देलखण्डी राई व नृत्य कार्यक्रम सम्पन्न

मऊरानीपुर। फीता कटने की। एवं दीप प्रज्जवलन की। एवं नृत्य कार्यक्रम प्रस्तुत की।

बुन्देलखण्डी राई एवं नृत्य पर जमकर झूमे दर्शक

मऊरानीपुर (झाँसी) प्रान्तीय मेला जलविहार की श्रृंखला में अखिल भारतीय बुन्देलखण्डी राई एवं नृत्य कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। जिसका उद्घाटन दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री जमुना प्रसाद कुशवाहा, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रदीप पटेल, ब्लॉक प्रमुख मऊरानीपुर आनन्द सिंह परिहार, राकेश पाल के कर कमलों से किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन कर कमलों से काटा गया। इसके बाद अतिथियों को कार्यक्रम संयोजिका श्रीमती गीता खेवरिया पार्षद के नेतृत्व में पगडी पहनाकर, स्मृति चिहन भेंट कर की गयी। इसी के चलते कार्यक्रम की शुरुआत में अखिल भारतीय बुन्देलखण्डी राई एवं नृत्य कार्यक्रम का फीता अतिथियों के कर कमलों से काटा गया। इसके बाद अतिथियों को कार्यक्रम संयोजिका श्रीमती गीता खेवरिया पार्षद के नेतृत्व में पगडी पहनाकर, स्मृति चिहन भेंट कर की गयी। इसी के चलते कार्यक्रम की शुरुआत में अखिल भारतीय बुन्देलखण्डी राई एवं नृत्य कार्यक्रम में कलाकारों ने लोगों को जमकर मन्त्रमुग्ध किया। कि ऐसे कार्यक्रम ही लोगों को लुभाते है। कार्यक्रम की शुरुआत कलाकारों द्वारा एक से बढकर एक राई गीत प्रस्तुत कर की। कार्यक्रम में जित्तू खरे बादल व आशाराम एण्ड पार्टी ने जमकर लोगों को मन्त्र मुग्ध किया। राई एण्ड नृत्य पार्टी आदि कलाकारों ने लोगों को झूमझूम कर दिया। कार्यक्रम का प्रारम्भ गणेश वन्दना से किया गया। वही नृत्य पर भी युवा वर्ग झूम उठा। एक से बढकर एक रंगीले नृत्य प्रस्तुत हुये। इस मौके पर नगर पालिका अधिशासी अधिकारी महेन्द्र कुमार चौधरी, अध्यक्ष श्रीमती शशि श्रीवास, अध्यक्ष प्रतिनिधि आयुष श्रीवास के साथ नगर पालिका से आशीष कौशिक, छगन लाल राजपूत, आनन्द विश्नोई, सुनील शर्मा, सतीश साहू, राजेन्द्र रावत, अभिलाष तिवारी, अभिनव श्रीधर सहित हजारों की संख्या में जनसमूह और समस्त पार्षद गणों के साथ पत्रकार बन्धु, पुलिस अफसर व पुलिस फोर्स रहा मौजूद। कार्यक्रम संयोजिका श्रीमती गीता खेवरिया पार्षद रही। कार्यक्रम का संचालन अभिलाष तिवारी ने किया।

मत्स्य पालको को डीएम ने सौंपी मोपेड की चॉबी

चित्रकूट। लाभार्थी को मोपेड की चॉबी देते डीएम

चित्रकूट। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा मछुआरों एवं मत्स्य पालकों के कल्याण एवं उनकी आय में वृद्धि के उद्देश्य से संचालित कल्याण कोष के अंतर्गत जनपद में तीन लाभार्थियों को मोपेड विथ आइस बॉक्स उपलब्ध कराया गया।

जिलाधिकारी पुलकित गर्ग ने लाभार्थियों को मोपेड विथ आइस बॉक्स प्रदान किए। योजना के अंतर्गत प्रत्येक लाभार्थी को 24,000 की सहायता, अनुदान राशि का लाभ प्रदान किया। मोपेड विथ आइस बॉक्स के माध्यम से लाभार्थियों को मत्स्य उत्पादों के सुरक्षित एवं स्वच्छ परिवहन तथा स्थानीय बाजार तक पहुंचाने में सुविधा होगी। इससे मत्स्य उत्पादों की गुणवत्ता बनाए रखने, विपणन को सुगम बनाने तथा लाभार्थियों की आय में वृद्धि करने में सहायता मिलेगी। इस मौके पर मत्स्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी एवं लाभार्थी उपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

श्रीराम जन्मोत्सव लीला का हुआ मंचन

चित्रकूट। तरौंहा में आयोजित 13 दिवसीय रामलीला महोत्सव के अंतर्गत रविवार को रामलीला के पांचवें दिवस का भव्य मंचन रात्रि 8 बजे से किया गया। पांचवें दिवस में श्रीराम जन्मोत्सव, नामकरण, विद्याध्ययन एवं मुनि याचना की मनोहारी लीलाओं का मंचन होगा। रामलीला में क्षेत्र के प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा जीवंत अभिनय एवं भव्य संगीत प्रस्तुति दी जाएगी। आयोजन पं. प्रशांत करवरिया ने श्रद्धालुओं एवं क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर श्रीराम की दिव्य लीलाओं का दर्शन करने एवं कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

इस वर्ष नुनाई प्रागंण में माँ काली का होगा आगमन, तैयारियाँ प्रारम्भ

मऊरानीपुर (झाँसी) माँ काली परिवार द्वारा इस वर्ष नुनाई प्रागंण में माँ काली को विराजमान किया जा रहा है। ज्ञातव्य हो कि नुंनाई के प्रागंण में माँ काली हर 2 वर्ष में विराजमान होती है। जो कि इस वर्ष विराजमान होगी। जिसकी तैयारियाँ काली परिवार के द्वारा प्रारम्भ कर दी गयी है । जिसको लेकर माँ काली परिवार के अध्यक्ष दीपक अग्रवाल उर्फ दीपू चौधरी ने बताया कि इस वर्ष माँ काली बडा बाजार स्थित नुनाई प्रागंण में विराजमान होगी। जो 11 अक्टूबर को दोपहर 1 बजे टीकमगढ बस स्टैण्ड मदन माली के निवास से दुबे चौक होते हुये नुनाई प्रागंण के लिये प्रस्थान करेगी। वही उनके द्वारा बताया गया कि यहाँ माँ काली के विराजमान होने पर माँ काली का भव्य एवं दिव्य दरबार सजाया जाता है। जो विगत 31 वर्षो से माँ काली परिवार उनकी सेवा करते आ रहा है। इसी के चलते काली परिवार इस वर्ष भी तैयारियों में जुट चुका है।

फसल नष्ट होने पर एसडीएम को सौंपा पत्र

मऊरानीपुर (झाँसी) तहसील क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाले देवरी सिंहपुरा में बेमौसम बारिश से मूँगफली ,तिली सहित खडी व कटी फसल बर्बाद हो गयी। जिसको लेकर ग्राम प्रधान प्रतिनिधि जमुना प्रसाद मथनिया ने उपजिलाधिकारी मऊरानीपुर मनोज कुमार भारती को पत्र देकर फसल नुकसान की जानकारी दी। उन्होने जल्द सर्वे कराकर किसानों को शीघ्र सहायता राशि दिलाये जाने की माँग की।

विधायक ने सामुदायिक शेड कार्य का किया निरीक्षण, दिये निर्देश

मऊरानीपुर (झाँसी) विधानसभा मऊरानीपुर अन्तर्गत आने वाले ग्राम इमलिया एवं किशोरपुरा में निर्माणाधीन सामुदायिक शेड के कार्य का विधायक डॉ. रश्मि आर्य पप्पू सेठ ने निरीक्षण किया। इस दौरान निर्माण कार्य की गुणवत्ता , प्रगति एवं आवश्यक व्यवस्थाओं का अवलोकन कर सम्बन्धित अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्था को समयबद्व एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। इस मौके पर भगवत साहू, मानसिंह राठौर सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

संस्कृत भारती की जनपद स्तरीय बैठक सर्किट हाउस मे संपन्न

चित्रकूट। बैठक मे शामिल पदाधिकारी

चित्रकूट। संस्कृत के क्षेत्र में कार्य कर रही सामाजिक संस्था संस्कृत भारती जनपद की संगोष्ठी सर्किट हाउस में संपन्न हुई।

बैठक में अखिल भारतीय अभिलेखागार प्रमुख हुलास ने संस्कृत भारती के माध्यम से संस्कृत को जन-जन तक पहुंचाने के लिए सभी संस्कृत शिक्षकों संस्कृत छात्रों एवं सामाजिको से आग्रह किया तथा संगठन की मजबूती के बारे में कार्य करने की पद्धति और नीति रीति के बारे में विस्तार से बताया। क्षेत्र संगठन मंत्री संस्कृत भारती पूर्वी उत्तर प्रदेश प्रमोद पंडित ने संस्कृत में व्याप्त ज्ञान विज्ञान तथा संस्कृत के प्रचार प्रसार के लिए संस्कृत भारती द्वारा विभिन्न प्रकल्पों के बारे में यथा गीता शिक्षण केंद्र, साप्ताहिक मिलन, बाल केंद्र, प्रबोधन वर्ग, प्रगत प्रशिक्षण वर्ग, इन सब के बारे में विस्तार से चर्चा की। अनुरंजना ने कठपुतली नृत्य के माध्यम से संस्कृत भारती की स्थापना और कार्यों के बारे में सभी कार्यकर्ताओं को बताया। संस्कृत भारती को जनपद में सांगठनिक मजबूती प्रदान करने के लिए संस्कृत भारती के प्रांत मंत्री डॉ रवेश त्रिवेदी द्वारा विभिन्न दायित्वों पर अध्यक्ष डॉ. मनोज द्विवेदी, उपाध्यक्ष डॉ. रघुवंश भूषण पाण्डेय, मंत्री ब्रजेश त्रिपाठी, शिक्षण प्रमुख नरेन्द्र कुमार मिश्र, कार्यालय प्रमुख वेद प्रकाश पाण्डेय, प्रचार प्रमुख दिवाकर गर्ग, साहित्य प्रमुख अखिलेश पयासी, कोष प्रमुख सच्चिदानन्द शुक्ल, शालेय विद्यार्थी प्रमुख माधवेश दीक्षित, महाविद्यालय कार्य प्रमुख संजय शुक्ल, बाल केन्द्र प्रमुख डॉ. माधुरी यादव, पत्राचार शिक्षण योजना प्रमुख डॉ. मूलचन्द्र द्विवेदी, विद्वत् परिषद् प्रमुख डॉ. सनत द्विवेदी, सम्पर्क प्रमुख पुरुषोत्तम प्रजापतिनगर संयोजक अरविन्द कुमार शुक्ल को बनाया गया है।

बैठक में संस्कृत भारती विभाग संयोजक डॉ प्रदीप शुक्ल, डॉ शिवशंकर त्रिपाठी, डा.रेखा त्रिपाठी, अशोक गुप्ता, रुचि पांडे, वेदार्थ उपस्थित रहे।

सेवा संकल्प अभियान के तहत हरि संकरी पौधरोपण

गुरसरांय। नगर पालिका परिषद गुरसरांय द्वारा सेवा संकल्प अभियान के तहत नगर के विभिन्न स्थानों पर हरि संकरी पौधों का रोपण किया गया। अभियान के अंतर्गत कान्हा गौशाला, तालाब तथा माता मंदिर पार्क के समीप पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं हरियाली बढ़ाने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर अधिशासी अधिकारी/न्यायिक उपजिलाधिकारी गरौठा लाल धर सिंह यादव के आदेशानुसार तथा वरिष्ठ लिपिक श्री सोनू यादव के निर्देशन में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि श्री सत्येन्द्र प्रताप सिंह चौहान, जनप्रतिनिधि देवी यादव पार्षद, डॉ. प्रशान्त कुमार एवं अंशु महाराज सहित नगर पालिका परिषद के कर्मचारी उपस्थित रहे।

इस दौरान सोनू यादव वरिष्ठ लिपिक माहेश्वरी शरण बिधौलिया प्रकाश नारायण दीक्षित, सर्वेश कुमार खरे, जयनारायण कुशवाहा, राकेश कुमार सोनी, राजेश माली, विनय सिंह, विशाल, मुकेश आदि ने पौधरोपण कार्यक्रम में सहभागिता की। नगर पालिका परिषद द्वारा नागरिकों से भी अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनकी देखभाल कर नगर को हरा-भरा एवं स्वच्छ बनाने में सहयोग करने की अपील की गई।

पास्को एक्ट जागरूकता सेमिनार का आज होगा आयोजन

गुरसरांय। यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम 2012 के तहत बच्चों में जागरूकता बढ़ाने के लिए पास्को एक्ट के तहत सेमिनार का आयोजन खेर इंटर कॉलेज के मुख्य भवन में 29 सितंबर मंगलवार को प्रातः 9 बजे से किया जायेगा, जिसमे मुख्य अतिथि सिविल जज (एस डी)गरौठा मयंक प्रकाश बच्चों को कानून की जानकारी देकर जागरूक करेंगे। उक्त जानकारी प्रधानाचार्य धनप्रकाश तिवारी ने दी।

पूर्वजों के आशीर्वाद से घर मे आती है खुशहालीः समाधिया

गुरसरांय। नगर के लंकापुरी में शनिदेव मंदिर के पास चल रही संगीतमय श्रीमद्भागवत भागवत कथा के दूसरे दिन सत्संग की महिमा का वर्णन किया गया। भागवत कथा व्यास आचार्य पं भगवत नारायण समाधिया ने भागवत की कथा सुनाते हुए कहा कि पूर्व जन्मों के प्रभाव से सत्संग प्राप्त होता है।पूर्वजों को प्रसन्न करने के लिए तर्पण किया जाता है।जिन्होंने बुजुर्गो की सेवा की वही जीवन मे सुखी रहता है,जिनके बुजुर्ग परेशान रहते है उस घर मे सुख शांति नही रह सकती है। उन्होंने कहा कि सत्संग युवा अवस्था मे जरूर सुनना चाहिये ,जिससे आपका जीवन मंगलमय बन सके,बुढ़ापे में जब सारा जीवन जी लिया फिर ज्ञान भी प्राप्त हो जाये,तो कुछ लाभ नहीं होगा। सती चरित्र के माध्यम से उन्होंने कहा कि भगवान परीक्षा का विषय नहीं है,वह प्रतीक्षा से मिलते है।भगवान के प्रति अनंत श्रद्धा रखो तो भगवान की कृपा अवश्य प्राप्त होती है। संगीतमय कथा में ऑर्गन पर प्रमोद गोस्वामी, नाल पर देवेंद्र सिंह घोष,तबला पर धर्मेन्द्र कौशिक ने संगत की। भागवत कथा का मूल पाठ आचार्य अभिनव कृष्ण शास्त्री ने किया। भागवत कथा की आरती परीक्षत श्रीमती मंजूलता हरीशंकर चौरसिया ने की। इस मौके पर श्री राम सेवा समिति के अध्यक्ष सतीश चौरसिया, विश्व हिंदू परिषद के पूर्व जिलाध्यक्ष प्रसिद्ध नारायण यादव,चंद्रप्रकाश चौरसिया, सितारवादक पं सरजू शरण पाठक,रोहित चौरसिया, जगमोहन समेले, सुरेन्द्र कुमार मिश्रा,ब्रजकिशोर दीक्षित,राम कुमार चौरसिया, अखिलेश पार्षद,साकेत चौरसिया, प्रमोद चौरसिया, हरिदयाल चौरसिया, उमाशंकर, रमाशंकर, हरेन्द्र परिहार,पप्पू चौरसिया, कल्लू नामदेव,प्रीतम चौरसिया, मिथलेश सेन आदि उपस्थित रहे।

प्राकृतिक आपदा के नुकसान पर हेल्पलाइन नंबर पर दे सूचना : गुप्ता

चित्रकूट। डीडी कृषि जीतलाल गुप्ता

चित्रकूट। उप कृषि निदेशक जीतलाल गुप्ता ने किसान भाइयों से अपील की है कि खरीफ-2026 में कराये गए फसल का बीमा में प्राकृतिक आपदा से फसल को होने वाले नुकसान की स्थिति में निर्धारित समय सीमा के भीतर सूचना देकर योजना का लाभ प्राप्त करें। फसल में प्राकृतिक आपदा से नुकसान होने पर किसान द्वारा निर्धारित समय में सूचना दिए जाने के पश्चात योजना में निहित नियमों के अनुसार क्षति का सर्वे एवं स्थानीयकृत आपदा अथवा व्यक्तिगत स्तर पर कवर जोखिम की स्थिति में प्रभावित फसल का निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार क्षति आकलन किया जाता है। किसान क्षति की सूचना देते समय अपना नाम, मोबाइल नंबर, बैंक खाता/बीमा संबंधी विवरण, फसल एवं प्रभावित खेत का विवरण उपलब्ध कराये, जिससे सर्वे एवं दावा प्रक्रिया में सुविधा हो सके। प्राकृतिक आपदा से फसल क्षति होने पर 72 घंटे के अंदर संबंधित बैंक, बीमा कम्पनी, उप कृषि निदेशक कार्यालय अथवा टोल-फ्री नंबर 14447 पर सूचना दे।

देश की जनता का लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं से उठ रहा भरोसा : पुष्पेन्द्र

चित्रकूट। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से तत्काल बर्खास्त करने और उनकी तुरंत गिरफ्तारी किए जाने की मांग को लेकर कांग्रेसियो ने सडको पर विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस पदाधिकाारियो ने करवरिया गेस्ट हाउस तहसील परिसर तक विरोध जुलूस निकाला। तहसील में प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए पूर्व महासचिव कुं0 पुष्पेंद्र सिंह ने कहा कि संवैधानिक संस्थाओं की स्वायत्तता पर लगातार हमला बोला जा रहा है। चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के कार्यकाल में निष्पक्षता के पैमाने प्रभावित हुए हैं, जिससे देश की जनता का लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं से भरोसा उठ गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक चुनाव आयोग के शीर्ष अधिकारियों की जवाबदेही तय नहीं होती और ज्ञानेश कुमार को पद से हटाकर उनकी गिरफ्तारी नहीं की जाती, तब तक कांग्रेस का यह आंदोलन रुकने वाला नहीं है। जिलाध्यक्ष कुशल सिंह पटेल ने कहा कि यह लडाई राहुल गांधी व प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के नेतृत्व में जारी रहेगी। जिला उपाध्यक्ष रंजना बराती लाल पाण्डेय ने कहा कि भाजपा सरकार तानासाही के बल पर वोट चोरी कराकर चुनाव जीत रही है इसके बिरोध में सडक से लेकर सदन तक लडाई लडी जाएगी। विरोध प्रदर्शन में विनय सिंह चौहान, कामता प्रसाद द्विवेदी, कालीचरण राजपूत, रामकृपाल वर्मा, बिजय मणि त्रिपाठी, राजेश सिंह, यमुना शुक्ला, अतुल राजपूत, अरविंद पांडे, अरुण गुप्ता, रावेद्र सिंह, प्रीमीलाल सोनकर, नीतू सिंह, चंद्रशेखर सिंह, शिवशंकर खंघार, सत्यनारायण कोल, इंद्रपाल कोल, इंद्रजीत उपाध्याय, रामेश्वर यादव, कुलदीप द्विवेदी, ललक पाल, नरेंद्र यादव, दयाशंकर निषाद, श्रवण कुमार निषाद, दीपक सिंह वेलाश उपस्थित रहे।

चित्रकूट। सडको पर जुलूस निकालते कांग्रेस पदाधिकारी

धनुष चौराहे से पटेल चौक सौन्दर्यीकरण पर भ्रष्टाचार

चित्रकूट। पूर्व सपा जिलाध्यक्ष अनुज सिंह यादव ।

चित्रकूट। जिला मुख्यालय के धनुष चौराहे से पटेल चौराहे तक बनने वाली करोडो रूपये की सडक पर कराए जा रहे सौंदर्यीकरण कार्य को लेकर सपा पूर्व जिलाध्यक्ष अनुज सिंह यादव ने निर्माण कार्य में गंभीर अनियमितताओं का आरोप लगाया है। उन्होने पूरे मामले की उच्चस्तरीय और निष्पक्ष तकनीकी जांच की मांग की है।

पूर्व सपा जिलाध्यक्ष अनुज सिंह यादव ने प्रमुख सचिव नगर विकास विभाग को पत्र भेजकर मामले की जांच कराने की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि चित्रकूट विकास प्राधिकरण की ओर से कराए जा रहे कार्य में निर्माण मानकों और गुणवत्ता की अनदेखी की जा रही है। फुटपाथ की लेवलिंग निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं की जा रही।

सपा जिलाध्यक्ष ने प्रमुख सचिव को भेजा पत्र, टीएसी जांच की मांग

निर्माण में प्रयुक्त जीएसबी लेयर को निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार लेयर-बाई-लेयर डालने और उसकी कुटाई करने पर भी सवाल उठाए गए हैं। आरोप है कि फिलर मटेरियल का भी निर्धारित तरीके से इस्तेमाल नहीं किया जा रहा है। लगाए जा रहे कर्ब स्टोन घटिया गुणवत्ता के है उनके जोड़ों में बालू के स्थान पर डस्ट का इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होने उच्चस्तरीय तकनीकी टीम गठित कर टीएसी से मौके पर जांच कराने, निर्माण में इस्तेमाल सामग्री की गुणवत्ता की जांच कराने और मानकों के अनुरूप कार्य न मिलने पर जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

किसानों की ज्वलन्त समस्याओं को लेकर हुई किसान पंचायत, जमकर गरजे किसान

मऊरानीपुर (झाँसी) उत्तर प्रदेश किसान काँग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष शिवनारायण सिंह परिहार के नेतृत्व में ग्राम चुरारा में एक किसानों की जवलन्त समस्याओं को लेकर किसान पंचायत का आयोजन किया गया। जिसमें किसानों ने आन्दोलन की चेतावनी दी। पंचायत में प्रमुख रुप से बर्बाद हुयी खरीफ फसल का प्लॉट टू प्लॉट सर्वे कराकर मुआवजा, बीमा क्लेम दिलाये जाने तत्काल में सरकारी ऋण वसूली पर रोक लगाये जाने कई सालो से बढते हुये कर्ज को देखते हुये केन्द्र व प्रदेश सरकार किसानों के सम्पूर्ण सरकारी ऋण माफ कराये जाने को लेकर आज किसान पंचायत में खूबे गरजे किसान, किसान अपने अपने खेतों से बर्बाद फसल को लेकर पंचायत स्थल पहुँचे। जहाँ पर उन्होने तिली , उर्द, मूँग, मूँगफली की फसलें दिखाते हुये कहा लगातार 2 महीने से हो रही मूसलाधार बारिश ने हमारे खेतों में बोई खरीफ फसल को सम्पूर्ण रुप से नष्ट कर दिया है। जिसको लेकर अविलम्ब मुआवजा, बीमा क्लेम की किसानों की माँग बराबर छायी रही। इस मौके पर परिहार ने शासन प्रशासन से माँग की है कि किसानों की समस्याओं का अविलम्ब निस्तारण किया जाये, अन्यथा की स्थिति में किसान काँग्रेस बडा आन्दोलन करेगी।

नागरिकों की सुरक्षा से कोई समझौता स्वीकार नहीं: कमिश्नर

■ ट्रैफिक नियमों केउल्लंघन ,चालान होने पर परमिट निरस्तीकरण की कार्रवाई करें

झांसी जयूसं। मण्डलायुक्तबिमल कुमार दुबे की अध्यक्षता में मण्डलीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयुक्त सभागार में आयोजित की गयी। मण्डलायुक्त ने समीक्षा के दौरान निर्देश दिये कि नागरिकों की सुरक्षा से कोई समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा, बार बार ट्रैफिक नियमों को तोड़ने/ चालान होने पर उसके परमिट निरस्तीकरण की कार्रवाई सुनिश्चित करें, जिससे बड़ी दुर्घटनाओं से बचा जा सके, सड़कों पर वाहनों की पार्किंग स्वीकार नहीं होगी। क्योंकि सड़कों पर वाहनों की पार्किंग से यातायात अवरुद्ध होता है, जिससे आवागमन प्रभावित होता है। उन्होंने यह भी निर्देश दिये कि शहर के विभिन्न चैराहों के आसपास टेम्पो/ई-रिक्शा को चौराहों से न्यूनतम सौ मीटर दूर ही खड़ा किया जाए। ऐसे वाहन जिन पर अनाधिकृत/ अतिरिक्त लाइट लगी हैं, उनके विरुद्ध यह सख्त कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।

मण्डलायुक्त ने नगर निगम के अधिकारियों को निर्देशित किया कि सड़कों पर व्यवधान उत्पन्न करने वाले रेहड़ी/खोखे आदि को हटाया जाए। एसपी ग्रामीण को निर्देश दिए कि भारी वाहन जिनको शहर में माल उतारना है, उन्हें प्रवेश की अनुमति दी जाए, तथा रात्रि में 11 बजे के बाद ही अनुमति प्रदान करें।

मण्डलायुक्त ने बस अड्डे के बाहर उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की बसों को खड़ा करके सवारी बैठाने से मार्ग अवरुद्ध होने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुये परिवहन निगम को निर्देशित किया। उन्होंने मरीजों के हित में/ जनता की सुविधा के लिए मेडिकल रोड पर एक सप्ताह का विशेष अभियान चलाकर चालान सम्बन्धित कार्यवाही सुनिश्चित करें।

मण्डलायुक्त ने राष्ट्रीय राजमार्ग पर दुर्घटना की स्थिति में ष्टाष्ट मोंठ व चिरगांव में जीवन रक्षक दवाओं की उपलब्धता के साथ ही एक रूम जिसमें सभी अपडेट उपकरण भी रखें, दुर्घटना ग्रस्त व्यक्ति को समय से उपचार मिले। उन्होंने यह भी निर्देश दिये कि बार कोड युक्त इस आशय के बोर्ड लगाए जाएं जिसमे निकटवर्ती चिकित्सालयों की मैपिंग अंकित हो ताकि दुर्घटना की स्तिथि में वाहन चालक उसका प्रयोग कर सकें, यह बोर्ड कैश बैरियर (टोल प्लाजा), ब्लैक स्पॉट्स व टी जंक्शन्स पर समुचित ऊंचाई पर लगाए जाएं।

मण्डलायुक्त ने निर्देश दिए कि स्कूली वाहनों के अभियान को परिवहन विभाग व शिक्षा विभाग प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करे। हर वाहन को समस्त विद्यालय परिवहन विभाग द्वारा सृजित पोर्टल पर दर्ज करना सुनिश्चित करे। इस अभियान के शत-प्रतिशत अनुपालन को सुनिश्चित किया जाए। मण्डलायुक्त ने सभी नोडल विभागों को निर्देशित किया कि दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से शासन द्वारा विभागवार दिये गए निर्देशों तथा जिला व मण्डलीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठकों में दिये गए निर्देशों का शतप्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होने मण्डल के तीनों जनपदों झांसी, ललितपुर व जालौन में गुड सेमेरिटन योजना के प्रचार-प्रसार हेतु जिला अस्पताल, मेडीकल कॉलेज, थाना, तहसील, जिला स्तर पर विभिन्न चैराहों पर व्यापक प्रचार-प्रसार करायें जाने के निर्देश दिये, ताकि इस योजना का लाभ दुर्घटनाग्रस्त स्थल पर किसी व्यक्ति की जान बचाने में तत्काल प्रयास किया गया हो। बैठक में एसपी ग्रामीण डॉ.अरविन्द कुमार, अपर नगर आयुक्त राहुल यादव, आरटीओ प्रवर्तन राजेश कुमार वर्मा, आरटीओ प्रशासन एके त्रिवेद्वी, एआरटीओ हेमचंद्र गौतम, अधीक्षण अभियंता पीडब्ल्यूडी संजीव कुमार, संयुक्त निदेशक शिक्षा आरके वर्मा, अपर निदेशक स्वास्थ्य डॉ. आरके सोनी, एडी बेसिक, निदेशक एनएचएआई, ट्रक एसोसिएशन अध्यक्ष गुरदीप सिंह चावला, गौरी फाउडेंशन के राहुल द्विवेदी, बस ऑपरेटर एसोसिएशन अध्यक्ष अनूप यादव, टेम्पो-टैक्सी एसोसिएशन सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं एसोसिएशन के पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

शिक्षण संस्थानों में विशेष पॉक्सो विधिक जागरूकता अभियान के तहत आयोजित हुए विधिक साक्षरता शिविर

झाँसी जयूसं। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के दिशा-निर्देशानुसार एवं माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण झाँसी श्रीमती कमलेश कच्छल के मार्गदर्शन में जनपद के शिक्षण संस्थानों में बच्चों एवं बालिकाओं की सुरक्षा हेतु विशेष पॉक्सो विधिक जागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव श्रीमती ईशा त्रिपाठी के संयोजन में हाफिज सिद्दीक नेशनल गर्ल्स इंटर कॉलेज, एम.एस. राजपूत इंटर कॉलेज, नगरा एवं अखंडानंद इंटर कॉलेज, गरौठा में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर आयोजित किए गए।

बीआईईटी झाँसी की डॉ. शहनाज अयूब सम्मानित

झाँसी जयूसं। बुंदेलखंड इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी झाँसी की प्रोफेसर, बुंदेलखंड इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन सेंटर फाउंडेशन की निदेशक एवं राष्ट्रीय सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार-2024 से सम्मानित प्रो.(डॉ.) शहनाज अयूब को शोभित विश्वविद्यालय, मेरठ द्वारा विशेषज्ञ वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया।

मामूली बात पर युवक पर हमला

झांसी जयूसं। बबीना थाना क्षेत्र के मथुरा पुरा मंदिर के पास एक युवक पर हमला कर दिया जिससे वह घायल हो गया। इसकी सूचना पुलिस को दी गई।
बबीना थाना क्षेत्र के ग्राम खजराहा खुर्द निवासी अवधेश राजपूत ने बताया कि उसका बेटा आशीष राजपूत 22 सितंबर को झांसी से घर लौट रहा था। शाम करीब 6 बजे मथुरापुरा मंदिर के पास कुछ लोगों ने उसे रोक लिया। आरोप है कि विपक्षियों ने आशीष से गाली-गलौज की। विरोध करने पर उन्होंने लाठी-डंडों से हमला कर दिया, जिससे उसे चोटें आईं। आरोपी जान से मारने की धमकी देकर भाग गए। अवधेश राजपूत की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया।

कारखाना अधिनियम में इकाई होंगी पंजीकृत

उद्यमियों की समस्याओं का निस्तारण विभागीय अधिकारियों की सर्वोच्च प्राथमिकता: जिलाधिकारी

झाँसी जयूसं। जिलाधिकारी गौरांग राठी ने कलैक्ट्रेट नवीन सभागार में ज़िला उद्योग बंधु समिति/ व्यापार बंधु सहित जनपद स्तरीय एमओयू क्रियान्वयन इकाई की बैठक ली। कलैक्ट्रेट नवीन सभागार में जिला स्तरीय उद्योग बन्धु समिति की बैठक में जिलाधिकारी गौरांग राठी ने उपस्थित समस्त उद्यमियों से कहा कि आपकी समस्याओं का निराकरण ही समस्त विभागीय अधिकारियों की सर्वोच्च प्राथमिकता है। जनपद में औद्योगिक विकास से ही जनपद का चहुंमुखी विकास संभव है। जिलाधिकारी ने उद्योगपतियों से संवाद करते हुए कहा कि प्रदेश की वन ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी बनाने के लिए मुख्यमंत्री की प्राथमिकता बुन्देलखण्ड के चहुंमुखी विकास पर केन्द्रित है,अनेकों योजनायें केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा संचालित की जा रही हैं, जिसका सीधा लाभ क्षेत्र के उद्यमियों को प्राप्त हो रहा है। बुन्देलखण्ड में उद्योगों के सृजन में और तेजी आए और स्थानीय युवाओं को रोजगार मिले,इसके लिए केन्द्र व प्रदेश सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का समुचित लाभ बुंदेलखंड क्षेत्र के उद्यमियों को मिले, इसे अवश्य सुनिश्चित किया जाय।

बैठक में जिलाधिकारी ने अध्यक्ष बुन्देलखण्ड चैंबर ऑफ कॉमर्स सहित मौजूद उद्यमियों से औद्योगिक , व्यापारिक इकाइयों को कारखाना अधिनियम के अंतर्गत पंजीकृत कराए जाने की अपील करते हुए कहा कि श्रमिकों को समुचित न्याय और सुविधायें प्रदान करवाने के लिए इकाई का पंजीकरण कराया जाना अनिवार्य है। उन्होंने जीएसटी व ईपीएफ विभाग से औद्योगिक इकाइयों में कार्यरत कामगारों की सूची उपलब्ध कराने के निर्देश दिए ताकि इकाइयों का क्रोस वेरिफिकेशन कराया जाएगा।

जिलाधिकारी श्री गौरांग राठी ने सर्विस स्टेशन व ऐसे व्यापारिक प्रतिष्ठानों की भी सूची तैयार करने हेतु उप श्रमायुक्त को निर्देशित किया। जिला स्तरीय उद्योग बंधु समिति की बैठक में डीएम ने उद्यमियों की समस्याओं को सुना, बैठक में ग्रोथ सेंटर औद्योगिक क्षेत्र बिजौली, झांसी के कतिपय भूखंडों में अमल दरामद की कार्रवाई की समीक्षा करते हुए वेदांत अग्रवाल को ग्रोथ सेंटर फेस-2 में पहले श्व-17 भूखंड का आवंटन हुआ था।तत्सम भूखण्डों पर किसानों ने के विरोध के कारण यूपीसीडा द्वारा श्व-04 आवंटन कर दिया।अब पहले भूखंड में लगी बैंक गारंटी जमा है, जो अवमुक्त नहीं हो पा रही क्योंकि नियमानुसार भूखंड पर इकाई स्थापित नहीं हुई है।जिलाधिकारी ने निर्णय लेते हुए उक्त प्रकरण को शासन स्तर पर प्रेषित करने के निर्देश दिए ताकि शासन के निर्देश पर प्रकरण का निस्तारण किया जा सके और उद्यमी द्वारा इकाई स्थापित करने की समस्या का हल निकाल सके।

जिला स्तरीय उद्योग बंधु समिति की बैठक में उपायुक्त उद्योग चौधरी ने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान की जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश में जनपद की 04 रैंक और सीएम डैशबोर्ड में,+ श्रेणी प्राप्त हुई है। 2500 लक्ष्य के सापेक्ष अब तक 3112 प्रेषण तथा 966 आवेदन स्वीकृत करते हुए 893 का वितरण किया जा चुका है। इसी क्रम में उन्होंने मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना की जानकारी देते हुए बताया कि जिला समन्वयक व समस्त शाखा प्रबंधकों के साथ दैनिक आधार पर समन्वय स्थापित करते हुए लगातार कार्रवाई की जा रही है। योजना सीएम डैशबोर्ड पर,+ श्रेणी तथा प्रदेश में टॉप में है। इस मौके पर नगर आयुक्त ए सूदन,सीडीओ रामेश्वर सुधाकर सब्बनवाड, एडीएम प्रशासन प्रताप शुक्ल, अपर नगर आयुक्त श्रीमती रोली गुप्ता, उपायुक्त उद्योग मनीष चौधरी, अध्यक्ष बुन्देलखण्ड चैंबर धीरज खुल्लर लेकिन, दिलीप अग्रवाल, संजय गुप्ता,संतोष साहू सहित अन्य उद्यमी/ व्यापारी तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

पयूर्षण पर्व के समापन पर कलशाभिषेक समारोह का आयोजन

■ बच्चों का संस्कारित करने वाली शिक्षिकाओं को किया सम्मानित

झांसी जयूसं। पर्यूषण पर्व समापन उपरांत जैन समाज की वार्षिक कलश वंदना की श्रृंखला में आज गुदरी स्थित श्री नेमीनाथ दिगंबर जैन मंदिर का कलशाभिषेक का आयोजन समारोह पूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ आचार्य विद्यासागर के चित्र अनावरण व दीप प्रज्जवलित करके किया। धर्मध्वजा सौरभ जैन, प्रवीण जैन ने स्थापित की।
भावपूर्ण मंगलाचरण की प्रस्तुति अर्चना, प्रगति, प्रियंका ने दी।
आरंभ में श्री जी की
के अभिषेक सुभाष जैन, संजय जैन पुणे, रवि कंधारी, सनत नायक ने शांतिधारा विवेक नायक, महेंद्र ढ़करई, पंकज जैन, राहुल मान्ची ने की।
भगवान के मस्तक पर छत्र चंवर समर्पित किए।
महाआरती का अवसर आर के जैन ,वी के जैन को मिला।
पर्यूषण पर्व के दौरान उपवास रखने वाले श्रावक श्राविकाओं, पाठशाला के माध्यम से बच्चों को संस्कारित करने वाली शिक्षिकाओं को सम्मानित को महेंद्र बाबूजी ने सम्मानित किया।
संपूर्ण आयोजन पं. विनोद शास्त्री बबीना के निर्देशन में संपन्न हुआ। इस अवसर पर पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रदीप जैन आदित्य, परंतप शर्मा, अनुज नीखरा, मुनीश , यश, जयदीप खरे, राजीव सिर्स, बाबूलाल नायक, श्रीमती शीला सिंघई, शोभा जैन, सबिता जैन, सीमा नायक, अंजलि जैन आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन अंचल जैन ने आभार सनत जैन व धरनेंद्र ने संयुक्त रूप से प्रकट किया।

संवैधानिक संस्थाओं पर अनर्गल आरोप लगाना कांग्रेस की हताशा का प्रतीक: महापौर

■ संवैधानिक विषयों को राजनीतिक ढाल बनाकरभ्रम फैलाया जा रहा है: जिला पंचायत अध्यक्ष

झांसी जयूसं। भारतीय जनता पार्टी कार्यालय पर आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता महापौर बिहारीलाल आर्य एवं जिला पंचायत अध्यक्ष पवन गौतम ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि लगातार मिल रही चुनावी पराजय से बौखलाई कांग्रेस अपनी राजनीतिक नाकामियों को छिपाने के लिए संवैधानिक संस्थाओं और चुनाव आयोग पर बेबुनियाद आरोप लगा रही है।
महापौर द्वारा स्पष्ट किया कि चुनाव आयोग के संयुक्त बयान से कांग्रेस और विपक्षी गठबंधन के सभी भ्रामक दावों की पोल खुल चुकी है। मुख्य चुनाव आयुक्त और दोनों चुनाव आयुक्तों की सर्वसम्मति से एसआईआर सहित सभी चुनावी निर्णय पूरी पारदर्शिता से लिए गए हैं, जिसे सुप्रीम कोर्ट भी वैद्य ठहरा चुका है। इसके बावजूद राहुल गांधी और कांग्रेस नेतृत्व लगातार ईवीएम, न्यायपालिका, चुनाव आयोग और सेना के शौर्य पर सवाल उठाकर उनकी साख को नुकसान पहुँचाने का काम कर रहे हैं।
पवन गौतम जिला पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि जब भी विपक्ष जनता की अदालत में पराजित होता है, वह लोकतांत्रिक संस्थाओं पर झूठे आरोप मढ़ने लगता है। कांग्रेस को अपनी संगठनात्मक कमजोरियों पर आत्ममंथन करना चाहिए और देश की संवैधानिक संस्थाओं व जनता से इस झूठे दुष्प्रचार के लिए बिना शर्त माफी मांगनी चाहिए। वार्ता में प्रियांशु डे मीडिया प्रभारी एवं मोहित पोरवाल सह मीडिया प्रभारी भाजपा उपस्थित रहे ।

इलाहाबाद-झांसी खण्ड स्नातक निर्वाचन-2026 की नामांकन प्रक्रिया एवं मतदान को लेकर राजनीतिक दलों के साथ बैठक सम्पन्न

झांसी जयूसं। उत्तर प्रदेश विधान परिषद इलाहाबाद-झांसी खण्ड स्नातक निर्वाचन-2026 के नामांकन प्रक्रिया, मतदान एवं अन्य निर्वाचन संबंधी व्यवस्थाओं के संबंध में अपर जिलाधिकारी प्रशासन/ उप जिला निर्वाचन अधिकारी शिव प्रताप शुक्ल की अध्यक्षता जनपद के मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक गांधी सभागार, कलेक्ट्रेट झांसी में आयोजित की गई।
बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रशासन/उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा इलाहाबाद-झांसी खण्ड स्नातक निर्वाचन-2026 का निर्वाचन कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। निर्वाचन की अधिसूचना 29 सितम्बर 2026 को जारी होगी। नाम निर्देशन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 06 अक्टूबर को, नाम निर्देशन पत्रों की जांच 07 अक्टूबर को तथा नाम वापसी की अंतिम तिथि 09 अक्टूबर 2026 है। मतदान 23 अक्टूबर 2026 को प्रातः 08ः00 बजे से अपराह्न 04:00 बजे तक कराया जाएगा। मतगणना 27 अक्टूबर 2026 को होगी तथा निर्वाचन प्रक्रिया 31 अक्टूबर 2026 तक पूर्ण की जानी है।
उन्होंने यह भी अवगत कराया है कि इलाहाबाद-झांसी खण्ड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में कुल 10 जनपद प्रयागराज, कौशाम्बी, फतेहपुर, चित्रकूट, बांदा, हमीरपुर, महोबा, जालौन, झांसी एवं ललितपुर सम्मिलित हैं। उन्होंने बताया कि निर्वाचन क्षेत्र के रिटर्निंग ऑफिसर मण्डलायुक्त, झांसी मण्डल, झांसी हैं तथा अपर आयुक्त (न्यायिक), झांसी मण्डल, झांसी एवं अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व), झांसी सहित संबंधित अधिकारियों को सहायक रिटर्निंग ऑफिसर नामित किया गया है। जनपद झांसी में कुल 47 मतदेय स्थल हैं, जबकि सम्पूर्ण निर्वाचन क्षेत्र में 353 मतदान स्थल हैं। जनपद झांसी में कुल 24,934 मतदाता तथा सम्पूर्ण निर्वाचन क्षेत्र में 2,61,208 मतदाता पंजीकृत हैं।
बैठक में उन्होंने बताया कि नामांकन पत्रों की जांच, नामांकन से संबंधित कार्य तथा नाम वापसी की प्रक्रिया 29 सितम्बर 2026 से 09 अक्टूबर 2026 तक न्यायालय आयुक्त, झांसी मण्डल, झांसी के कक्ष में संपन्न होगी। निर्वाचन की अधिसूचना जारी होने के साथ आदर्श आचार संहिता प्रभावी है, जिसका सभी संबंधितों द्वारा अनुपालन किया जाना आवश्यक है। नामांकन पत्र के साथ निर्धारित प्रारूप में अभ्यर्थी के नवीनतम 5 फोटो (2 सेमी म 2.5 सेमी) प्रस्तुत की जाएगी। मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों द्वारा खड़े किए गए अभ्यर्थियों के लिए निर्धारित संख्या में प्रस्तावक तथा अन्य अभ्यर्थियों के लिए 10 निर्वाचक प्रस्तावक होना आवश्यक है। अभ्यर्थियों को निर्वाचन व्यय हेतु पृथक बैंक खाता खोलकर उसकी पासबुक की छायाप्रति नामांकन से पूर्व प्रस्तुत करनी होगी। नामांकन के साथ फार्म-26 (शपथ-पत्र) में मांगी गई समस्त सूचनाएं पूर्ण रूप से भरी जाना आवश्यक है।
उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि नामांकन अवधि के दौरान चुनाव प्रचार-प्रसार के लिए छपवाए जाने वाले पोस्टर, पम्पलेट एवं अन्य प्रचार सामग्री पर मुद्रक तथा प्रकाशक का नाम, पता एवं अन्य आवश्यक विवरण अंकित होना अनिवार्य बताया गया। नामांकन पत्र प्रस्तुत करने के समय अभ्यर्थी सहित अधिकतम 05 व्यक्ति रिटर्निंग ऑफिसर के कक्ष में उपस्थित रह सकेंगे तथा नामांकन स्थल के निर्धारित परिसर में केवल 03 वाहन अनुमन्य होंगे। निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान किसी प्रकार का जुलूस / सभा बिना अनुमति के आयोजित किया जाना प्रतिबंधित रहेगा। बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रशासन/उप जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा उपस्थित राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से निर्वाचन प्रक्रिया को भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों, आदर्श आचार संहिता एवं निर्धारित नियमों के अनुरूप संपन्न कराने में सहयोग प्रदान करने की अपील की गई है।

स्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक नाथूराम कुशवाहा द्वारा जनता यूनियन प्रेस, शिव परिवार कालोनी, उन्नाव गेट बाहर झाँसी से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक - नाथूराम कुशवाहा*
फोन नं. 0510-2331158 आरएनआई नं. यूपीएचआईएन/2007/22191 समस्त विवादों का निपटारा झाँसी न्यायालय के अधीन होगा। *पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए उत्तरदायी

cmyk